(15)

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय की एनसीसी कैडेट्स ने पोस्टर स्लोगन से मनाया पृथ्वी दिवस

April 22, 2020 • वॉयस ऑफ कैपिटल डेस्क • शिक्षा

लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज की एनसीसी की छात्राओं द्वारा पोस्टर स्लोगन और वीडियो द्वारा पृथ्वी दिवस (अर्थ डे) को बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया।

(18)

सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय में मना पृथ्वी दिवस

April 22, 2020 • Pramod kumar yadav • राजधानी लखनऊ

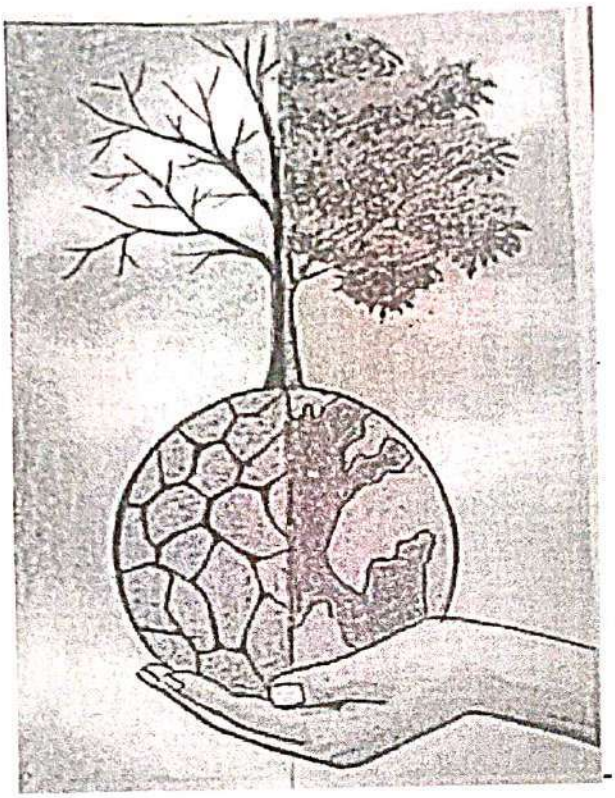

- पृथ्वी दिवस पर एनसीसी की छात्राओं ने पोस्टर बनाया

लखनऊ(सौम्य भारत)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज में बुधवार को पृथ्वी दिवस पर एनसीसी की छात्राओं ने पोस्टर बनाकर मनाया। इस दौरान एनसीसी प्रभारी श्रीमती प्रतिमा शर्मा ने बताया की कैडेट मुस्कान राव, संध्या शर्मा, जोशना शुक्ला, तनु शुक्ला, आराध्य पांडेय, श्वेता सिंह चौहान, मांडवी शुक्ला, कुमकुम, रोशनी गौतम, ज्योति, मीनाक्षी शर्मा एवं कई कैडेट्स द्वारा इस अवसर पर तरह तरह से (Save Earth) का संदेश दिया। इसके साथ ही महाविद्यालय की एनसीसी की 30 छात्राओं ने सेंट्रल गवर्नमेंट के दीक्षा एप द्वारा आई गॉड एनसीसी कोविड-19 की ट्रेनिंग पूरी की। इसके साथ किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी(KGMU) द्वारा कराई गई को COVID-19 की ऑनलाइन ट्रेनिंग भी 40 कैडेट्स ने पूरी की है। महाविद्यालय के सभी कैडेट्स इस महामारी में अपने कर्तव्य पालन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अनुराधा तिवारी ने सभी कैडेट्स को उनकी ऑनलाइन ट्रेनिंग पूरी करने के लिए बधाई दी एवं उनकी तरह तरह के प्रयास की सराहना की एवं सभी जागरूक छात्राओं का उत्साह वर्धन एवम् मार्गदर्शन भी किया।

लॉक डॉउन में छात्र/छात्रायें भयभीत न हो ऑनलाइन शिक्षा का महत्व समझे

सीतापुर–संवाददाता। नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज

ने लॉक डाउन के दौरान शिक्षण व्यवस्था सुचारु रूप से चलाये रखने के लिए सभी तैयारियाँ की है।महाविद्यालय के सभी शिक्षक विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएँ ले रहे हैं ताकि छात्राएँ आगामी सेमेस्तेर दो एवं चार की विधिवत तैयारी कर सकें।इसके लिए प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने सभी प्राध्यापकों को निर्देशित किया है कि वे अपने विषय से सम्बंधित पाठ्यक्रमों के पर्याप्त प्रश्न बैंक कालेज की मूइेपजम पर अपलोड करें साथ सम्बंधित पाठ्य सामग्री भी नोट्स आदि बनाकर अपलोड करें जिससे छात्राओं को अध्ययन में असुविधा का सामना न करना पढ़े।उन्होंने छात्राओं का भी आह्वान किया है की वे इस लाक्डाउन के दौरान अपनी कम्प्यूटर दक्षता को बढ़ाएँ तथा अपने शिक्षकों के सम्पर्क में रहें।उन्होंने बताया कि विवि परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरने के लिए छात्राओं को सूचित किया जा चुका है उनका प्रिंटआउट जमा करने के बारे में भी सूचित किया जाएगा। दूसरी ओर लाक्डाउन के दौरान विविड१९के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कालेज के शिक्षकों और छात्राओं द्वारा बड़े पैमाने पर काम किए गये है गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर घरेलू लगभग एक हजार मास्क बना कर जन सामान्य में वितरित किए गये है वहीं दूसरी ओर छै तथा छब्ब की स्वयम्सेवीयों द्वारा भी स्लोगन प्लैकार्ड्ज लघु नाटिका विडीओज आदि के माध्यम से करोना के विषय में जागृति लाने का कार्य किया जा रहा है।प्राचार्य की ओर से छात्राओं के लिये एक खुला पत्र लिखा गया है जिसमें बड़ी भावपूर्ण अपील की गई है तथा छात्राओं से निडर होकर इस महामारी से लड़ने का आह्वान किया गया है।

(6)

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा एनसीसी कैडेट्स से परिचर्चा

Published
6 months ago
on
By
जितेन्द्र कुमार यादव

लखनऊ (adanews24) । वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा एनसीसी कैडेट्स एवं एनसीसी प्रभारी प्रतिमा शर्मा एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय की वरिष्ठ एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रश्मि विश्नोई द्वारा एक मीटिंग की

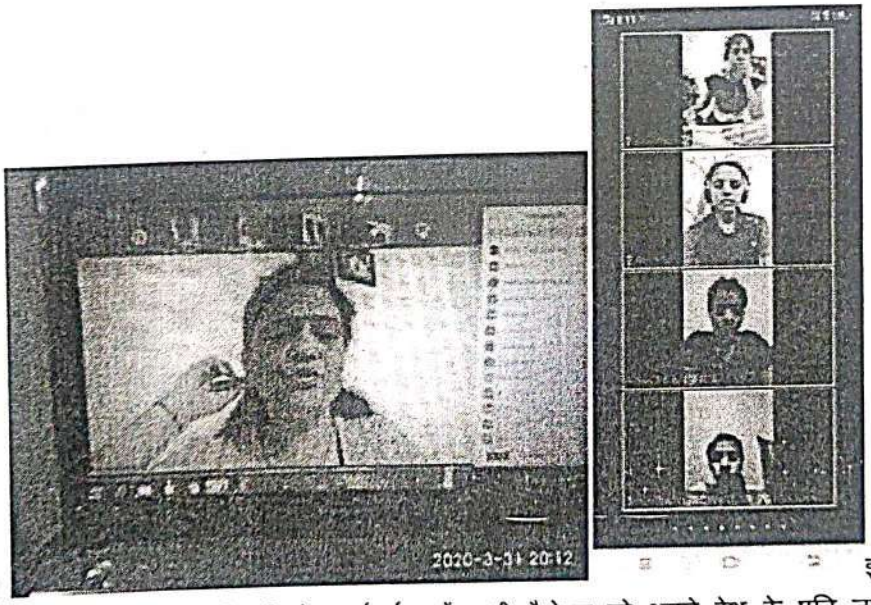

गई। इसमें महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी के मार्गदर्शन में सभी कैडेट्स को अपने देश के प्रति जागरूक रहने एवं इस कोरोना महामारी से बचने के उपायों पर चर्चा एवं परिचर्चा की गई ताकि यह कैडेट्स अपने आसपास के वातावरण में रहते हुए सभी को जनरल अवेयरनेस के द्वारा जागरूक कर सकें इसके साथ ही एनसीसी के 14 कैडेट भी शासन द्वारा ड्यूटी लगाए जाने के लिए मुस्तैदी से तैयार हैं सभी एनसीसी कैडेट्स इस महामारी में अपना योगदान देने के लिए तत्पर है इन्होंने तरह-तरह के सोशल मैसेजेस एवं चार्ट और पोस्टर बनाकर सोशल मीडिया पर एवं अपने अपने घर के बाहर और आसपास के रहने वालों को जागरूक करने का बीड़ा भी उठाया है महाविद्यालय के समस्त एनसीसी कैडेट्स इस महामारी से बचने के लिए कुछ भी कर गुजरने का जज्बा रखते हैं।

स्थानीय नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ द्वारा दिनांक ३१/०३/२०२० को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा एक मीटिंग एनसीसी कैडेट्स एवं एनसीसी प्रभारी श्रीमती प्रतिमा शर्मा एवं महाविद्यालय की वरिष्ठ एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रश्मि विश्नोई द्वारा की गई इसमें महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी के मार्गदर्शन में सभी कैडेट्स को अपने देश के प्रति जागरूक रहने एवं इस कोरोना महामारी से बचने के उपायों पर चर्चा एवं परिचर्चा की गई ताकि यह कैडेट्स अपने आसपास के वातावरण में रहते हुए सभी को जनरल अवेयरनेस के द्वारा जागरूक कर सकें इसके साथ ही एनसीसी के 14 कैडेट भी शासन द्वारा ड्यूटी लगाए जाने के लिए मुस्तैदी से तैयार हैं सभी एनसीसी कैडेट्स इस महामारी में अपना योगदान देने के लिए तत्पर है इन्होंने तरह-तरह के सोशल मैसेजेस एवं चार्ट और पोस्टर बनाकर सोशल मीडिया पर एवं अपने अपने घर के बाहर और आसपास के रहने वालों को जागरूक करने का बीड़ा भी उठाया है महाविद्यालय के समस्त एनसीसी कैडेट्स इस महामारी से बचने के लिए कुछ भी कर गुजरने का जज्बा रखते हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर एनसीसी कैडेट्स से परिचर्चा

April 1, 2020 • 9454986868

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय

लखनऊ(अलीगंज लखनऊ)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय के तत्वावधान में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एनसीसी प्रभारी श्रीमती प्रतिभा शर्मा व महाविद्यालय की डॉ रश्मि त्रिपाठी ने एनसीसी कैडेट्स की मीटिंग की। इस मीटिंग में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अनुराधा तिवारी ने कैडेट्स को देश के प्रति जागरूक रहने के साथ साथ कोरोना महामारी से बचने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि एनसीसी के 14 कैडेट भी भारत सरकार द्वारा ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए यूनिट से तैयार हैं। उन्होंने सभी एनसीसी कैडेट्स से इस महामारी में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

(1)

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अलीगंज, लखनऊ

'तमसो माँ ज्योतिर्गमय'

आज रात 9 बजे 9 मिनट के लिए

घर की सभी लाइटें बंद करके घर के दरवाजे या बालकनी पर खड़े होकर दीया, मोमबत्ती, टार्च या मोबाइल की फ्लैश लाइट जलायेंगे।

ध्यान रहे इस दौरान Social Distancing का पूरा ध्यान रखें और एक जगह बिल्कुल एकत्रित न हों।

आइये हमसब मिलकर कोरोना वाइरस को दूर भगायें

निवेदक
प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्य
एवं समस्त महाविद्यालय परिवार

लॉक डाउन अवकाश नहीं,ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था अपनाये शिक्षक –प्रोफ़ेसर अनुराधा तिवारी

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज लखनऊ ने लॉक डाउन के दौरान ऑन लाइन शिक्षण व्यवस्था के लिए कमर कस ली है।प्राचार्य प्रोफ़ेसर अनुराधा तिवारी के नेतृत्व में ज़ूम ऐप के माध्यम से सम्पन्न हुई शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ़ के साथ बैठक में अनेक महत्वपूर्ण विंदुओ पर चर्चा हुई तथा ज़रूरी दिशा निर्देश भी जारी किए गये।प्राचार्य ने सभी शिक्षकों को शासन एवम् विभाग द्वारा जारी गाइड लाइन के बारे में बताते हुये निर्देश दिया कि सभी शिक्षक ऑन लाइन टाइम टेबल अपलोड करके ऑन लाइन कक्षाएँ नियमित रूप से ले इसके अलावा सभी शिक्षक तत्काल अपने विषयों के पाठ्यक्रम से सम्बंधित E content वेब साइट पर अपलोड कर दें उन्होंने ये भी कहा कि समेस्टर दो एवँ चार की आगामी परीक्षाओं को ध्यान में रखके प्रत्येक विषय के प्रश्न बैंक पर्याप्त संख्या में web साइट पर डालें जाये तथाप्राध्यापक ये सुनिश्चहित करे कि अधिकांश छात्राओं की ऐक्सेस web साइट और अन्य सोशल मीडिया के साधनो पर हो।प्राचार्य ने स्पष्ट किया की लॉकडाउन का समय अवकाश नही बल्कि कर्तव्य का है उन्होंने सभी का आह्वान किया की वे विभिन्न माध्यमों से करोना के प्रति जागरूकता फैलाए तथा भारत सरकार से अनुशंसित आरोग्य सेतु ऐप से जुड़ने के लिएछात्राओं अभिभावकों एवं समाज के अन्य लोगों को प्रेरित करे प्राचार्य ने कहा कि कालेज की NSS तथा N CC इकाई द्वारा काफ़ी प्रशंसनीय कार्य किए गये है इसे और आगे बढ़ता रहना चाहिए प्राचार्य द्वारा बैठक में इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की गयीं की महाविद्यालय के शिक्षकों से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में छात्राओं तथा उनके अभिभावकों द्वारा आरोग्य सेतु ऐप अपनाया गया है साथ विभिन्न माध्यमों से अपीलें भी की गयी है कई शिक्षकों ने प्राचार्य को बताया की छात्राएँ विभिन्न पोस्टर्ज़ कला एवम् स्केच एवम् शॉर्ट विडीओ के द्वारा निरन्तर जागरूकता कर रही है प्राचार्य द्वारा बताया गया की महाविद्यालय स्टाफ़ द्वारा माह मार्च के एक दिन के वेतन को मुख्यमंत्री सहायता कोष में सहयोग राशि के रूप में उपलब्ध कराया गया है

उन्होंने कहा की सभी लोग करोना की रोकथाम के लिये सरकारी द्वारा जारी उपायों पर अमल करें तथा सुरक्षित रहे।उन्होंने ये भी कहा कि सभी कार्यों की समीक्षा निश्चित अंतराल पर होती रहेगी।

लॉकडाउन में अवकाश नहीं, ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था अपनाये शिक्षक - प्रो. अनुराधा तिवारी

April 13, 2020 • वॉयस ऑफ कैपिटल डेस्क • शिक्षा

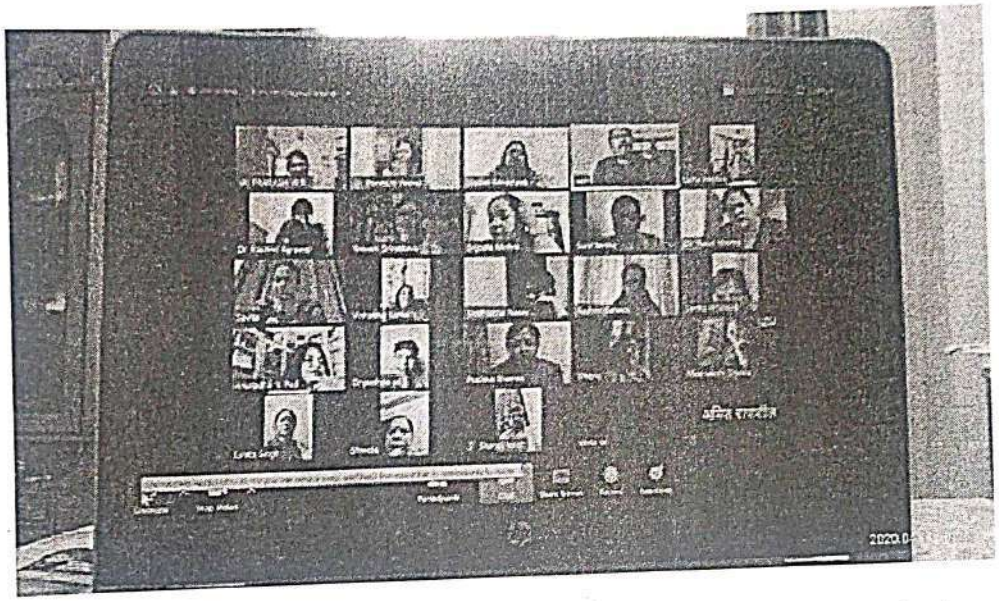

लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज में भी लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन पढ़ाई होगी। प्राचार्य प्रो. अनुराधा तिवारी के नेतृत्व में ज़ूम ऐप के माध्यम से सम्पन्न हुई शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ़ के साथ वैठक में अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओ पर चर्चा हुई और ज़रूरी दिशा निर्देश भी जारी किए गये। प्राचार्य ने सभी शिक्षकों को शासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा जारी गाइड लाइन के बारे में बताते हुये निर्देश दिया कि सभी शिक्षक ऑनलाइन टाइम टेबल अपलोड करके नियमित रूप से ऑनलाइन कक्षाएँ ले। इसके अलावा सभी शिक्षक तत्काल अपने विषयों के पाठ्यक्रम से सम्बंधित ई कनेक्ट वेबसाइट पर अपलोड कर दें।

लॉक डाउन अवकाश नहीं,ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था अपनाये शिक्षक: प्रो अनुराधा तिवारी

April 13, 2020 • Pramod kumar yadav • राजधानी लखनऊ

लखनऊ(सौम्य भारत)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पीजी कालेज की प्राचार्य प्रो अनुराधा तिवारी ने सोमवार को बताया कि लॉक डाउन के दौरान ऑन लाइन शिक्षण व्यवस्था के लिए कमर कस लें शिक्षक। उन्होंने बताया कि ज़ूम ऐप के माध्यम से शिक्षकों व अन्य स्टाफ़ की बैठक हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण बिंदुओ पर चर्चा हुई। इस दौरान प्राचार्य ने शिक्षकों को शासन द्वारा जारी गाइड लाइन के बारे में बताते हुये निर्देश दिया कि सभी शिक्षक ऑन लाइन टाइम टेबल अपलोड करके ऑन लाइन कक्षाएँ नियमित रूप से लें। उन्होंने कहा कि समेस्टर दो व चार की आगामी परीक्षाओं को ध्यान में रखके प्रत्येक विषय के प्रश्न बैंक पर्याप्त संख्या में वेबसाइट पर डालें। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन का समय अवकाश नही बल्कि कर्तव्य का है।

ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था अपनाएं शिक्षक : प्रो. अनुराधा

लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पीजी कालेज की प्राचार्य प्रो अनुराधा तिवारी ने सोमवार को बताया कि लॉक डाउन के दौरान ऑन लाइन शिक्षण व्यवस्था के लिए कमर कस लें शिक्षक। उन्होंने बताया कि ज़ूम ऐप के माध्यम से शिक्षकों व अन्य स्टाफ़ की बैठक हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण बिंदुओ पर चर्चा हुई। इस दौरान प्राचार्य ने शिक्षकों को शासन द्वारा जारी गाइड लाइन के बारे में बताते हुये निर्देश दिया कि सभी शिक्षक ऑन लाइन टाइम टेबल अपलोड करके ऑन लाइन कक्षाएँ नियमित रूप से लें। उन्होंने कहा कि समेस्टर दो व चार की आगामी परीक्षाओं को ध्यान में रखके प्रत्येक विषय के प्रश्न बैंक पर्याप्त संख्या में वेबसाइट पर डालें। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन का समय अवकाश नही बल्कि कर्तव्य का है।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज ने लॉक डाउन के दौरान शिक्षण व्यवस्था सुचारु रूप से चलाये रखने के लिए सभी तैयारियाँ की है।महाविद्यालय के सभी शिक्षक विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएँ ले रहे हैं ताकि छात्राएँ आगामी सेमेस्तेर दो एवं चार की विधिवत तैयारी कर सकें।इसके लिए प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने सभी प्राध्यापकों को निर्देशित किया है कि वे अपने विषय से सम्बंधित पाठ्यक्रमों के पर्याप्त प्रश्न बैंक कालेज की website पर अपलोड करें साथ सम्बंधित पाठ्य सामग्री भी नोट्स आदि बनाकर अपलोड करें जिससे छात्राओं को अध्ययन में असुविधा का सामना न करना पढ़े।उन्होंने छात्राओं का भी आह्वान किया है की वे इस लाक्डाउन के दौरान अपनी कम्प्यूटर दक्षता को बढ़ाएँ तथा अपने शिक्षकों के सम्पर्क में रहें।उन्होंने बताया कि विवि परीक्षा फ़ॉर्म ऑनलाइन भरने के लिए छात्राओं को सूचित किया जा चुका है उनका प्रिंटआउट ज़मा करने के बारे में भी सूचित किया जाएगा।

दूसरी ओर लाक्डाउन के दौरान विविड१९के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कालेज के शिक्षकों और छात्राओं द्वारा बड़े पैमाने पर काम किए गये है गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर घरेलू लगभग एक हज़ार मास्क बना कर जन सामान्य में वितरित किए गये है वहीं दूसरी ओर NSS तथा NCC की स्वयम्सेवीयों द्वारा भी स्लोगन प्लैकार्ड्ज़ लघु नाटिका विडीओज़ आदि के माध्यम से करोना के विषय में जागृति लाने का कार्य किया जा रहा है।प्राचार्य की ओर से छात्राओं के लिये एक खुला पत्र लिखा गया है जिसमें बड़ी भावपूर्ण अपील की गई है तथा छात्राओं से निडर होकर इस महामारी से लड़ने का आह्वान किया गया है।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस कॉलेज गृहविज्ञान की छात्राऐ निभा रहीं कोविद19 हेतु सामाजिक दायित्व :

कोविद 19 जैसी भयंकर विश्वव्यापी महामारी से मुक्ति हेतु एक छोटा किन्तु मूल्यवान प्रयास नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग के द्वारा भी किया गया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के घर मे निर्मित मास्क पहनने के सुझाव को दायित्व मान कर इस हेतु डॉ रश्मि बिश्नोई एवम डॉ शिवानी श्रीवास्तव ने महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी के महामारी से बचाव की अपील के दृष्टिगत, विभाग के स्नातक एवम स्नातकोतर की लगभग 240 छात्राओं को प्रेरित करते हुए स्वयं तथा अन्य 5 व्यक्तियों के लिए मास्क बनाने का कार्य दिया , जिसमे छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया तथा लॉकडाउन के कारण अपने अपने निवासस्थान से 1000 स्वनिर्मित मास्क का वितरणभी जरूरतमंद लोगों को किया। साथ ही सबने चार्ट, पोस्टर के माध्यम से भी जागरूकता फैलाने का कार्य किया।

-डॉ रश्मि बिश्नोई

(11)

लाक डाउन में कम्प्यूटर दक्षता को बढ़ाएं छात्राएं : प्राचार्या अनुराधा तिवारी

April 19, 2020 • 9454986868 • राजधानी लखनऊ

लखनऊ(सौम्य भारत)। नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय लॉक डाउन के दौरान शिक्षण व्यवस्था सुचारु रूप से तैयारिया कर लिया है। महाविद्यालय के सभी शिक्षक ऑनलाइन कक्षाएं ले रहे हैं, छात्राएं आगामी सेमेस्टर दो व चार की तैयारी कर सकें। वहीं प्राचार्य प्रो अनुराधा तिवारी ने प्राध्यापकों को निर्देश दिया है कि वे अपने विषय से सम्बंधित पाठ्यक्रमों के पर्याप्त प्रश्न कालेज की वेबसाइट पर अपलोड करें, जिससे छात्राओं को अध्ययन में असुविधा का सामना न हो। उन्होंने छात्राओं का भी आह्वान किया है की वे इस लाक डाउन के दौरान अपनी कम्प्यूटर दक्षता को बढ़ाएं। उन्होंने बताया कि विवि परीक्षा फ़ॉर्म ऑनलाइन भरने के लिए छात्राओं को सूचित किया जा चुका है उनका प्रिंटआउट जमा करने के बारे में भी सूचित किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर लाक डाउन के दौरान एनसीसी की छात्राओं ने कोविड 19 के बारे में लोगों को जागरूक किया और मास्क वितरण किया।

(12)

ऑनलाइन पढ़ाई संग परीक्षा की तैयारी करें छात्राएं - प्रो. अनुराधा तिवारी

April 19, 2020 • वॉयस ऑफ कैपिटल ब्यूरो • शिक्षा

ऑनलाइन पढ़ाई कर रहीं हैं नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राएं

लखनऊ। नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज ने लॉकडाउन के दौरान शिक्षण व्यवस्था सुचारु रूप से चलाये रखने के लिए सभी तैयारियां की है। महाविद्यालय के सभी शिक्षक विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएँ ले रहे हैं ताकि छात्राएँ आगामी सेमेस्टर दो एवं चार की विधिवत तैयारी कर सकें। इसके लिए प्राचार्या प्रो. अनुराधा तिवारी ने सभी प्राध्यापकों को निर्देशित किया है कि वे अपने विषय से सम्बंधित पाठ्यक्रमों के पर्याप्त प्रश्न बैंक महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करें। साथ ही संबंधित पाठ्य सामग्री भी नोट्स आदि बनाकर अपलोड करें जिससे छात्राओं को अध्ययन में असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने छात्राओं का भी आह्वान किया है कि वे इस लॉकडाउन के दौरान अपनी कम्प्यूटर दक्षता को बढ़ाएँ और अपने शिक्षकों के सम्पर्क में रहें। उन्होंने बताया कि विवि परीक्षा फ़ॉर्म ऑनलाइन भरने के लिए छात्राओं को सूचित किया जा चुका है उनका प्रिंटआउट जमा करने के बारे में भी सूचित किया जाएगा। दूसरी ओर लॉकडाउन के दौरान कोविड-19 के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए महाविद्यालय के शिक्षकों और छात्राओं द्वारा बड़े पैमाने पर काम किए गये हैं। गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर लगभग एक हज़ार मास्क बना कर जन सामान्य में वितरित किए गये है वहीं दूसरी ओर एनएसएस और एनसीसी की स्वयंसेवियों द्वारा भी स्लोगन, प्लैकाईज़, लघु नाटिका वीडियोज आदि के माध्यम से कोरोना के विषय में जागृति लाने का कार्य किया जा रहा है। प्राचार्य की ओर से छात्राओं के लिये एक खुला पत्र लिखा गया है जिसमें बड़ी भावपूर्ण अपील की गई है और छात्राओं से निडर होकर इस महामारी से लड़ने का आह्वान किया गया है।

महिला महाविद्यालय की प्राचार्या ने छात्राओं से निडर होकर इस महामारी से लड़ने का आह्वान किया

Apr 19 2020

1

नेताजी सुभाषचंद्र बोस पीजी कॉलेज में छात्राओं को ऑनलाइन कक्षाएँ

india emotions news network, lucknow. लखनऊ। लॉकडाउन के दौरान शिक्षण व्यवस्था सुचारु रूप से चलाये रखने के लिए अलीगंज स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने तमाम तैयारियाँ की है। महाविद्यालय के सभी शिक्षक विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएँ ले रहे हैं, जिससे छात्राएँ आगामी सेमेस्टर दो एवं चार की विधिवत तैयारी कर सकें।

यह जानकारी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. अनुराधा तिवारी ने रविवार को मीडिया को दी।

प्राचार्या ने बताया कि उन्होंने सभी प्राध्यापकों को निर्देशित किया है कि वे अपने विषय से सम्बंधित पाठ्यक्रमों के पर्याप्त प्रश्न बैंक कॉलेज की वेबसाइट पर अपलोड करें। साथ ही सम्बंधित पाठ्य सामग्री भी नोट्स आदि बनाकर अपलोड करें, जिससे छात्राओं को अध्ययन में असुविधा का सामना न करना पड़े।

उन्होंने छात्राओं का भी आह्वान किया है कि वे लॉकडाउन के दौरान अपनी कम्प्यूटर दक्षता को बढ़ाएँ तथा अपने शिक्षकों के सम्पर्क में रहें। उन्होंने बताया कि विवि परीक्षा फ़ॉर्म ऑनलाइन भरने के लिए छात्राओं को सूचित किया जा चुका है। साथ ही उनका प्रिंटआउट जमा करने के बारे में भी सूचित किया जाएगा।

वही लॉकडाउन के दौरान कोविड 19 के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कालेज के शिक्षकों और छात्राओं द्वारा बड़े पैमाने पर काम किए गए। गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर घरेलू लगभग एक हज़ार मास्क बना कर जन सामान्य में वितरित किए गए।

इस बीच NSS तथा NCC की स्वयम्सेवीयों द्वारा भी स्लोगन प्लैकार्ड्ज़ लघु नाटिका विडीओज़ आदि के माध्यम से करोना के विषय में जागृति लाने का कार्य किया जा रहा है। प्राचार्य की ओर से छात्राओं के लिये एक खुला पत्र लिखा गया है, जिसमें बड़ी भावपूर्ण अपील की गई है। साथ ही छात्राओं से निडर होकर इस महामारी से लड़ने का आह्वान किया गया है।

(14)

स्थानीय नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ में आज दिनांक 22 अप्रैल 2020 को पृथ्वी दिवस यानी कि अर्थ डे के रूप में एनसीसी की छात्राओं द्वारा पोस्टर स्लोगन और वीडियो द्वारा बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया।एनसीसी प्रभारी श्रीमती प्रतिमा शर्मा ने बताया की कैडेट मुस्कान राव, संध्या शर्मा, जोशना शुक्ला, तनु शुक्ला, आराध्य पांडे, श्वेता सिंह चौहान, मांडवी शुक्ला, कुमकुम, रोशनी गौतम, ज्योति, मीनाक्षी शर्मा एवं कई कैडेट्स द्वारा इस अवसर पर तरह तरह से (Save Earth) का संदेश दिया इसके साथ ही महाविद्यालय की एनसीसी की 30 छात्राओं ने सेंट्रल गवर्नमेंट के दीक्षा एप के द्वारा आई गॉड एनसीसी कोविड-19 की ट्रेनिंग पूरी की, साथ ही किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी(KGMU) द्वारा कराई गई को COVID-19 की ऑनलाइन ट्रेनिंग भी 40 कैडेट्स ने पूरी की है। महाविद्यालय के सभी कैडेट्स इस महामारी में अपने कर्तव्य पालन हेतु पूर्ण निष्ठा से लगे हुए हैं, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी जी ने सभी कैडेट्स को उनकी ऑनलाइन ट्रेनिंग पूरी करने के लिए बधाई दी एवं उनकी तरह तरह के प्रयास की सराहना की एवं सभी जागरूक छात्राओं का उत्साह वर्धन एवम् मार्गदर्शन भी किया। आने वाले दिनों में शासन द्वारा सभी कैडेट्स की ड्यूटी लगाने के संदर्भ में सभी कैडेट्स अपने पूर्ण मनोयोग, निष्ठा एवं ट्रेनिंग के दौरान बताए गए सभी बचाव संसाधन के साथ तैयार एवं तत्पर हैं।

उपविषय

अ भूमण्डलीय पर्यावरणीय परिवर्तन/प्रभाव

- वायु प्रदूषण व वायु गुणवत्ता सूचकांक।
- जल प्रदूषण की स्थिति।
- विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे नमामि गंगे, स्वच्छ भारत अभियान आदि के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में सीख।
- प्राकृतिक पुनःस्थापन को महामारी के उपरांत सहेजने सम्बन्धी चुनौतियाँ।
- कागज रहित कार्य संस्कृति।
- कोई अन्य उपविषय से सम्बन्धित प्रकरण।

ब मानव प्रकृति पर प्रभाव

- स्वस्थ जीवन सम्बन्धी आदतों को सहेजना।
- आयुर्वेद एवं योग की समृद्ध विरासत की महत्ता।
- मानवीय मूल्यों का सुदृढ़ीकरण।
- कोई अन्य उपविषय से सम्बन्धित प्रकरण।

प्रिय छात्राओ,

महाविद्यालय की पर्यावरण समिति एक विद्यार्थी ई सेमिनार आयोजित कराने जा रही है जिसका विषय है *कोरोना महामारी के गम्य प्रकृति में आए बदलाव : क्या हम इन्हें सहेज सकते हैं?* इच्छुक छात्राएं अपनी 10 से 15 मिनट की एक वीडियो प्रस्तुति बनाकर निम्न व्हाट्सएप्प नम्बरों *7007815642, 9532889171, 7398921824 अथवा 9450632921* में से किसी भी नम्बर पर 07 मई 2020 तक प्रेषित कर सकती है। प्रस्तुति का माध्यम हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा हो सकती है। प्राप्त वीडियो प्रस्तुतियों का मूल्यांकन एक समिति द्वारा निम्न आधारों पर किया जायेगा –

- प्रस्तुति की विषयवस्तु।
- प्रस्तुति हेतु उपयोग किये गये उपकरण (पावरपॉइन्ट इत्यादि)।
- विषय वस्तु की विषय के सन्दर्भ में प्रासंगिकता।
- प्रस्तुतीकरण की प्रभावशीलता।

सभी प्रतिभागियों को ई प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेंगे तथा तीन श्रेष्ठ वीडियो प्रस्तुतियों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिये चुना जायेगा।

इच्छुक छात्राएं निम्न सूचनाओं को भर कर ऊपर दिये गये व्हाट्सएप्प नम्बरों पर रजिस्ट्रेशन हेतु 03 मई 2020 तक भेज सकती है –

प्रतिभागी का नाम :–
प्रतिभागी की कक्षा :–
प्रतिभागी की ई मेल आईडी :–
प्रस्तुति का प्रकरण/टॉपिक :–

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज लखनऊ (उ0प्र0)

विद्यार्थी ई सेमिनार

कोरोना महामारी के गम्य प्रकृति में आए बदलाव : क्या हम इन्हें सहेज सकते हैं?

संरक्षिका
प्रो0 अनुराधा तिवारी
प्राचार्य

आयोजक समिति
डॉ0 श्वेता भारद्वाज
डॉ0 राघवेन्द्र प्रताप नारायण
डॉ0 अरविन्द यादव
डॉ0 मीनाक्षी शुक्ला

(19)

"कोविड-19 के पश्चात सामाजिक आर्थिक चुनौतियाँ" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 30 अप्रैल को

April 28, 2020 • वॉयस ऑफ कैपिटल डेस्क • शिक्षा

लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज द्वारा लॉकडाउन को दृष्टिगत रखते हुये 30 अप्रैल को दोपहर 3:30 बजे "कोविड-19 के पश्चात सामाजिक आर्थिक चुनौतियाँ" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अनुराधा तिवारी ने बताया कि कोविड के फलस्वरूप देश एवं दुनिया की आर्थिक सामाजिक अवधारणाओं में आमूलचूल परिवर्तन होंगे इस पर अभी से जागरुक होकर विचार किए जाने की ज़रूरत है। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी में विचार व्यक्त करने के लिए विश्व प्रसिद्ध विद्वान और लंदन स्कूल ऑफ एकनॉमिक्स से जुड़े रहे भारत व अनेक राज्य सरकारों में बतौर रणनीतिक सलाहकार काम कर चुके पार्थो पी कर साउथ असीयन विवि दिल्ली के डॉ. धनंजय त्रिपाठी और आईआईएम लखनऊ के वरिष्ठ प्रोफेसर बी.के. मोहंती को आमंत्रित किया गया है। संगोष्ठी के आयोजक डॉ. जय प्रकाश वर्मा ने बताया कि इसके लिए पंजीकरण शुरू हो गया है इसका आयोजन सोशल मीडिया जूम के माध्यम से किया जाएगा। संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. श्वेता भारद्वाज ने बताया कि एक लघु सत्र प्रश्नों का भी होगा जिसमें विद्वानों से सवाल जवाब भी किये जा सकेंगे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा गुरुवार को वैश्विक महामारी कोविड से उत्पन्न चुनौतियों को लेकर एक अंतर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन सोशल मीडिया ज़ूम के माध्यम से किया गया।वेबिनार के प्रमुख वक्ता के रूप में मौजूद लंदन स्कूल ओफ़ एकनामिक्स से सम्बद्ध तथा केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों में रणनीतिक सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे विश्व विख्यात विद्वान पार्थो पी कर ने कोविड के पश्चात उत्पन्न होने वाली आर्थिक एवँ सामाजिक चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि तेरहवी तथा चौदहवीं शताब्दी में जब यूरोप के देशों में प्लेग महामारी फैली तो लोगों का चर्च की संस्था में विश्वास लगभग समाप्त हो गया था यह इक्कीसवी शताब्दी है कोविड के पश्चात सबसे ज़रूरी होगा की विभिन्न सरकारी संस्थाओं में लोगों का विश्वास बना रहे।उन्होंने कहा कि कोविड के बाद सामाजिक विषमता में कमी आएगी तथा लगभग अस्सी प्रतिशत लोग सामाजिक समानता की ओर बढ़ेंगे।उन्होंने कहा कि अब विकास की धारा शहरों से गाँव की ओर करनी होगी।श्री पार्थो ने ये भी कहा की अभी जनवरी फ़रवरी तक ऐसी स्थिति रह सकती है ये भी हो सकता है की शिक्षण व्यवस्था एक सत्र पीछे चली जाये।अब ग्रामीण मज़दूरों को सौ दिन का नहीं बल्कि वर्ष भर का काम देने पर विचार करने की ज़रूरत है।उन्होंने कहा कि एक सकारात्मक प्रभाव ये हो सकता है की हम पुनः संयुक्त परिवार प्रथा की ओर लौट आयें।श्री पार्थो ने कहा कि हम सब को सामना करना होगा अकेले हमारे अमीर होने से काम नहीं चलेगा अमीर होकर एक गरीब देश में रहने से अच्छा है कि हम अमीर होकर अमीर देश में रहे तभी जीवन का आनंद उठा पायेंगे।

आइआइ एम लखनऊ के प्रोफेसर बी के मोहंती ने कहा की ग़रीबों और पिछड़े क्षेत्रों में विशेष कार्य करने की आवश्यकता है हमें विदेश का मोह छोड़ना होगा तथा ये भ्रम निकलना होगा की अंग्रेज़ी के बिना काम नहीं हो सकता विश्व के बड़े बड़े देश अपनी भाषा में काम कर रहे हैं।

जे एन यू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष तथा साउथ असीयन विवि दिल्ली के प्रोफेसर धनंजय त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा की कोविड के बाद १९३० जैसी मंदी हो सकती है तथा विश्व अर्थव्यवस्था तीन प्रतिशत तक गिर सकती है ऐसे में रोज़गार पर तथा जन स्वास्थ्य पर बहुत प्रयास करना होगा।

सेमिनार की सार्थकता ये रही की लगभग सभी वक्ता सहमत रहे कि ग्रामीण रोज़गार जन स्वास्थ्य ग़रीबों को सुविधाओं पर तथा महिला शिक्षा सुरक्षा पर सभी एकमत रहे।

अनेक वक्ता इस पर चिंतित दिखे कि भारत जैसे उत्सवधर्मी देश जहां रोज़ ही तमाम तरह के सामाजिक धार्मिक आयोजन होते रहते हैं शायद अब हाल फ़िलहाल ऐसा करना मुमकिन न हो सके वहीं अनेक प्रतिभागियों ने इस पर भी चिंता व्यक्त की कि कोविड के पश्चात डिप्रेसन घरेलू हिंसा एवँ बाल अपराध जैसी घटनाएँ बढ़ सकती हैं।

प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने अतिथियों प्रतिभागियों आदि का स्वागत करते हुये कहा कि आज के परिवेश में शिक्षकों की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण हो गई है।शिक्षण में आमूलचूल परिवर्तन के लिए हमें खुद को अप्डेट रखना होगा उन्होंने कहा कि देश का आत्मविश्वास बनाये रखने में हमारा बड़ा उत्तरदायित्व है। प्राचार्य ने कहा कि अब हमें वैश्वीकरण के मायाजाल से निकलकर महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज एवं लघु उद्योगों के प्रति अपनी धारणा बनानी होगी उन्होंने कहा कि गांधी आज फिर प्रासंगिक हो गये हैं।उन्होंने यह भी कहा कि इस संगोष्ठी के विचारो का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए।संगोष्ठी का सफल आयोजन डॉक्टर जय प्रकाश वर्मा ने किया उन्होंने विभिन्न विद्वानो तथा प्रतिभागियों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य किया।संगोष्ठी की समन्वयक डॉक्टर श्वेता भारद्वाज ने सभी के प्रति आभार प्रदर्शन किया।इस ऑनलाइन संगोष्ठी में देश विदेश के अनेक विद्वान शिक्षक शोधार्थी तथा विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।देर तक चले सवाल जवाब के क्रम में अनेक लोगों ने प्रश्न किये जिसका वक्ताओं ने जवाब दिया।

इस वेबिनार में प्रमुख रूप से डॉक्टर बृजबाला डॉक्टर रश्मि बिस्नोई डॉक्टर शिवानी डॉक्टर शरद वैस्य डॉक्टर क्रांति डॉक्टर प्रतिमा डॉक्टर भास्कर शर्मा आदि ने मौजूद रहे तथा वक्ताओं से ज्वलंत विषयों पर चर्चा की

D
Brijbala Mishra
Pooja

(26)

कोविड-19 के बाद सामाजिक विषमता में आएगी कमी - पार्थो पी. कर

April 30, 2020 • वॉयस ऑफ कैपिटल डेस्क • शिक्षा

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय में "कोविड-19 के बाद सामाजिक आर्थिक चुनौतियां" विषय पर हुआ अंतरराष्ट्रीय वेबिनार

लखनऊ। तेरहवीं व चौदहवीं शताब्दी में जब यूरोप के देशों में प्लेग महामारी फैली तो लोगों का चर्च की संस्था में विश्वास लगभग समाप्त हो गया था। यह इक्कीसवी शताब्दी है कोविड के पश्चात सबसे ज़रूरी होगा कि विभिन्न सरकारी संस्थाओं में लोगों का विश्वास बना रहे। उक्त विचार नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा गुरुवार को वैश्विक महामारी कोविड से उत्पन्न चुनौतियों को लेकर आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में प्रमुख वक्ता के रूप में मौजूद लंदन स्कूल ऑफ एकनामिक्स से सम्बद्ध और केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों में रणनीतिक सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे विश्व विख्यात विद्वान पार्थो पी कर ने व्यक्त किये। सोशल मीडिया ज़ूम के माध्यम से आयोजित इस वेबिनार में वक्ताओं ने कोविड के पश्चात उत्पन्न होने वाली आर्थिक एवँ सामाजिक चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मजदूरों को 100 दिन नहीं वर्षभर काम देने की जरूरत : पार्थो

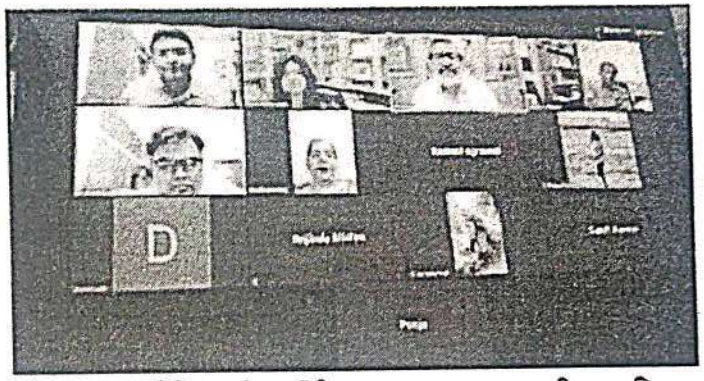

लखनऊ(एसएनबी)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय के तत्वावधान में गुरुवार को वैश्विक महामारी कोविड से उत्पन्न चुनौतियों को लेकर एक अंतर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन सोशल मीडिया ज़ूम के माध्यम से किया गया। सेमिनार के प्रमुख वक्ता लंदन स्कूल ओफ़ एकनामिक्स से सम्बद्ध तथा केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों में रणनीतिक सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे विश्व विख्यात विद्वान पार्थो पी कर ने कोविड के बाद उत्पन्न होने वाली आर्थिक एवँ सामाजिक चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तेरहवी तथा चौदहवीं शताब्दी में जब यूरोप के देशों में प्लेग महामारी फैली तो लोगों का चर्च की संस्था में विश्वास लगभग समाप्त हो गया था। यह इक्कीसवी शताब्दी है कोविड के पश्चात सबसे ज़रूरी होगा की विभिन्न सरकारी संस्थाओं में लोगों का विश्वास बना रहे। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद सामाजिक विषमता में कमी आएगी तथा लगभग अस्सी प्रतिशत लोग सामाजिक समानता की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब विकास की धारा शहरों से गाँव की ओर करनी होगी। श्री पार्थो ने कहा कि अभी जनवरी फ़रवरी तक ऐसी स्थिति रह सकती है। अब ग्रामीण मज़दूरों को सौ दिन का नही बल्कि वर्ष भर का काम देने पर विचार करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि एक सकारात्मक प्रभाव ये हो सकता है की हम पनः संयक्त परिवार प्रथा की ओर लौट आयें। श्री पार्थो ने कहा कि हम सब को सामना करना होगा अकेले हमारे अमीर होने से काम नहीं चलेगा। अमीर होकर एक गरीब देश में रहने से अच्छा है कि हम अमीर होकर अमीर देश में रहे तभी जीवन का आनंद उठा पायेंगे।

इस दौरान आइआइ एम के प्रो बी के मोहंती ने कहा कि ग़रीबों व पिछड़े क्षेत्रों में विशेष कार्य करने की आवश्यकता है। हमें विदेश का मोह छोड़ने के साथ साथ यह भी भ्रम निकलना होगा की अंग्रेज़ी के बिना काम नहीं हो सकता। विश्व के बड़े बड़े देश अपनी भाषा में काम कर रहे है।

जे एन यू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष तथा साउथ असीयन विवि दिल्ली के प्रो धनंजय त्रिपाठी ने कहा कि कोविड के बाद जैसी मंदी हो सकती है तथा विश्व अर्थव्यवस्था तीन प्रतिशत तक गिर सकती है। ऐसे में रोज़गार पर तथा जन स्वास्थ्य पर बहुत प्रयास करना होगा।

प्राचार्य प्रो अनुराधा तिवारी ने कहा कि आज के परिवेश में शिक्षकों की भूमिक बड़ी महत्वपूर्ण हो गई है। शिक्षण में आमूलचूल परिवर्तन के लिए हमें खुद को अप्डेट रखना होगा। इस दौरान डॉ जय प्रकाश वर्मा, समन्वयक डॉ श्वेता भारद्वाज डॉ बृजबाला, डॉ रश्मि बिस्नोई, डॉ शिवानी, डॉ शरद वैस्य, डॉ क्रांति, डॉ प्रतिमा, डॉ भास्कर शर्मा मौजूद थे।

[4:43 PM, 9/23/2020] Dr Anuradha Tiwari 2: कोविड19 महामारी के बाद उत्पन्न परिस्थितियों के फलस्वरूप भारत के पास उपलब्ध अवसरों पर हो रहे वेबिनरों की शृंखला में आज नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा आज एक और वेबिनार का आयोजन ज़ूम ऐप के माध्यम से किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी तथा वर्तमान में अफ़्रीकन देश बोस्तनवा में उच्चायुक्त के रूप में कार्यरत डॉक्टर राजेश रंजन ने कोविड के बाद उत्पन्न होने वाली आर्थिक और सामाजिक परिस्थिति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि महामारी से विश्वव्यापी संकट उत्पन्न हुआ है ।ये इतना बड़ा संकट है कि इसे आसानी से भुलाया नही जा सकेगा।डॉक्टर रंजन ने कहा की कोविड से भीषण आर्थिक संकट पैदा हुआ है लगभग दुनिया के सभी देशों की विकास दर नकारात्मक हो जायेगी।भारत के सन्दर्भ में उच्चायुक्त ने कहा कि अब प्राथमिकताए बदलनी होगी।भारत के आगे एक बहुत बड़ा अवसर है स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने का।हमें अपनी जी डी पी का बड़ा हिस्सा इस सेक्टर में विनियोजित करना चाहिए।फ़ॉर्मसी के क्षेत्र काम करने की बड़ी सम्भावना है ।फ़ॉर्मसी के क्षेत्र में भारत की बिश्वसनीयता तथा स्वीकार्यता बड़ी है।उन्होंने कहा कि ऐसे संकट के समय पूरी दुनिया को दवा आपूर्ति करने वाला भारत एकमात्र देश है।उन्होंने ये भी कहा की भारत योग और आयुर्वेद के क्षेत्र में भी कार्य कर सकता है।आने वाले समय में दुनिया योग और आयुर्वेद को अपनाएगी।डॉक्टर रंजन ने जोर देकर कहा कि कृषि के क्षेत्र को प्राथमिकता दिया जाना चाहिए आज कृषि निर्यात में भारत का हिस्सा मात्र २ प्रतिशत है जबकि अमेरिका का २८ और ओस्ट्रेल्या का १४ प्रतिशत है।उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि मलीहाबादी आम से लेकर अंगूर पपीता अमरूद आदि का भी निर्यात किया जाना चाहिये।उन्होंने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा e कामर्स तथा

भारतीय बैंकिंग सिस्टम को भी आगे बढ़ाने की ज़रूरत है।डॉक्टर रंजन ने कहा कि आज भारत की दुनिया भर में प्रतिष्ठा बड़ी है।भारतीय नेतृत्व का दुनिया भर के नेताओं से अच्छा तालमेल है।सारी दुनिया आशा की नज़रों से देख रही है भारत विश्वबंधुत्व की भावना से काम कर रहा है दुनिया जानती है कि भारत की विस्तरवादी नीतियाँ कभी नहीं रहीं हैं।उन्होंने कहा कि संकट के बाद भी हमारी महत्वकांक्षा ऊँची है"मंज़िलों की सीढ़ियाँ उन्हें मुबारक,हमें तो आसमाँ के आगे जाना है" कहकर उन्होंने सबका मनोबल बढ़ाया

वेबिनार में मॉडरेट की भूमिका में मौजूद रहे लखनऊ विवि के वरिष्ठ प्रोफेसर तथा इन्स्टिट्यूट ऑफ़ मैनज्मेंट साइंस के अध्यक्ष प्रोफेसर मनोज अग्रवाल ने विषय प्रवर्तन करते हुये कहा कि इस संकट की घड़ी में जब दुनिया के बड़े देश अपनी ही समस्या में उलझे है तब भी भारत ने ग्लोबल लीडर की भूमिका का निर्वहन किया है तथा भारत ने सार्क देशों की बैठक बुलाकर ज़रूरी मदद करने का बीड़ा उठाया है।डॉक्टर रंजन से सहमति व्यक्त करते हुये उन्होंने भी कहाँ की भारत को फ़ार्मसी कृषि योग और आयुर्वेद पर काम करने की ज़रूरत है।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा की समय आ गया है जब हमें अपनी परम्परागत उद्योगों सांस्कृति तथा भाषा को अपनाना होगा।उन्होंने कहा कि भारतीयों में ज़बरदस्त जिजीविषा है जिसे दुनिया के बड़े देश चमत्कृत भाव से देख रहे है।प्राचार्य ने कहा कि ये लड़ाई भारत अपनी और अपने नेतृत्व की इच्छाशक्ति और विश्वबंधुत्व की भावना की बदौलत जीतेगा।उन्होंने अतिथियों का परिचय कराया तथा उनका आभार व्यक्त किया।

वेबिनार का लगातार दूसरी बार आयोजन अर्थशास्त्र के प्राध्यापक डॉक्टर जय प्रकाश ने किया तथा समन्वयक के रूप में मौजूद रहे।उन्होंने सभी का

स्वागत किया तथा बताया की कोविड शृंखला के और भी वेबिनार आयोजित किए जाएँगे।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षविदों शिक्षकों शोधार्थियों ने हिस्सा लिया।अंत में प्रश्न काल का भी सत्र हुआ जिसमें अनेक शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने सवाल किये जिसका वक्ताओं ने बखूबी उत्तर दिया।

प्राचार्य तथा समन्वयक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

[4:43 PM, 9/23/2020] Dr Anuradha Tiwari 2: संकट के समय दुनिया को दवा आपूर्ति करने वाला भारत एकमात्र देश : उच्चायुक्त डॉ राजेश रंजन - Saumya bharat - https://saumyabharat.page/article/sankat-ke-samay-duniya-ko-dava-aapoorti-karane-vaala-bhaarat-ekamaatr-desh-uchchaayukt-do-raajesh-ra/0g8Sy6.htm

[4:43 PM, 9/23/2020] Dr Anuradha Tiwari 2: कोरोना महामारी संकट के समय पूरी दुनिया को दवा आपूर्ति करने वाला भारत एकमात्र देश : उच्चायुक्त डॉक्टर राजेश रंजन

http://adanews24.com/india/lucknow/4700

[4:43 PM, 9/23/2020] Dr Anuradha Tiwari 2: विश्वबंधुत्व की भावना से काम कर रहा है भारत - डा. राजेश रंजन - VOICE OF CAPITAL - https://voiceofcapital.page//35rug6.html

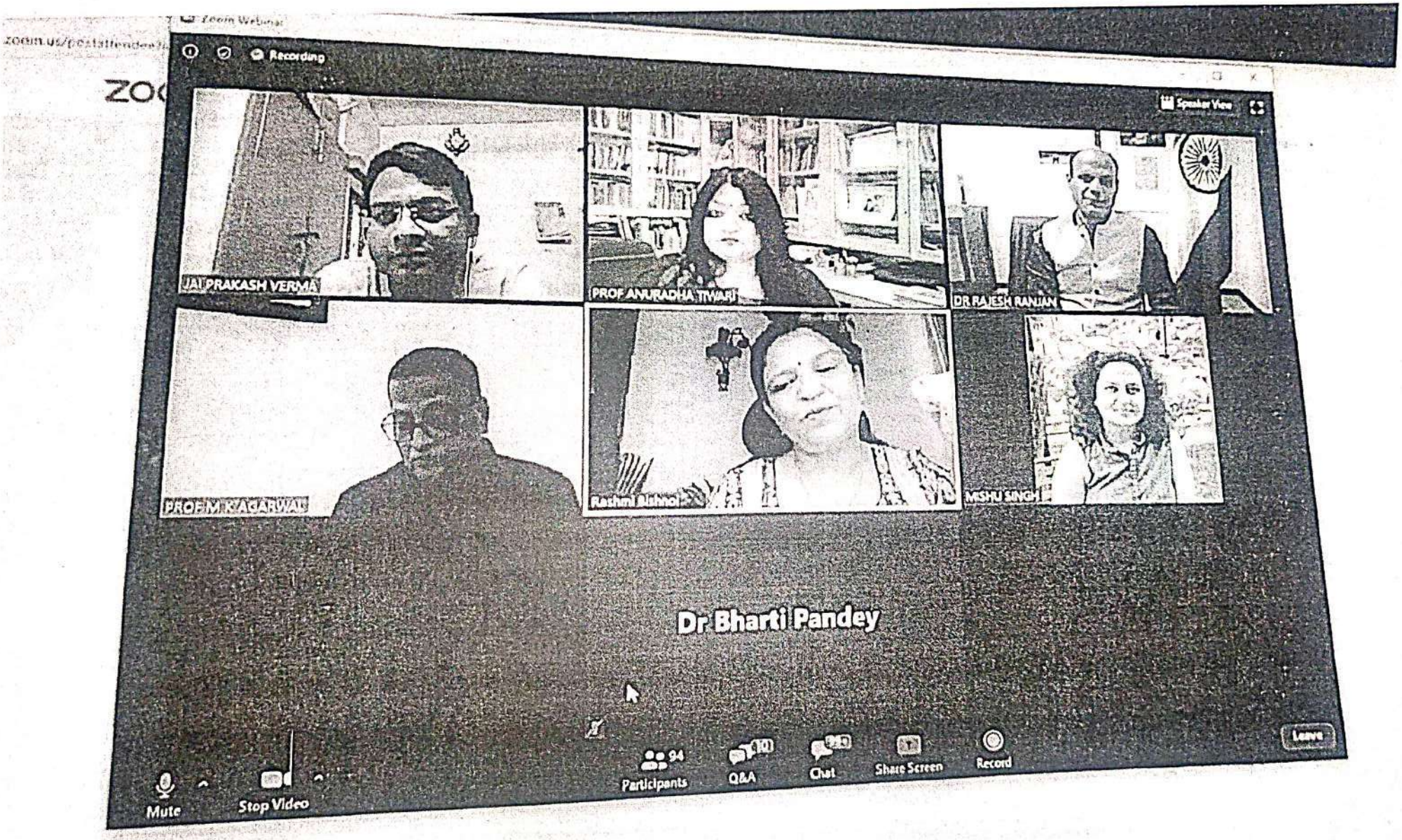

Zoom Webinar
Recording
Speaker View
JAI PRAKASH VERMA
PROF ANURADHA TIWARI
DR RAJESH RANJAN
PROF M K AGARWAL
Rashmi Bishnoi
MISHU SINGH
Dr Bharti Pandey
Mute
Stop Video
94
Participants
Q&A
Chat
Share Screen
Record
Leave

34

WhatsApp 5:26 PM @ 19%
Not Secure — adanews24.com

उत्तर प्रदेश

कोरोना महामारी संकट के समय पूरी दुनिया को दवा आपूर्ति करने वाला भारत एकमात्र देश : उच्चायुक्त डॉक्टर राजेश रंजन

Published 4 months ago on
By जितेन्द्र कुमार यादव

लखनऊ (adanews24) । कोविड 19 महामारी के बाद उत्पन्न परिस्थितियों के फलस्वरूप भारत के पास उपलब्ध अवसरों पर हो रहे वेबिनरों की श्रृंखला में आज नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा आज एक और वेबिनार का आयोजन ज़ूम ऐप के माध्यम से किया गया।

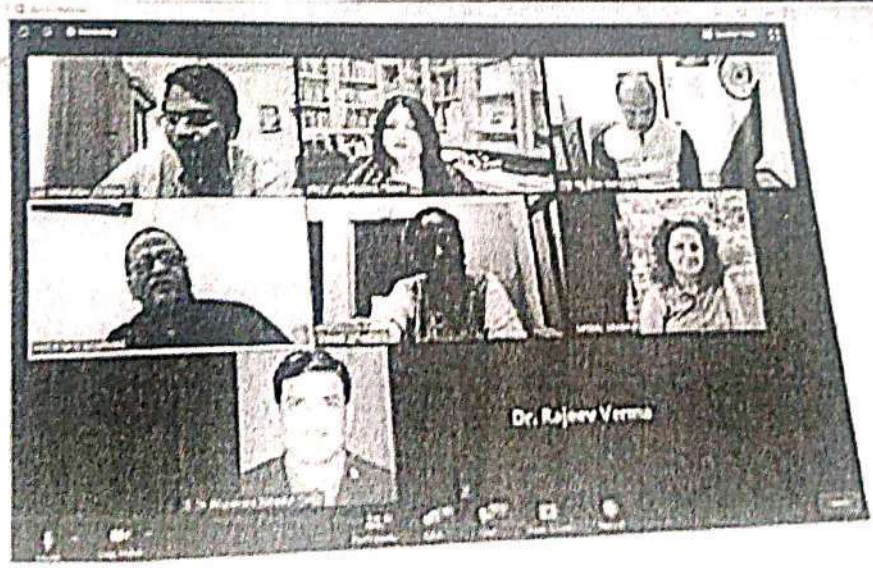

Translate »

कोरोना महामारी संकट के समय पूरी दुनिया को दवा आपूर्ति करने वाला भारत एकमात्र देश : उच्चायुक्त डॉक्टर राजेश रंजन

Published
5 months ago

लखनऊ (adanews24) । कोविड 19 महामारी के बाद उत्पन्न परिस्थितियों के फलस्वरूप भारत के पास उपलब्ध अवसरों पर हो रहे वेबिनरों की शृंखला में आज नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा आज एक

और वेबिनार का आयोजन ज़ूम ऐप के माध्यम से किया गया।
मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी तथा वर्तमान में अफ़्रीकन देश बोस्तनवा में उच्चायुक्त के रूप में कार्यरत डॉक्टर राजेश रंजन ने कोविड के बाद उत्पन्न होने वाली आर्थिक और सामाजिक परिस्थिति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि महामारी से विश्वव्यापी संकट उत्पन्न हुआ है। ये इतना बड़ा संकट है कि इसे आसानी से भुलाया नही जा सकेगा।डॉक्टर रंजन ने कहा की कोविड से भीषण आर्थिक संकट पैदा हुआ है लगभग दुनिया के सभी देशों की विकास दर नकारात्मक हो जायेगी। भारत के सन्दर्भ में उच्चायुक्त ने कहा कि अब प्राथमिकताए बदलनी होगी। भारत के आगे एक बहुत बड़ा अवसर है स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने का हमें अपनी जी डी पी का बड़ा हिस्सा इस सेक्टर में विनियोजित करना चाहिए। फ़ॉर्मसी के क्षेत्र काम करने की बड़ी सम्भावना है। फ़ॉर्मसी के क्षेत्र में भारत की विश्वसनीयता तथा स्वीकार्यता बड़ी है। उन्होंने कहा कि ऐसे संकट के समय पूरी दुनिया को दवा आपूर्ति करने वाला भारत एकमात्र देश है।उन्होंने ये भी कहा की भारत योग और आयुर्वेद के क्षेत्र में भी कार्य कर सकता है।आने वाले समय में दुनिया योग और आयुर्वेद को अपनाएगी।डॉक्टर रंजन ने जोर देकर कहा कि कृषि के क्षेत्र को प्राथमिकता दिया जाना चाहिए आज कृषि निर्यात में भारत का हिस्सा मात्र २ प्रतिशत है जबकि अमेरिका का २८ और ओस्ट्रेल्या का १४ प्रतिशत है।उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि मलीहाबादी आम से लेकर अंगूर पपीता अमरूद आदि का भी निर्यात किया जाना चाहिये।उन्होंने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा e कामर्स तथा भारतीय बैंकिंग सिस्टम को भी आगे बढ़ाने की ज़रूरत है।डॉक्टर रंजन ने कहा कि आज भारत की दुनिया भर में प्रतिष्ठा बड़ी है।भारतीय नेतृत्व का दुनिया भर के नेताओं से अच्छा तालमेल है।सारी दुनिया आशा की नज़रों से देख रही है भारत विश्वबंधुत्व की भावना से काम कर रहा है दुनिया जानती है कि भारत की विस्तरवादी नीतियाँ कभी नहीं रहीं हैं।उन्होंने कहा कि संकट के बाद भी हमारी महत्वकांक्षा ऊँची है"मंज़िलों की सीढ़ियाँ उन्हें मुबारक,हमें तो आसमाँ के आगे जाना है" कहकर उन्होंने सबका मनोबल बढ़ाया।

(37)

विश्वबंधुत्व की भावना से काम कर रहा है भारत - डा. राजेश रंजन

May 10, 2020 • वॉयस ऑफ कैपिटल ब्यूरो • शिक्षा

नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज में हुआ वेबिनार

लखनऊ। कोरोना महामारी से विश्वव्यापी संकट उत्पन्न हुआ है। ये इतना बड़ा संकट है कि इसे आसानी से भुलाया नही जा सकेगा। नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज में रविवार को ज़ूम ऐप के माध्यम से आयोजित वेबिनार में उक्त बातें बतौर मुख्य वक्ता मौजूद भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी और वर्तमान में अफ्रीकन देश बोस्तनवा में उच्चायुक्त के रूप में कार्यरत डॉ. राजेश रंजन ने कहीं। कोविड-19 के बाद उत्पन्न होने वाली आर्थिक और सामाजिक परिस्थिति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये उन्होंने कहाकि कोविड से भीषण आर्थिक संकट पैदा हुआ है और लगभग दुनिया के सभी देशों की विकास दर नकारात्मक हो जायेगी। भारत के सन्दर्भ में उच्चायुक्त ने कहाकि अब प्राथमिकताएं बदलनी होगी। भारत के आगे स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने का एक वहुत वड़ा अवसर है। हमें अपनी जीडीपी का बड़ा हिस्सा इस सेक्टर में विनियोजित करना चाहिए। फ़ार्मेसी के क्षेत्र काम करने की वड़ी सम्भावना है, फ़ार्मेसी के क्षेत्र में भारत की विश्वनीयता और स्वीकार्यता बड़ी है।

Zoom Webinar
Recording
LIVE on YouTube
Speaker View
MR V P SHIVASTAV DISTINGUISHED SPEAKER
SUNIEL VERMA - TECH SUPPORT
DR BHASKAR SHARMA
DR VINITA LAL
JAI PRAKASH VERMA
PROF ANURADHA TIWARI PATRON
Unmute
Stop Video
Participants
Q&A
Polls
Chat
Share Screen
Pause/Stop Recording
Closed Caption
More
End
ENG
5:17 PM

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज में आज भूतपूर्व छात्राओं का सम्मेलन ज़ूम ऐप के माध्यम से आयोजित किया गया।इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी के अलावा महाराजा बिजली पासी राजकीय पी जी कालेज की प्राचार्य प्रोफेसर मंजु दीक्षित , महामाया राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर भारती सिंह राजकीय महाविद्यालय गुसाई खेड़ा की प्राचार्य डॉक्टर दीप्ति खरे राजकीय महविद्यालाय महमूदाबाद की पूर्व प्राचार्य डॉक्टर सीमा सिंह सेवानिवृत प्राचार्य प्रोफेसर सुस्मिता चन्द्रा विशेष तौर पर मौजूद रही। सुच्य है ये सभी इस महाविद्यालय में कभी न कभी अध्यापन कर चुकी हैं। पूर्व छात्रा परिषद की प्रभारी डॉक्टर रश्मि बिश्नोई के कुशल संचालन में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में अध्ययन रत रही बड़ी संख्या में छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का स्वरूप इतने व्यवस्थित ढंग से किया गया कि लगा ही नहीं कि कार्यक्रम ऑनलाइन हो रहा है। सरस्वती वंदना से शुरू हुए सम्मेलन में छात्राओं द्वारा कालेज का कुलगीत भी मनोहारी तरीके से प्रस्तुत किया गया। पुरातन छात्रा परिषद के सदस्यों डॉक्टर विनीता लाल डॉक्टर पुष्पा यादव डॉक्टर शिवानी श्रीवास्तव डॉक्टर राघवेन्द्र नारायण डॉक्टर श्वेता भारद्वांज डॉक्टर क्रान्ति सिंह डाक्टर सपना जायसवाल ने एक एक कर सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यक्रमों का संचालन किया। डॉक्टर राघवेन्द्र ने पुरातन छात्राओं की मनोनीत समिति की घोषणा की तथा मनोनीत पदाधिकारियों का परिचय कराया।वर्तमान सत्र के लिए पूर्व छात्रा खुशबू मिश्रा को अध्यक्ष सोनम वर्मा को सचिव तथा नेहा सिंह को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया जबकि श्रृद्धा मिश्रा अंजलि सिंह कनक मिश्रा वर्तिका एवं निधि मिश्रा को सदस्य बनाया गया। इन पदाधिकारियों ने एक स्वर से कहा कि जो भी संभव होगा कालेज के लिए उसे अवश्य करेंगी।डाक्टर विनीता लाल की देखरेख में छात्राओं ने अनेक मनोहारी कविताओं तथा गीतों का वाचन किया।जबकि डाक्टर पुष्पा यादव ने विभिन्न सेवाओं में कार्यरत डाक्टर प्रीति अग्रवाल प्रतीक्षा मिश्रा बबिता शर्मा कविता भारती काजल तिवारी मालविका बज्पाई के बारे में बताया ।इनमे से सभी ने कालेज के अपने अनुभवो को साझा किया।समिति की वरिष्ठ सदस्य डाक्टर शिवानी श्रीवास्तव ने आभार ज्ञापित करते हुये कहा की स्थितियाँ सामान्य होने पर इसका विस्तृत आयोजन किया जायेगा।डाक्टर मंजु दीक्षित भारती सिंह सीमा सिंह सुस्मिता चंद्रा ने कालेज के प्रति अपने अनुराग को बताते हुये माहौल को भावुक कर दिया।डाक्टर भास्कर शर्मा ने करोना पर लिखी अपनी चर्चित रचना का पाठ किया।पूर्व छात्रा नुसरत स्वाति सिंह राजश्री आदि ने भी अपनी भावनाएँ व्यक्त की।प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया तथा भव्य आयोजन के लिये समिति की पीठ थपथपाई।उन्होंने कहा कि करोना हमें बेशक घर में बिठा दे लेकिन एक शिक्षक के रूप में हम अपनी ज़िम्मेदारी किसी न किसी रूप में निभाते रहेंगे।

इस अवसर पर डाक्टर शरद वैश्य डाक्टर सविता सिंह डाक्टर जय प्रकाश वर्मा डाक्टर रश्मि अग्रवाल डाक्टर मीनाक्षी डाक्टर शालिनी डाक्टर प्रतिमा शर्मा डाक्टर ब्रिज़बाला डाक्टर पारुल मिश्रा डाक्टर उषा मिश्रा डाक्टर पूनम वर्माश्री अमित राजशील राज कुमार वर्मा और सुनील वर्मा मौजूद रहे।

Dr. Sarita Singh
Dr. Anuradha Tiwari
Ruby Verma
Moto G (4)
Vibha Dwivedi
Diksha Mishra
Manjari Shukla
Jyoti Tiwari
Esha
Ejaz singh
chandrashekhar Yadav
Moto G (4)
Reshmi
Shraddha Mishra
Jai prakash verma
Realme 2 Pro
Neha singh
Khushbu Mishra
Sonam singh

वेबिनार के जरिए की गयी ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली व मूल्यांकन पर चर्चा

लखनऊ (एसएनबी)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय तथा डिजिटल एडू सलूशन प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को 'ऑनलाइन एग्जामिनेशन : चैलेंजिज एंड सलूशन' विषय पर नेशनल वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में घर से ही ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली एवं मूल्यांकन के विभिन्न चरणों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी। वेबिनार का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अनुराधा तिवारी ने अतिथियों का स्वागत कर किया।

इस दौरान मुख्य वक्ता डिजिटल एडू आई टी सलूशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक योगेश पवार ने ऑफलाइन एवं ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली तथा कोविड-19 की वर्तमान परिस्थितियों में सार्थकता के विषय में प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि छात्रों द्वारा किस प्रकार से घर बैठे ही अपने मोबाइल फोन या लैपटॉप के माध्यम से परीक्षा दी जा सकती है तथा शिक्षकों द्वारा घर बैठे मूल्यांकन कार्य को संपादित किया जा सकता है। उन्होंने घर से ही संपन्न होने वाली ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली एवं मूल्यांकन की विश्वसनीयता एवं सार्थकता तथा सुरक्षा से संबंधित उपायों पर प्रकाश डाला। वेबिनार के संयोजक डा. शरद कुमार वैश्य ने मुख्य वक्ता एवं अन्य अतिथियों का परिचय कराया तथा सह संयोजक डा. रश्मि बिश्नोई ने वेबीनार के उद्देश्य की प्रस्तुति की। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डा. राघवेंद्र नारायण ने प्रतिभागियों के प्रश्नों तथा उससे संबंधित उत्तर के विषय में मुख्य वक्ता से चर्चा करके समाधान किया। अंत में संयोजक डा. शरद कुमार वैश्य ने मुख्य बिंदुओं को सम्मिलित कर सारांश प्रस्तुत किया।

(116)

ऑनलाइन शिक्षा अब समय की ज़रूरत है - गीता मेहरोत्रा

May 12, 2020 • वॉयस ऑफ कैपिटल ब्यूरो • शिक्षा

नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज और इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में हुई ऑनलाइन परिचर्चा

लखनऊ। ऑनलाइन शिक्षा अब समय की ज़रूरत है इसलिए हम सबका प्रयास होना चाहिए कि हम गुणवत्ता परक अध्ययन सामग्री अपलोड करें। इग्नू से नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी जुड़े होते हैं इसलिए आवश्यक है कि सरल बोधगम्य एवं स्तरीय कांटेंट विकसित किये जायें। कोविड-19 के परिणाम स्वरूप उत्पन्न चुनौतियों के मद्देनजर ऑनलाइन कक्षाओं और विभिन्न पाठ्यक्रमों से सम्बंधित ई-कांटेंट को लेकर मंगलवार को आयोजित परिचर्चा में उक्त बातें बतौर मुख्य वक्ता मौजूद अंतरराष्ट्रीय संस्था रीड इंडिया की कंट्री हेड गीता मेहरोत्रा ने कहीं।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि के नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अध्ययन केंद्र का परिचय सत्र आज ऑनलाइन आयोजित किया गया।इसमें जनवरी२०२० सत्र में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।सत्र को इगनु की क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर मनोरमा सिंह प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी सहायक निदेशक डॉक्टर अनामिका सिन्हासमन्वयक डॉक्टर जय प्रकाश वर्मा सहायक समन्वयंक डॉक्टर क्रांति सिंह ने सम्बोधित किया।इसमें विभिन्न पाठ्यक्रमों ऑनलाइन कक्षाओं अध्ययन सामग्री तथा असायन्मेंट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

Meet – dwc-psuu-cyt
meet.google.com
Apps
Gmail
YouTube
Maps
Translate
News
Google Forms
ZEBA MAHMOOD
and 29 more
12:47
You
Bhaskar Sharma
D
Arindam Debnath
WHAT ABOUT THE FEEDBACK FORM
ENG

कोविड 19वैश्विक महामारी के चलते केवल व्यापार रोज़गार की दुनिया ही नहीं बदली है बल्कि शिक्षा का मुख्य आधार समझी जाने वाली पुस्तकालय की कार्यप्रणाली में भी आमूलचूल परिवर्तन आया है ऐसे में सभी पुस्तकालय विज्ञान से जुड़े सभी शिक्षविदों पुस्तकालय अध्यक्षों को भी बदलती हुई परिस्थितियों के अनूरूप अपने आप को ढालना होगा।हालाँकि पुस्तकालय को पूर्ण रूप से डिजिटल करना न केवल चुनौतीपूर्ण है बल्कि इसमें बड़ी धनराशि का विनियोग भी करना होगा।उक्त विचार लखनऊ विवि में पुस्तकालय विज्ञान की प्रोफ़ेसर बबिता जायसवाल ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज के पुस्तकालय विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक वेबिनार में व्यक्त किया।ये गोष्ठी कोविड19 के फलस्वरूप उत्पन्न चुनौतियों में डिजिटल पुस्तकालय की भूमिका को लेकर आयोजित की गई थी।प्रोफ़ेसर बबिता जायसवाल ने कहा कि आज भारत ही दुनिया के बड़े बड़े विवि डिजिटल और ओनलाइन पुस्तकालय की अवधारणा को अपना रहे हैं।उन्होंने कहा की डिजिटल तकनीकी से डरे बिना कार्य करना चाहिये।एडिसन जैसे वैज्ञानिक से एक हज़ार ग़लतियाँ हुई थीं।कोविड के बाद नई अवधारणाओं का उदय हुआ है।उन्होंने ये भी कहा सोशल नेटवोर्किंग के इस दौर में फ़ेक न्यूज़ के प्रति भी जागरुक रहने की ज़रूरत है।

विशिष्ट वक्ता के रूप मे बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर विवि की प्रोफ़ेसर शिल्पी वर्मा ने कहा की पुस्तकालय की कार्यप्रणाली में रातों रात व्यापक परिवर्तन आया है।हमारे दैनिक व्यवहार में अंतर देखने को मिल रहा है।हमें टेक सेवी बनना होगा।उन्होंने सोशल दूरी को बनाये रखने की ज़ोरदार वकालत की।डाक्टर शिल्पी ने कहा केंद्र सरकार राज्य सरकार तथा यू जी सी ई ज्ञानकोश आदि के माध्यम से डिजिटल कार्य प्रणाली को बढ़ावा दे रही हैं।उन्होंने तथा मुख्य वक्ता बबिता जैसवाल ने पी पी टी के माध्यम से डिजिटल पुस्तकालय के तकनीकी पक्षों से अवगत कराया।

थाने महाराष्ट्र से जुड़े प्रोफेसर अजय कांबले ने लॉकडाउन के दौरान शिक्षविदों की भूमिका पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा विभिन्न महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों द्वारा वेबिनार के ज़रिये डिजिटल लाईब्रेरी की अवधारणा को स्पष्ट किया है।उन्होंने कहा कि आज छात्रों को एस एम एस मैसंज़र ग्रुप वहट्स ऐप ग्रुप टेलेग्राम आदि से जोड़ा जा सकता है।

वेबिनार का सफल संचालन कालेज की पुस्तकालय अध्यक्ष डाक्टर प्रतिमा शर्मा ने किया उन्होंने सभी वक्ताओं का परिचय देते हुये उनका स्वागत किया।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफ़ेसर अनुराधा तिवारी ने डिजिटल तथा ई लाईब्रेरी के महत्वपर प्रकाश डालते हुयें उसे समय की ज़रूरत बताया।उन्होंने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।वेबिनार का शुभारम्भ डाक्टर भास्कर शर्मा की कोविड पर लिखी एक चर्चित रचना से हुआ।कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से शिक्षविदो पुस्तकालय अध्यक्षों शोधार्थियों तथा शिक्षकों ने भाग लिया।अंत में अतिथियों ने प्रतिभागियों के प्रश्नो का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया।

वोकल फ़ार लोकल की अवधारणा पहले भी किसी न किसी रूप में भारत में रही है।चाहें स्वदेशी आन्दोलन या महात्मा गांधी के लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने की बात हो या पंडित दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानव वाद का विचार अथवा दत्तोपंत ठेंगरी का स्वदेशी के प्रति आग्रह किसी न किसी रूप में लोक़ल के प्रति समर्पित रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रत्येक आवाहन चाहें वो स्वच्छ भारत अभियान हो अथवा स्वेच्छा से समर्थ लोगों का सब्सिडी छोड़ने की बात लोगों ने प्रधानमंत्री की बात का सम्मान किया है।

उक्त विचार प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने आज नेताजी जी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित एक ओनलाइन विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किये।ए पी सेन डिग्री कालेज में अर्थशास्त्र विभाग की प्रोफेसर डाक्टर मंजुला ने कहा कि लोकल उत्पाद को बढ़ावा तभी मिलेगा जब हम उसे न केवल ख़रीदेंगे बल्कि उस पर विश्वास भी करेंगे।उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा कोविड के बाद घोषित बीस लाख करोड़ के पैकज का विस्तार से विवेचन करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री ने निश्चय कर लिया है कि देश में एम एस एम ई सेक्टर के द्वारा बेरोज़गारी दूर की जा सकती है।उन्होंने कहा कि हमें अपने उत्पादों को राष्ट्रीयता की भावना से जोड़ना होगा। डाक्टर उपाध्याय ने मोदी जी के इन विचारो को बहुत महत्वपूर्ण बताया कि लोकल हमारी जरुरत ही नहीं ज़िम्मेदारी भी है।इसके लिए उन्होंने डाबर और अमूल और पतंजलि के उत्पादों का उदाहरण दिया।उन्होंने कहा कि हरित क्रांति के ज़रिये हम अन्न के क्षेत्र में आत्म निर्भर हैं एवँ इस विपदा की घड़ी में हमारे पास पर्याप्त अन्न भंडार है।उन्होंने प्रदेश सरकार के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट का हवाला देते हुये कहा कि इसमें आशातीत सफलता मिली है।उन्होंने ये भी कहा कि इज ओफ़ डोईंग को अपनाते हुये घरेलू उद्योगों की बाधाओं को दूर करना होगा जिससे उन्हें लालफ़ीताशाही का शिकार होने से बचाया जा सके।

गोष्ठी का शुभारम्भ वाणिज्य विभागाध्यक्ष तथा गोष्ठी की समन्वयक डाक्टर क्रान्ति सिंह ने वैदिक मंत्रो के साथ करते हुये विषय प्रवर्तन किया तथा थीम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला तथा कहा कि ये अत्यन्त सम सामयिक है।गोष्ठी के आयोजक सचिव डाक्टर भास्कर शर्मा ने वक्ताओं का परिचय दिया।उन्होंने कहा कि वोकल फ़ार लोकल केवल उत्पाद का ही नहीं अपितु भाषा और संस्कृति के प्रति भी होना चाहिये।उन्होंने अपनी कविता का पाठ भी इस अवसर पर किया।

गोष्ठी की विशिष्ट वक्ता के रूप में मौजूद डाक्टर शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि की वाणिज्य विभाग की प्रोफेसर कौशिकी सिंह ने पी पी टी के माध्यम से वोकल फ़ार लोकल की अवधारणा को स्पष्ट किया।उन्होंने कहा कि ये मात्र कोई नारा नहीं है बल्कि विकसित भारत के लिये हमारा मार्गदर्शन भी करेगा।उन्होंने कहा कि इसका मतलब विदेशी सामनो का बहिष्कार नहीं बल्कि अपने देश के उत्पादों को गुणवता पूर्ण तथा अन्तरराष्ट्रीय स्तर का बनाना है।उन्होंने स्वदेशी उत्पादों की वकालत करते हुये उसके अधिक से अधिक प्रचारित क़रने पर जोर दिया।स्वदेशी उद्रियों को प्रोमोट क़रने की सबसे अधिक जरुरत है।उन्होंने स्वदेशी उत्पादों का विक्रय ई commerce के ज़रिये क़रने की आवश्यकता पर बल दिया।डाक्टर कौशिकी ने कहा कि जो दिखता है वो बिकता है इसलिये हमें मार्केटिंग का फ़ंडा समझना होगा।लोकल को जीवन का मंत्र बनाना होगा।अगर अन्तर राष्ट्रीय उत्पादों के सामने ठहरना है तो हमें अपने प्रोडक्ट को दमदार तथा प्रतियोगी स्तर का बनाना होगा।ऐसे प्रोडक्ट को बनाना होगा जो ग्लोबल स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि हम लोकल के प्रति अपनी झिझक को हटायें तथा राष्ट्र हित में अपने देश के प्रोडक्ट को बढ़ावा दें।उनहोने ज्वलन्त तथा सम सामयिक विषय पर गोष्ठी आयोजित करने के लिये वाणिज्य विभाग को बधाई दी तथा सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।गोष्ठी की सह समन्वयक डाक्टर रश्मि अग्रवाल ने सभी अतिथियों का आभार करते हुये प्रश्न मंच का अत्यन्त सफलता पूर्वक संचालन क़िया तथा श्रोताओं और शोधार्थियों की ओर से आये प्रश्नो का प्रस्तुतीकरण किया।

इस गोष्ठी में देश के लगभग प्रत्येक प्रान्त से शिक्षविदों शिक्षकों शोधार्थियों तथा अन्य लोगों ने वड़ी संख्या में प्रतिभाग किया।

हमारे देश में प्रकृति ने भरपूर उपहार दिया है जो सबके लिये समानरूप से निःशुल्क उपलब्ध हैं।हमें प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से बचना होगा और उनका विवेकपूर्ण और मितव्वयी इस्तेमाल करना होगा।ये विचार आज इंदिरगांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के फेस बुक लाइव पेज पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर तथा इगनु के समन्वयक डाक्टर जय प्रकाश वर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप बोलते हुये व्यक्त किये।उनके भाषण का प्रसारण देश भर में किया गया।उनके उद्‌बोधन के दौरान इगनु की क्षेत्रीय निदेशक डाक्टर मनोरमा सिंह प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी सहायक निदेशक डाक्टर अनामिका सिंहा डाक्टर कीर्ति विक्रम सिंह कौंसेलर डाक्टर भास्कर शर्मा आदि मौजूद रहे।

डाक्टर जय प्रकाश ने कहा कि सतत विकास आवश्यक है।अगर हम विशेष तौर से ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों पोखरों आदि का संरक्षण करेंगे तो काफ़ी हद तक समस्याओं को दूर कर पायेंगे।उन्होंने कहा कि हवा जल आक्सीजन प्रकाश सब प्रकृति प्रदत्त है लेकिन इनका संरक्षण हमारी ज़िम्मेदारी है।

सूच्य है कि इगनु द्‌वारा फ़ेस बुक लाइव पर निरन्तर विभिन्न विशेषज्ञों के विचारों का प्रसारण किया जा रहा है उसी कड़ी में आज प्रकृति प्रदत्त संसाधनों और सतत विकास पर उद्‌बोधन के लिये डाक्टर जय प्रकाश को आमंत्रित किया गया था।

बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस के अवसर पर आज उत्तर प्रदेश बाल अधिकार आयोग इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज के संयुक्त तत्ववधान में एक वेबिनार का आयोजन किया गया।यू पी बाल अधिकार आयोग के अध्यक्ष डाक्टर विशेष गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि छोटे बच्चे जिन्हें बाल श्रम में झोक दिया जाता है वो समाज के लिये दायित्व बन जाते है।उन्होंने कहा कि बालश्रम को लेकर कार्य योजना बनाने की जरुरत हाई।इस विषय पर लम्बे समय से बातें हो रहीं हैं अंतः कुछ न कुछ जागरूकता समाज में आयीं हाई।श्री गुप्ता ने कहा कि बाल श्रम परिवार जनित समस्या है।उन्होंने कहा कि नोबल पुरस्कार विजेता के गम्भीर प्रयासों से बात श्रम में कमी आयी है।श्री विशेष गुप्ता ने कहा कि जब बचपन घायल होता है तो युवापन और वृध्वस्था भी अच्छा नही हो पता।घायल बचपन आक्रोशित होकर अपराध या अन्य गतिविधियों में शामिल हो जाता है।

विशेष वक्ता के तौर पर एन एस एस के राज्य स्तरीय समन्वयक डाक्टर अंशुमालि शर्मा ने कहा कि कोविड़ के दौरान एन एस एस के स्वयं सेवी बड़ी संख्या में बाहर निकले हैं और स्वेच्छा से सेवा कार्य कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि पिछले ढाई महीने में एन एस एस के स्वयं सेवियों ने ग़ज़ब के साहस और सेवा भाव का परिचय दिया है।इस अवसर पर महिला एवँ बालविकास विभाग के उप निदेशक श्री पुनीत मिश्रा ने बाल अधिकरों के बारे में चल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।बाल कल्याण समिति की डाक्टर संगीता शर्मा ने कहा की ऐसे बच्चे प्रतिभा मे किसी से कम नहीं होते अगर उनको अवसर मिले तो बे सभी काम कर सकते हैं जो साधन सम्पन्न बच्चे करते है।आयोग की सदस्य जया सिंह ने कहा की इस समय आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है इसलिए परिवारों पर इसका असर है इसका दुष्प्रभाव बच्चों पर पड़ना स्वभाविक है।उन्होंने कहा कि बाल श्रम उन्मूलन के लिये उनके परिवारों को ये समझाना होगा कि पढ़ने के बाद ये बच्चे कमाएँगे।उन्होंने कहा कि सरकार की अनेक योजानए हैं संस्थाओं की ज़िम्मेदारी है कि उनका व्यापक प्रचार प्रसार करे ताकि उनका फ़ायदा जरुरत मंदों को मिल सके।उन्होंने कहा कि आज भी मुख्य मंत्री द्वारा बाल श्रमिकों के लिये नई योजना लागू की गई है।ऐक्शन ऐंड यू पी उत्तराखंड श्रीख़ालिद ने भी वेबिनार को सम्बोधित किया।उन्होंने कहा की कोविड़ के दौरान बहुत से मुद्दों पर बात हो रही थी आज बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर उनकी चर्चा होना महत्वपूर्ण हैं।उन्होंने कहा की प्रवासी के रूप में बहुत बच्चे आर्ये हैं उनके baare में भी सोचना ज़रूरी है।

वेबिनार का शुभारम्भ कालेज कि प्राचार्य प्रोफ़ेसर अनुराधा तिवारी के संबोधन के साथ हुआ उन्होंने कहा कि कोमल मन की भावनाओं को एक शिक्षक बेहतर ढंग से समझ सकता है। इगनु की क्षेत्रीय निदेशक डाक्टर मनोरमा सिंह ने कहा कि बाल अधिकारों को लेकर इगनु ने अनेक कार्यक्रमों की शुरुआत की है।उन्होंने सभी अतिथियों का परिचय कराते हुये स्वागत किया। संस्कार भारती से जुड़े इगनु के कौंसेलर डाक्टर भास्कर शर्मा ने बाल श्रम से जुड़ी अपनी कविता"इनके भी दिल में दर्द है अरमान बहुत हैं"का वाचन किया।

वेबिनार का सफल संचालन सहायक निदेशक डाक्टर कीर्ति विक्रम सिंह तथा समन्वयक डाक्टर जय प्रकाश वर्मा ने किया। कार्यक्रम में देश के अनेक स्वयं सेवी संगठनो शोधार्थी शिक्षाविद ने हिस्सा लिया।इस अवसर पर वक्ताओं ने श्रोताओं के सवालों का जवाब दिया।वेबिनार में आयोग के सदस्य शुचिता चतुर्वेदी साक्षी बैजल प्रीति वर्मा नीता साहू श्री सुधाकर पाँडे श्वेता श्रीवास्तव आदि विशेष आमन्त्रित रहे।

(54)

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ

Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Girls P G College, Aliganj, Lucknow

Ek Bharat Shreshtha Bharat: 'Dekho Apna Desh'

एक भारत श्रेष्ठ भारत : 'देखो अपना देश'

Webinar series : Sasyak @ Awadh

(सस्यक @ अवध)

Organized by : EBSB Club

Date & Time

June 16, 2020 at 12.00 PM on ZOOM and YouTube

Chief Patron
Prof. Vandana Sharma
Director, Higher Education (U.P.)

Patron/Principal
Prof. Anuradha Tiwari

Principal
Dr. Milorai Modi
J.N. College, Pasighat,
Arunachal Pradesh

Eminent Speakers

Dr S.A. Mehandi
Former Registrar, High Court (Allahabad) & Presently Registrar N.C.L.T., Allahabad, News Reader, Lko DD Director, Producer and Writer, Theatre & Film Personality

Dr Deepti Khare
Principal
Govt. Degree College, Gosainkheda, Unnao (U.P.)

Dr Sanobar Haider
Assistant Prof. Dept. of History
MBP Govt. PG College,
Ashiana, Lucknow

Convenor/Nodal Officer
Dr. Poonam Verma

Dr. Temin Payum
Nodal Officer
J.N. College, Pasighat
Arunachal Pradesh

Organizing Secretary
Dr Vinita Lal

Co-organizing Secretary
Dr Meenakshi Shukla

तन मन धन अर्पण कर,
भारत को श्रेष्ठ बनायेंगे।
आत्मनिर्भर बन जग में,
स्वकौशल का ध्वज फहरायेंगे।।

Paired College with EBSB club

(61)

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज लखनऊ में पुस्तकालय विभाग एन सी सी तथा रेंजर के संयुक्त तत्वधान में एक सप्ताह की कार्यशाला का शुभारम्भ आज प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी द्वारा किया गया।एक सप्ताह तक चलने वाली इस कार्यशाला में प्रत्येक दिन स्वास्थ्य स्वच्छ पर्यावरण कौशल विकास रक्तदान सड़क सुरक्षा तथा सामाजिक जिम्मदारियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।इसके लिये विभिन्न क्षेत्रों के जाने माने विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है।कार्यशाला का उद्घाटन करते हुये प्राचार्य ने कहा किकोविड के दौरान सामाजिक और स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयों पर चर्चा करना अत्यन्त महत्वपूर्ण है इससे हमें समस्याओं से निपटने में सहायता मिलेगी।उन्होंने वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।सरस्वती वन्दना कैडेट सन्ध्या शर्मा ने किया।

मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डाक्टर प्रतिभा जोशी ने कहा कि हमारा पेट भरपूर है इससे ज़्यादा ज़रूरी है कि हमारा पोषण भरपूर होना चाहिये।उन्होंने महिलाओं की चर्चा करते हुये कहा कि देश में अधिकांश महिलायें एनीमिंक है उनमें हीमोग्लोबिन तथा लौह तत्व की कमी है इसके लिये प्राकृतिक साधन अपनाये जा सकता है।उन्होंने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं तथा हरित क्रान्ति के माध्यम से उन्होंने अन्न भंडार को भरा है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी वैज्ञानिकों से एक गाँव गोद लेने को कहा है जिसके चलते सभी वैज्ञानिको ने गाँव को विकसित क़रने का बीड़ा उठाया है।

राजधानी की जानी मानी मनोवैज्ञानिक डाक्टर मधुबाला ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य हमारे स्वास्थ्य का अभिन्न भाग है।उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान अनेक नकारात्मक विचार आते हैं ख़ासतौर से किशोरों के मन में ऐसे में हमें उनके साथ क्वालिटी समय बिताना चाहिये।उन्होंने कहा कि समाजिक अर्थिक और शारीरिक कारणों से मानसिक बीमारी होती है।हमें हर हाल में हमको तनाव मुक्त रहने की कला सीखनी होगी।

इस अवसर पर महाविद्यालय की शारीरिक शिक्षा की असिस्टेंट प्रोफेसर डाक्टर सविता सिंह ने कहा कि इस समय हरी सब्ज़ी चना या जो भी पोषक तत्व है उन्हें खाना चाहिये साथ ही नियमित शारीरिक व्यायाम क़रने की आदत डालनी चाहिये।उन्होंने कहा की पानी पर्याप्त मात्रा में धीरे धीरे पीना चाहिये।पर्याप्त नींद के बिना अच्छे स्वास्थ्य की कल्पना नहीं की जा सकती।

वेबिनार की कनवेनर डाक्टर प्रतिमा शर्मा ने विषय प्रवर्तन किया तथा कोविड के दौरान इस कार्यशाला की औचित्य पर प्रकाश डाला तथा अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यशाला का सफल संचालन डाक्टर रश्मि अग्रवाल ने किया उन्होंने प्रतिभागियों तथा वक्ताओं के बीच सेतु का कार्य कियातथा प्रश्नमंच का संचालन किया।इस अवसर पर देश के विभिन्न भागों से प्रतिभागी मौजूद रहे।रपटियर डाक्टर भास्कर शर्मा ने आयोजकों को सफल कार्यक्रम की बधाई दी।

DR SAVITA SINGH-GUEST-...
RAPPORTEUR DR. BHASK...
zoom

नेताजी सुभाष चंद्र बोस कॉलेज में सात दिवसीय कार्यशाला शुरू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला

स्वास्थ्य,स्वच्छ पर्यावरण ,कौशल विकास, रक्तदान, सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर होगी चर्चा

पीजी कालेज अलीगंज लखनऊ में पुस्तकालय विभाग एनसीसी तथा रेंजर के संयुक्त तत्वावधान में एक सप्ताह की कार्यशाला का शुभारम्भ आज प्राचार्य प्रो. अनुराधा तिवारी द्वारा किया गया। एक सप्ताह तक चलने वाली इस कार्यशाला में प्रत्येक दिन स्वास्थ्य,स्वच्छ पर्यावरण ,कौशल विकास, रक्तदान, सड़क सुरक्षा तथा सामाजिक जिम्मेदारियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। इसके लिये विभिन्न क्षेत्रों के जाने माने विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुये प्राचार्य ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान सामाजिक और स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयों पर चर्चा करना अत्यन्त महत्वपूर्ण है इससे हमें समस्याओं से निपटने में सहायता मिलेगी।

मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डाक्टर प्रतिभा जोशी ने कहा कि हमारा पेट भरपूर है इससे ज्यादा जरूरी है कि हमारा पोषण भरपूर होना चाहिये। उन्होंने महिलाओं की चर्चा करते हुये कहा कि देश में अधिकांश महिलाएं एनीमिक है उनमें हीमोग्लोबिन तथा लौह तत्व की कमी है इसके लिये प्राकृतिक खान-पान अपनाये जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी वैज्ञानिकों से एक गांव गोद लेने को कहा है जिसके चलते सभी वैज्ञानिकों ने गांव को विकसित करने का बीड़ा उठाया है।

राजधानी की जानी मानी मनोवैज्ञानिक डाक्टर मधुबाला ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य हमारे स्वास्थ्य का अभिन्न भाग है। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान अनेक नकारात्मक विचार आते हैं खासतौर से किशोरों के मन में ऐसे में हमें उनके साथ क्वालिटी समय बिताना चाहिये।

उन्होंने कहा कि सामाजिक आर्थिक और शारीरिक कारणों से मानसिक बीमारी होती है हमें हर हाल में इनको तनाव मुक्त रहने की कला सीखनी होगी। महाविद्यालय की शारीरिक शिक्षा की असिस्टेंट प्रोफेसर डाक्टर सविता सिंह ने कहा कि इस समय हरी सब्जी चना या जो भी पोषक तत्व है उन्हें खाना चाहिये, नियमित शारीरिक व्यायाम करने की आदत डालनी चाहिये। उन्होंने कहा की पानी पर्याप्त मात्रा में धीरे धीरे पीना चाहिये। पर्याप्त नींद के बिना अच्छे स्वास्थ्य की कल्पना नहीं की जा सकती।

वेबिनार की कन्वेनर डाक्टर प्रतिमा शर्मा ने विषय प्रवर्तन किया तथा कोविड के दौरान इस कार्यशाला की औचित्य पर प्रकाश डाला तथा अतिथियों का स्वागत किया। कार्यशाला का सफल संचालन डाक्टर रश्मि अग्रवाल ने किया

63

(64)

लखनऊ: एनएससीबी पीजी कॉलेज में कार्यशाला का हुआ उद्घाटन, स्वास्थ्य-सुरक्षा पर होगी चर्चा

Published on :21 Jul 2020 , 06:26 am IST

राजधानी लखनऊ के एनएससीबी पीजी कॉलेज अलीगंज में एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया है. इस कार्यशाला में स्वास्थ्य, पर्यावरण, कौशल विकास, रक्तदान, सड़क सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों जैसे विषयों पर चर्चा होगी.

लखनऊ: नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पीजी कॉलेज अलीगंज में एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया है. यह आयोजन पुस्तकालय विभाग एनसीसी तथा रेंजर के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है. एक सप्ताह तक चलने वाली इस कार्यशाला में स्वास्थ्य, पर्यावरण, कौशल विकास, रक्तदान, सड़क सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी. इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों के जाने-माने विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है.

प्राचार्य डॉ. अनुराधा ने कार्यशाला का उद्घाटन किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला हमें तमाम समस्याओं से निपटने में सहायता करेगी. उन्होंने वक्ताओं और प्रतिभागियों का भी आभार व्यक्त किया. मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रतिभा जोशी ने कहा कि खाने में भरपूर पोषण होना चाहिए.

उन्होंने महिलाओं की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि देश में अधिकांश महिलाएं एनीमिक हैं. महिलाओं में हिमोग्लोबिन तथा आयरन की कमी है. इसके लिए प्राकृतिक साधन अपनाए जा सकते हैं. इसके लिए खाने में हरी सब्जियों को जगह दी जा सकती है.

डॉ. प्रतिभा जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी वैज्ञानिकों से एक गांव गोद लेने को कहा है. इसके चलते सभी वैज्ञानिकों ने गांव को विकसित करने का बीड़ा उठाया है. राजधानी की जानी-मानी मनोवैज्ञानिक डॉ. मधुबाला ने कहा कि मानसिक रूप से स्वास्थ्य होना शरीर का अभिन्न अंग है. उन्होंने कहा कि कोविड-19 के समय में हमारे दिमाग में अनेक नकारात्मक विचार आते हैं. इसकी वजह से सामाजिक, आर्थिक और मानसिक बीमारियां होती हैं. ऐसे में हमें तनावमुक्त रहने की कला सीखनी होगी. इसलिए जरूरी है कि हम नियमित रूप से व्यायाम करने की आदत डालें.

आज स्थानीय नेताजी सुभाष चंद्र बोस गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज के सात दिवसीय कार्यशाला के क्रम में तृतीय दिवस ऑनलाइन स्किल डेवलपमेंट अवेयरनेस प्रोग्राम विषय पर चर्चा हुई इस विषय पर गोरखपुर से गोरखपुर विश्वविद्यालय के डॉ जावेद आलम ह्यूमैनिटीज डिपार्टमेंट से डिजिटल इंडिया के बारे में उन्होंने कंपोनेंट्स ऑफ डिजिटल लिटरेसी की विस्तृत जानकारी दी उन्होंने बताया कि क्रिटिकल थिंकिंग, ऑनलाइन सेफ्टी स्केल, डिजिटल कल्चर, क्रिएटिविटी, फाइंडिंग इनफॉरमेशन और फंडामेंटल स्किल्स क्या होते हैं इसी के साथ ही साथ लखनऊ की जंबो टेक्नोलॉजी की एचआर हेड कंसलटेंट जो कि एक फाउंडर मैनेजमेंट ऑफ क्राफ्ट इमेज भी हैं, निधि शर्मा ने भी ऑनलाइन लिटरेसी डिजिटल इंडिया को प्रमोट करते हुए माइक्रो एटीएम एवं एपी ईएस आधार इनेबल पेमेंट सिस्टम विस्तृत स्टेप बाय स्टेप जानकारी मुहैया कराई। भारत बिल पेमेंट सर्विस, डॉमेस्टिक मनी ट्रांसफर के बारे में भी उन्होंने बताया कि किस तरह से इस डिजिटल इंडिया के क्रम में हम digital technolog के द्वारा अपनी मनी ट्रांसफर कर सकते हैं इसी के साथ ही साथ महाविद्यालय के कॉमर्स विभाग की हेड डॉ क्रांति सिंह ने भी ऑनलाइन स्किल्स के बारे में बहुत सारी जानकारी दी, उन्होंने उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित बहुत सारे गवर्नमेंट और नॉन गवर्नमेंट सेक्टर जो इस सर्विसेज को प्रोवाइड कर रहे हैं, उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी इसी के साथ ही साथ कैंडेट ज्योति सिंह ने पूरे प्रोग्राम को फीडबैक के द्वारा समीक्षा की। कन्वेयर श्रीमती प्रतिमा शर्मा ने सभी रिसोर्स पर्सन का परिचय दिया और प्रोग्राम की थीम को एवं उसके ऑब्जेक्टिव को बताया और यह भी बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा स्किल इंडिया मिशन जो कि पिछले वर्ष लांच किया गया था जिसमें 2022 तक 40 करोड़ युवा में जुड़ने वाले हैं इसी के साथ ही साथ डॉ रश्मि अग्रवाल के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सात दिवसीय कार्यशाला में ऑनलाइन स्किल डेवलपमेंट अवेयरनेस प्रोग्राम पर चर्चा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। भारत अब तेजी से ऑनलाइन लिट्रेसी की तरफ अग्रसर हो रहा है। यह बात मंगलवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस गवर्नमेंट गर्ल्स

ऑनलाइन लिट्रेसी की तरफ अग्रसर हो रहा भारत

पीजी कॉलेज में चल रही सात दिवसीय कार्यशाला के क्रम में तृतीय दिवस के विषय 'ऑनलाइन स्किल डेवलपमेंट अवेयरनेस प्रोग्राम' में मुख्य वक्ता की भांति टेक्नोलॉजी की एचआर एंड कंसलटेंट निधि शर्मा ने कही। उन्होंने ऑनलाइन लिट्रेसी, डिजिटल इंडिया को प्रमोट करते हुए माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल एवं एप्लीकेशन आधारित डिजिटल पेमेंट सिस्टम विस्तृत रूप से जानकारी दी। भारत बिल पेमेंट सर्विस, यूनिफाइड मनी ट्रांसफर के बारे में भी उन्होंने बताया कि किस तरह से हम डिजिटल इंडिया के तरफ में हम अपनी मनी ट्रांसफर कर सकते हैं, इनकी बारीकियों को समझाया। इसी क्रम में गोरखपुर विश्वविद्यालय के डॉ. आनंद आलम यूनिवर्सिटी [illegible] के डिजिटल इंडिया फंक्शन में उन्होंने [illegible] ऑनलाइन [illegible] लिट्रेसी की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डिजिटल बैंकिंग, ऑनलाइन शॉपिंग, ईमेल डिजिटल पेमेंट, सिक्योरिटी, फाइनेंशियल इन्फॉर्मेशन और फंडामेंटल सिक्योरिटी क्या होते हैं इस पर विस्तार से चर्चा की। इसी के साथ ही महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की हेड डॉ. प्रीति सिंह ने भी ऑनलाइन स्किल्स के बारे में बहुत सारी जानकारी दी। उन्होंने उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित बहुत सारे गवर्नमेंट और नॉन गवर्नमेंट सेक्टर जो इस सर्विसेज को प्रोवाइड करवाते हैं, उनके बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसी के साथ ही साथ डॉ. ज्योति सिंह ने पूरे प्रोग्राम की फीडबैक के द्वारा समीक्षा की। कन्वीनर प्रतिमा शर्मा ने सभी रिसोर्स पर्सन का परिचय दिया और प्रोग्राम की थीम को एवं उसके ऑब्जेक्टिव को बताया और यह भी बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा स्किल इंडिया मिशन जो कि पिछले वर्ष लॉन्च किया गया था जिसमें 2022 तक 40 करोड़ युवा में जुड़ने वाले हैं। इसी के साथ ही साथ डॉ. सीमा अग्रवाल के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

आज स्थानीय नेता जी सुभाष चंद्र बोस गवर्नमेंट गर्ल्स पीजी कॉलेज के सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वर्कशॉप के क्रम में चतुर्थ दिवस में ब्लड डोनेशन अवेयरनेस प्रोग्राम विषय पर चर्चा हुई । इस विषय पर डॉक्टर जावेद, स्वामी प्रसाद मुखर्जी हॉस्पिटल के ब्लड बैंक इंचार्ज, जो कि अब रिटायर्ड है उन्होंने ब्लड डोनेशन से पब्लिक में उत्पन्न भ्रांतियों को दूर किया और ब्लड डोनेशन की वास्तविक उम्र और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। साथ ही साथ सेकंड सेशन में डॉ पायल सिंह लखनऊ स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया से बताया कि किस प्रकार ब्लड डोनेट करने से किसी व्यक्ति को कोई शारीरिक कमी नहीं होती है और ब्लड संबंधी जानकारी विस्तृत रूप से समझाया और सारी भ्रांतियां भी दूर की और कार्यशाला में भाग ले रहे प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए तमाम प्रश्नों द्वारा ब्लड डोनेशन अवेयरनेस को बढ़ावा देते हुए सूक्ष्म से सूक्ष्म जानकारी उपलब्ध करायी। इसी के साथ महाविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रश्मि विश्नोई होम साइंस विभाग द्वारा भी ब्लड डोनेशन करने वाले व्यक्ति को अपने खानपान से संबंधित किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए एवं आयरन के साथ साथ विटामिन सी की उपयोगिता को भी समझाया। इसी के साथ कन्वीनर श्रीमती प्रतिमा शर्मा ने एक विशेष वीडियो दिखाते हुए अटैंडीस को वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन द्वारा जारी गाइडलाइंस 14 जून वर्ल्ड ब्लड डोनर डे की 2012 से 2020 तक की थीम को बताया, जिसमें प्रमुखता ए वरी ब्लड डोनर इस ए हीरो, सेफ ब्लड फॉर सेविंग मदर, शेष ब्लड फॉर ऑल, सेव अर्थ सेव लाइफ, ब्लड कनेक्ट ऑल, थैंक यू फॉर सेविंग माय लाइफ आदि महत्वपूर्ण बिन्दु शामिल है। इसी के साथ ही ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री रश्मि अग्रवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। एवं कैडेट क्षमा दीक्षित एवं गायत्री देवी द्वारा रिसोर्स पर्सन द्वारा प्रश्न पूछकर प्रतिभागियों की जिज्ञासा शांत की।

आंखें नम हो जाती हैं यह दिल भर आता है तुम्हारी कुर्बानी के किस्से सुनकर सिर गर्व से उठ जाता है समय था 26 जुलाई दिन रविवार का अर्थात 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय में सफलता पाई और हमारे देश में घुसपैठियों को मार गिराया इसी दिन को सम्मान के साथ कारगिल विजय दिवस के रूप में बनाने के संकल्प लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज आज कारगिल विजय दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ साथ शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो ० अनुराधा तिवारी ने एक तरफ तो कारगिल में शहीद हुए सैनिकों को नमन करते हुए आंखें नम की दूसरी तरफ विजय दिवस की शुभकामनाएं सभी को दी, साथ ही साथ उन्होंने एक कविता पाठ करते हुए सभी एनसीसी की कैडेट्स का मनोबल , जोश और उत्साह से भर दिया, उन्होंने सभी छात्राओं को उनके देश के प्रति अपने कर्तव्य को समझाने का प्रयत्न किया और उनके द्वारा प्रस्तुत कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में कविता पाठ एवं गीत की सराहना की । इस अवसर पर महाविद्यालय की एनसीसी प्रभारी श्रीमती प्रतिमा शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि किस प्रकार ऑपरेशन विजय के दौरान कई भारतीय वीर जवानों ने निडरता के साथ अपने जीवन की आहुति दे दी और अपने कर्तव्य का पालन करते हुए उत्साह के साथ अपने आप को बलिदान किया । ऑपरेशन विजय की सफलता 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने प्रमुख चौकी की कमान संभालते हुए पाकिस्तानी घुसपैठियों से छीन ली थी। कारगिल युद्ध ६० से भी अधिक दिनों के लिए लड़ा गया और 26 जुलाई को समाप्त हुआ ।उन्ही शहीदों को श्रद्धांजलि के रूप में कारगिल विजय दिवस आज के दिन मनाया जाने लगा । कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना कैडेट संध्या शर्मा ने किया उसके पश्चात दिव्यांशी ने स्वागत गीत से सभी अतिथियों का स्वागत किया। "अपने लहू से सीखा है उन परवानो ने, यूं ही नहीं यह वादियां जन्नत कहलाती हैं।" इन शब्दों के साथ स्तुति शुक्ला ने अपनी कविता का पाठ बड़े ही जोश से किया। सरोजिनी गुप्ता, आराध्या पांडे, मांडवी शुक्ला, आराध्य यादव, अर्चना. वर्मा, प्रियंका शुक्ला, तनु शुक्ला, शांभवी तिवारी, सरोजनी गुप्ता आदि एनसीसी की छात्राओं ने पोस्टर बनाकर एवं कविता पाठ के द्वारा इस दिवस को उत्साह पूर्वक मनाया। कैडेट मुस्कान राव, ज्योति पांडे ने वीडियो मैसेज के द्वारा अपनी बात प्रस्तुत की । "आओ मिलकर सलाम करें, उनको जिनके हिस्से में यह मुकाम आया खुश नसीब है वो, खून का कतरा जो, देश के काम आया।" इस जज्बे के साथ एनसीसी के प्रभारी श्रीमती प्रतिमा शर्मा ने भी एक वीडियो मैसेज द्वारा सभी कैडेट्स का मनोबल बढ़ाया और विजय दिवस में प्रतिभागिता हेतु सभी को साधुवाद दिया इस अवसर पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ रश्मि विश्नोई होम साइंस विभाग द्वारा भी सभी छात्राओं को संदेश दिया गया एवं उनके द्वारा प्रस्तुत कविता पाठ गीत स्लोगन पोस्टर वीडियो मैसेज सभी के लिए उनका उत्साहवर्धन किया महाविद्यालय के समस्त एवं महाविद्यालय के समस्त परिवार ने इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएं संदेश देते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि नमन की।

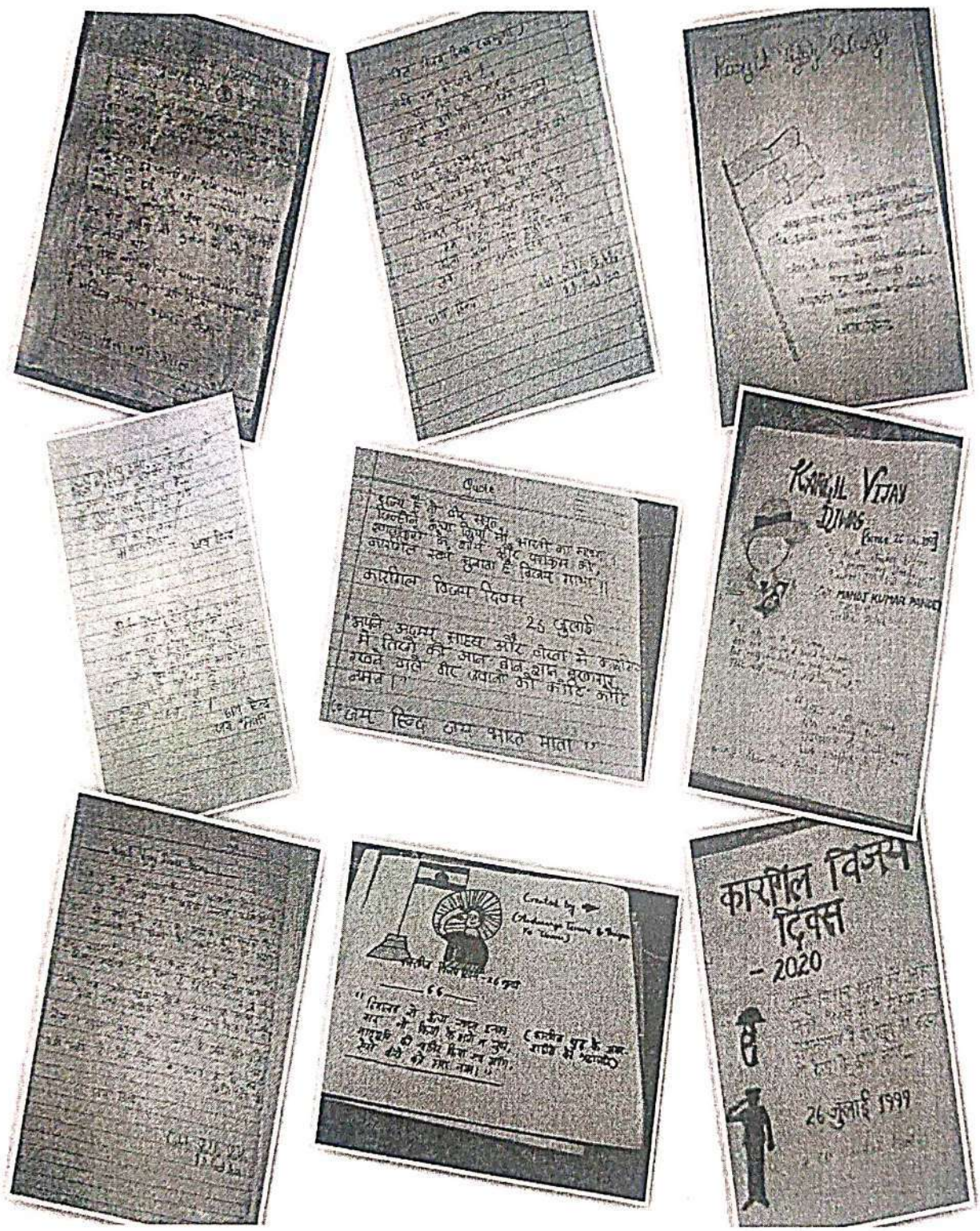

Quote
कारगिल विजय दिवस
26 जुलाई
जय हिंद जय भारत माता

KARGIL VIJAY DIWAS
MANOJ KUMAR PANDEY

कारगिल विजय दिवस
- 2020
26 जुलाई 1999

(113)

महिला महाविद्यालय में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज में रविवार को शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कारगिल विजय दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. अनुराधा तिवारी ने कारगिल में शहीद हुए सैनिकों को नमन करते हुए कविता पाठ कर सभी एनसीसी कैडेट्स का मनोबल, जोश और उत्साह से भर दिया। आओ मिलकर सलाम करें, उनको जिनके हिस्से में यह मुकाम आया खुश नसीब है वो खून का कतरा जो, देश के काम आया। इस जज्बे के साथ महाविद्यालय की एनसीसी प्रभारी प्रतिमा शर्मा ने एक वीडियो मैसेज द्वारा सभी कैडेट्स का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का शुभारंभ कैडेट संध्या शर्मा ने सरस्वती वंदना से किया। दिव्यांशी ने स्वागत गीत से सभी अतिथियों का स्वागत किया। स्तुति शुक्ला ने अपनी कविता का पाठ बड़े ही जोश से किया। सरोजिनी गुप्ता, आराध्या पांडेय, मांडवी शुक्ला, आराध्या यादव, अर्चना वर्मा, प्रियंका शुक्ला, तनु शुक्ला, शांभवी तिवारी, सरोजनी गुप्ता सहित एनसीसी की छात्राओं ने पोस्टर बनाकर एवं कविता पाठ के द्वारा इस दिवस को उत्साह पूर्वक मनाया। महाविद्यालय की वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. रश्मि विश्नोई ने सभी छात्राओं को वीरता का संदेश दिया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज ,लखनऊ की इबीएसबी टीम द्वारा आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत :देखो अपना देश' (सस्यक @अवध) के प्रति सप्ताह आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज 30 जुलाई 2020 को वेबीनार संपन्न हुआ । वेबीनार में पूर्वांचल क्षेत्र के जनपदों के धार्मिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक तथा विभिन्न सांस्कृतिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई । इस वेबीनार में विभिन्न स्थानों से बहुसंख्यक शिक्षार्थी ,शिक्षक एवं जिज्ञासु दर्शकों ने प्रतिभाग किया । युग्मित संस्था जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय, पासीघाट ,अरुणाचल प्रदेश के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया । इस वेबीनार का आयोजन जूम एप के द्वारा तथा सजीव प्रसारण यूट्यूब पर किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की वंदना द्वारा हुआ जिसे छात्रा संध्या शर्मा ने सुमधुर स्वर में प्रस्तुत किया । वेबीनार का उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्य प्रो अनुराधा तिवारी ने किया । उन्होंने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत :देखो अपना देश' संकल्पना की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए सस्यक विशेषण को परिभाषित किया तथा अरुणाचल प्रदेश एवं भारत की वैविध्य पूर्ण संस्कृति के प्रति अपनी विशेष रुचि एवं अनुराग को व्यक्त किया ।साथ ही उन्होंने सभी गणमान्य वक्ताओं एवं अरुणाचल प्रदेश से जुड़े अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। वेबीनार की विषय वस्तु को कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एवं कन्वीनर डॉ पूनम वर्मा ने प्रस्तुत किया। उन्होंने विविधता में एकता पर आधारित एक भारत श्रेष्ठ भारत की मूल भावना से सब को परिचित कराया। इस अवसर पर कार्यक्रम से जुड़े वरिष्ठ विद्वान वक्ता प्रोफेसर नगेंद्र सिंह जी (रिटायर्ड विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, बलरामपुर) ने बलरामपुर एवं गोंडा जनपद के भौगोलिक ऐतिहासिक प्राकृतिक सौंदर्य एवं जैव विविधता से परिपूर्ण स्थानों की विस्तृत जानकारी दी।

प्रोफेसर सुरेंद्र नाथ मिश्र (सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, सिद्धार्थनगर)ने संत कबीर नगर, बस्ती एवं सिद्धार्थनगर के साहित्यिक ,सांस्कृतिक ,शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए पर्यटन स्थलों की अत्यंत उपयोगी एवं महत्वपूर्ण जानकारी दी ।

डॉक्टर शिव प्रताप सिंह (सचिव प्रबंध समिति, किसान पीजी कॉलेज ,बहराइच) बहराइच एवं श्रावस्ती के ऐतिहासिक, साहित्यिक, धार्मिक पक्षों एवं खानपान संबंधी विशेषताओं पर चर्चा करते हुए वहां के भौगोलिक पक्ष परिषद विशाल ऋषभ विशद एवं ज्ञानवर्धक वक्तव्य प्रस्तुत किया जिसे छात्रों द्वारा परीक्षा उपयोगी बताकर बहुत सराहा गया ।

अरुणाचल प्रदेश के जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय, पासीघाट से जुड़े जंतु विज्ञान विभाग के डॉक्टर कैंटो काडू ने वहां की जनजाति व्यवसाय एवं विशिष्ट व्यंजनों पर ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान की वरिष्ठ प्रोफेसर डॉक्टर बृजबाला मिश्रा ने बस्ती के बारे में बताया कि यह वशिष्ठ की नगरी है। उन्होंने वहां के औद्योगिक, प्रशासनिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पौराणिक पहलुओं को छूते हुए प्रभावशाली वक्तव्य दिया।

कार्यक्रम का संचालन ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ विनीता लाल ने बहुत ही कुशलता ,सुगमता एवं पूर्ण मनोयोग से किया। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के लोक नृत्य को डिजिटल माध्यम से प्रसारित कर कार्यक्रम को रोचक बनाया ।

डॉ मीनाक्षी शुक्ला ने सभी वक्ताओं की विशेष बातों को समाहित करते हुए सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। तकनीकी सहायक के रूप में सुनील वर्मा एवं राजकुमार वर्मा ने पूर्ण सहयोग दिया।

गुरुकुल शिक्षा पद्धति में ज्ञान आधारित शिक्षा होती थी जबकि आज की शिक्षा जाब आधारित है।गुरु का अर्थ है बोलने वाला अर्थात् बोलकर ज्ञान देने वाला।इसी प्रकार गुरु वो होता हाई जो हमें अन्धकार से निकालता है।ज्ञान का सिंचन करता है शास्त्र के बारे में बताता है और शिष्य को अच्छे और सच्चे मार्ग पर चलने के लिये प्रेरित करता है।

उक्त विचार लखनऊ विवि में संस्कृत के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पद्मश्री डाक्टर ब्रजेश शुक्ला ने व्यक्त कियेवो आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज के संस्कृत विभाग द्वारा श्रावणी पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर आयोजित संस्कृत दिवस की आन लाइन संगोष्ठी को सम्बोधित कर रहे थे।संगोष्ठी का विषय था कोविड१९ के परिप्रेक्ष्य में संस्कृत का महत्व और गुरुकुल शिक्षा पद्धति।

प्रोफेसर ब्रजेश शुक्ला ने कहा कि अमेरिका जैसे धनी देश कोविड से परेशान हैं जबकि भारतीय प्राचीन पद्धति आयुर्वेद और योग में इसका समाधान देखा जा रहा है।गुरु शिष्य सम्बंध की विशद व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि शिष्य का धर्म होता है कि वो गुरु की निंदा न करेशिष्य सेवा क़रने वाला होना चाहिये।उसे उद्दण्ड नहीं होना चाहिये क्योंकि ऐसे शिष्य को ज्ञान देना निषेध है।जैसे अच्छे बीज को ऊसर में नहीं बोया जाता।उन्होंने कहा कि विद्या हमें विनम्र बनाती है।विद्या विवाद के लिये नहीं होती।जो विद्या पर अहंकार करता है उसका सम्मान नही होता है।उन्होंने कुलपति कुल पाठक उपाध्याय आदि के बारे में विस्तार से बताया।

पद्मश्री ब्रजेश शुक्ला ने कहा कि गुरु को ज्ञानी होना ही पर्याप्त नहीं है उसके अंदर सम्प्रेषण शक्ति का होना ज़रूरी है।ज्ञान और सम्प्रेषण का समन्वय रखने वाला गुरु श्रेष्ठ होता है।उन्होंने कहा कि हालाँकि सह शिक्षा के भी प्रमाण संस्कृत नाटकों में मिलता है।स्त्रियों को पढ़ने का बराबर अधिकर था।वैदिक काल में भी आज जैसी आधुनिकता थी परन्तु सब संस्कारों से युक्त होते थे।उन्होंने कोविड १९ की चर्चा करते हुये कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि हमें सादा भोजन करना चाहिए व्यायाम करना चाहिये।हमारे आयुर्वेद में काढ़ा और विभिन्न औषधियों के बारे में बताया गया है।

प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते कहा कि संस्कृत और गुरुकुल भारत की प्राचीन संस्कृति का हिस्सा है।संस्कृत हमें विषमताओं में भी मार्ग निकालना सिखाती है।आज देश और दुनिया हमारी संस्कृति की ओर निहार रही है।उन्होंने अतिथियों का स्वागत किया तथा आयोजन समिति और संस्कृत विभाग को ऐसे विषय पर गोष्ठी कराने के लिये बधाई दी।

विशिष्ट अतिथि डाक्टर चंद्रकांत दत्त शुक्ला ने धर्म अर्थ काम और मोक्ष की चर्चा करते हुये कहा किये श्रेष्ठ जीवन का तत्व हैं।उन्होंने संस्कृत और संस्कृति की विस्तार से चर्चा की तथा दोनो के अंतर को स्पष्ट किया।उन्होंने कहा कि जिसने संस्कृत और संस्कृति में समन्वय कर लिया वास्तव में उसने ही जीना सीख लिया और ऐसे लोग कोविड जैसी बीमारियों से आसानी से निपट लेंगे।उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति प्रकृति का संरक्षण ही नहीं उसके पूजन के लिये प्रेरित करती है।उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर होने का भाव भी संस्कृत से निकलता है।

कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय की संस्कृत विभागाध्यक्ष डाक्टर ऊषा मिश्रा ने किया उन्होंने मुख्य वक्ता तथा विशिष्ट वक्ता के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा आज की गोष्ठी की प्रासंगिकता को स्पष्ट किया।प्रश्न मंच का संचालन संयोजक डाक्टर श्वेता भारद्वाज द्वारा अत्यन्त कुशलता पूर्वक किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ छात्रा दीक्षा बाजपेई की शिव वन्दना से हुआ।नूपुर कनौजिया ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।नूपुर कनौजिया द्वारा सुमधुर संस्कृत गीत कण्ठे कण्ठे संस्क्रतम का पाठ किया।

धन्यवाद हिंदी की विभागाध्यक्ष डाक्टर मीनाक्षी शुक्ला ने किया उन्होंने अत्यंत प्रभावी सार संक्षेप भी प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम की सार्थकता पर प्रकाश डाला।छात्रा श्यामली ने अंत में शान्ति पाठ किया।

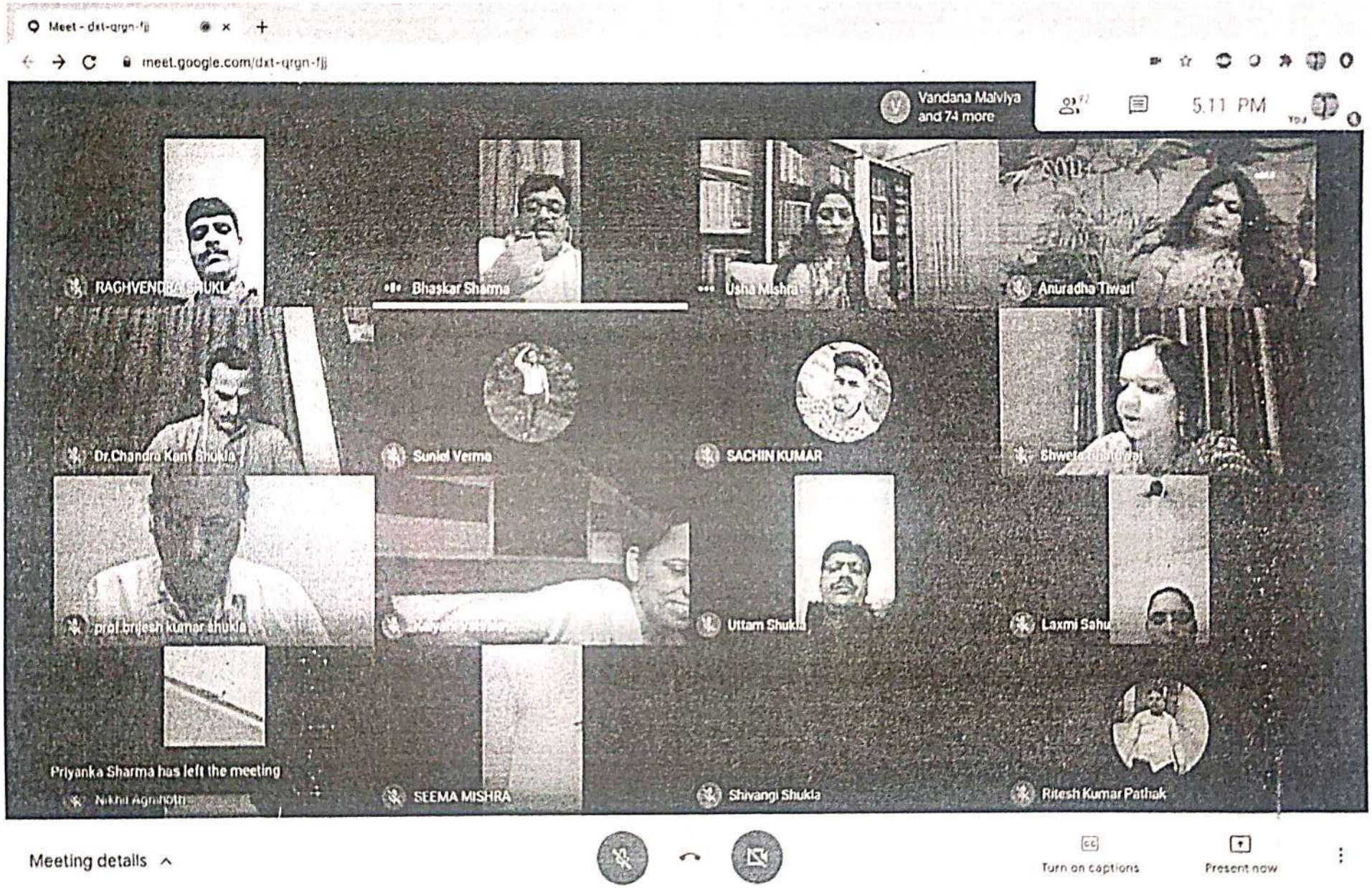
Meet - dxt-qrgn-fjj
meet.google.com/dxt-qrgn-fjj
Vandana Malviya and 74 more
5:11 PM
RAGHVENDRA SHUKL
Bhaskar Sharma
Usha Mishra
Anuradha Tiwari
Dr.Chandra Kant Shukla
Sunil Verma
SACHIN KUMAR
prof.brijesh kumar shukla
Uttam Shukla
Laxmi Sahu
Priyanka Sharma has left the meeting
Nikhil Agnihotri
SEEMA MISHRA
Shivangi Shukla
Ritesh Kumar Pathak
Meeting details
Turn on captions
Present now

'एक भारत श्रेष्ठ भारत, देखो अपना देश' की पृष्ठभूमि पर वेबिनार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, की इबीएसबी टीम द्वारा आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत, देखो अपना देश' के तहत प्रति सप्ताह आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज एक वेबीनार में

नार्थ,ईस्ट के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने लिया भाग

पूर्वांचल क्षेत्र के जनपदों के धार्मिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक तथा विभिन्न सांस्कृतिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई । इस वेबीनार में विभिन्न स्थानों से बहुसंख्यक शिक्षार्थी एशिक्षक एवं जिज्ञासु दर्शकों ने प्रतिभाग किया । युग्मित संस्था जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय, पासीघाट ,अरुणाचल प्रदेश के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया । इस वेबीनार का आयोजन जूम एप के द्वारा तथा सजीव प्रसारण यूट्यूब पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की वंदना द्वारा हुआ जिसे छात्रा संध्या शर्मा ने सुमधुर स्वर में प्रस्तुत किया । वेबीनार का उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्य प्रो अनुराधा तिवारी ने किया । उन्होंने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत , देखो अपना देश' संकल्पना की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए सम्यक विशेषण को परिभाषित किया तथा अरुणाचल प्रदेश एवं भारत की वैविध्य पूर्ण संस्कृति के प्रति अपनी विशेष रुचि एवं अनुराग को व्यक्त किया । साथ ही उन्होंने सभी गणमान्य वक्ताओं एवं अरुणाचल प्रदेश से जुड़े अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। वेबीनार की विषय वस्तु को कार्यक्रम की नोडल अधिकारी एवं कन्वीनर डॉ पूनम वर्मा ने प्रस्तुत किया। उन्होंने विविधता में एकता पर आधारित एक भारत श्रेष्ठ भारत की मूल भावना से सब को परिचित कराया।

अरुणाचल प्रदेश के जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय, पासीघाट से जुड़े जंतु विज्ञान विभाग के डॉक्टर फैंटो काडू ने वहां की जनजाति व्यवसाय एवं विशिष्ट व्यंजनों पर ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान की वरिष्ठ प्रोफेसर डॉक्टर कृष्णकला मिश्रा ने बस्ती के बारे में बताया कि यह वशिष्ठ की नगरी है। उन्होंने यहां के औद्योगिक, प्रशासनिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पौराणिक पहलुओं को छूते हुए प्रभावशाली वक्तव्य दिया।

80

नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज में आज राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।कवि सम्मेलन का शुभारम्भ प्राचार्य और संरक्षक प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने करते हुये कहा कि करोना संकट के कारण लोगों के मन में कहीं न कही दबाव है और निराशा व्याप्त हो रही है ऐसे में इस तरह के आयोजन से नई ऊर्जा का संचार होता है।उन्होंने कहा कि कविताओं से विषादों और जीवन की विषंगतीयों को दूर किया जा सकता है।उन्होंने अपनी रचना"स्वर्णमई जीवन धारा तुम जीवन तम पर छा जाना" का सस्वर पाठ किया।कवि सम्मेलन का विधिवत प्रारम्भ हरदोई की प्रसिद्ध गीतकार सोनी मिश्रा की सरस्वती वन्दना से हुआ।उन्होंनेकहा"तार वीणा के हे माँ बजा दीजिये आज की शाम को जगमगा दीजिये"। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता तथा संचालन देश के वरिष्ठ कवि साहित्यकार तथा उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के सदस्य श्री कमलेश मौर्य मृदु ने किया। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध रचनाओं का पाठ किया ख़ासकर "राम व बाबर की तुलना गुड़ गोबर की तुलना करना है" का पढ़कर खूब वाहवाही बटोरी।उन्होंने अपने विनोदपूर्ण और सधे संचालन से और आशु कविताओं से अंत तक श्रोताओं से बाँधे रखा।नवोदित कवियत्री ख़ुशबू मिश्रा ने दार्शनिक अन्दाज़ में कहा"मेघ कब तक जल कणो को बाँध खुद में रख सकायह मनुज भी काल के बांधे कभी न बंध सका" कवियत्री सोनी मिश्रा ने शृंगार से ओतप्रोत कविता"तुम्हारे दिल का जब भी प्यार बदल जाता है हमारे प्यार का संसार बदल जाता है"पढ़कर श्रोताओं का मन मोह लिया।इसके अलावा उनकी रचना"मैं कोयल जैसी चहकूँ मैं मैना जैसी बोलूँ तू फूल मेरा बन जाये मैं तितली जैसा डोलूँ" को प्रशंसा मिली। बाराबंकी के हास्य कवि संदीप अनुरागी ने अपनी हास्य क्षणिकाओं से लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी।उन्होंने पढ़ा "घातक बहुत करोना चीन का शैतान करोना"।

ओज के प्रसिद्ध हस्ताक्षर तथा राष्ट्रीय कवि संगम लखनऊ के अध्यक्ष अशोक अग्निपथी ने वीर रस की रचनाओं से जोश भर दिया।उनकी रचना "बेटियों को झाँसी वाली रानी सा बनाइये" तथा देश के दुश्मनों को ललकारती रचना"बंशी जो बजाते हैं वो चक्र भी चलाते हैं" को भरपूर तालियाँ और प्यार मिला।

शृंगार के वरेण्य कवि तथा लोकप्रिय गीतकार डाक्टर राघवेंद्र मिश्र प्रणय ने अपनी सुमधुर आवाज़ से शमा बाँध दिया। बेटियों पर उनकी रचना"सागर से मिलने की ख़ातिर नदियाँ होना पड़ता हैं जग महकाना हो तो बगिया होना पड़ता है बेटा बनकर शायद माँ के आँसू न दीखें माँ के आँसू पढ़ना हो तो बिटिया होना पड़ता है।"देश के प्रसिद्ध हास्य कवि और कई राष्ट्रीय चैनलों पर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा चुके डाक्टर कमलेश द्विवेदी ने अपने प्रसिद्ध आल्हा का पाठ किया साथ ही चर्चित रचना " मैंने कहा सलाम चच्चा चच्चा बोले राम राम बच्चा"पढ़कर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

कवि सम्मेलन के आयोजक सचिव और कवि डाक्टर भास्कर शर्मा ने वास्तविक सुंदरता और जीवन की सच्चाई पर आधारित अपनी मशहूर कविता"ये जो गाल गुलाबी हैं ढल जाएँगे" पढ़कर लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया।

कवि सम्मेलन का सधा और प्रभावी संयोजन डाक्टर रश्मि बिश्नोई ने किया।उन्होंने बताया कि कवि सम्मेलन मे प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न प्रांतों से लोग मौजूद रहे उन्होंने सबका आभार व्यक्त किया।कवि सम्मेलन की सार्थकता और प्रासंगिकता पर समन्वयक डाक्टर जय प्रकाश वर्मा ने प्रकाश डाला।

विशिष्ट अतिथी के रूप में इगनु की क्षेत्रीय निदेशक डाक्टर मनोरमा सिंह प्राचार्य गण प्रोफेसर मंजु दीक्षित प्रोफेसर भारती सिंह और प्रोफेसर सुस्मिता चंद्रा पूरे समय मौजूद रहकर सबका उत्साह वर्धन किया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत के अन्तर्गत चल रही कार्यक्रमों की श्रृंखला के क्रम में आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज तथा पासी घाट अरुणाचल प्रदेश स्थित जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय के संयुक्त तत्वधान में सांस्कृतिक साहित्यिक आदान प्रदान के अन्तर्गत वेबिनार का आयोजन किया गया।आज अवध क्षेत्र के सीतापुर लखीमपुर तथा हरदोई की सांस्कृतिक आर्थिक साहित्यिक राजनैतिक विरासत पर प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि संस्कृतियों के आदान प्रदान की ये प्रधानमंत्री की अभिनव अवधारणा है।इस प्रकार के कार्यक्रमों से एक दूसरे को समझने का अवसर मिलता है तथा प्रेमभाव भी बढ़ता है।दूसरे प्रदेशों के बारे में जो हमारी परिकल्पना है उसे मूर्त रूप मिलता है।

इस अवसर पर विशिष्ट वक्ता के रूप में हिन्दी के जाने माने विद्वान आलोचक तथा लेखक और चीन ईरान तथा आइ ए एस अकादमी मसूरी में अध्यापन कर चुके प्रोफेसर गंगा प्रसाद शर्मा ने सीतापुर तथा लखीमपुर की एतिहासिक सांस्कृतिक धार्मिक महत्व की विस्तार से और सारगर्भित चर्चा की।उन्होंने कहा कि सीतापुर में पद्मश्री महेश प्रसाद गेहरे द्वारा स्थापित आँख अस्पताल मानवता की बड़ी सेवा है।नैमिष मिश्रित आदि के पौराणिक महत्व की चर्चा करते हूये कहा कि ये कुलपतीयों तथा त्यागीयों की भूमि है।इसी भूमि पर कैप्टन मनोज पांडे जैसे लोग ने जन्म लिया जिन्होंने वीरता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने लखीमपुर के अवधी कवि वंशीधर शुक्ल की रचना का पाठ कर उनको याद किया।उन्होंने कहा कि ये धरती वैश्विक चेतना तथा वसुधेव कुटुम्बकम का उद्घोष करने वाली है।

दूसरे विशिष्ट अतिथि जाने माने कवि साहित्यकार तथा व्यंग्यकार तथा प्राचार्य श्री अरुणेश मिश्रा ने हरदोई जनपद के बारे में बताया।उन्होंने कहा कि ये संस्कारों की धरती है जो नैमिष से प्रभावित है।श्री मिश्रा ने कहा कि भगत सिंह के सहयोगी जयदेव कपूर और शिव वर्मा का जन्म हरदोई में होने के कारण ये धरा और भी पावन हो गई है।उन्होंने कहा कि आज़ादी के आन्दोलन में बिरवा की रानी विद्यवती तथा रुइया नरेश ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था। उन्होंने अपनी रचना हम इंसान हैं इसलिए परेशान चूँकि आप गिद्ध हैं इसलिये प्रसिद्ध हैं सुनाकर सबको प्रभावित किया। उन्होंने हरदोई की मुख्य फ़सल मूँगफली तथा आलू को बताया।

इस अवसर पर पर अरुणाचल प्रदेश से मौजूद श्री लेखी ने अरुणाचल प्रदेश की धार्मिक सांस्कृतिक विरासत तथा इतिहास की विशद व्याख्या की।उन्होंने कहा कि वहाँ की सभ्यता और संस्कृति पर बौद्ध धर्म की महायान शाखा का विशेष प्रभाव है। वहाँ पर सरल हिंदी का भी प्रचलन है।

कार्यक्रम की शुरुआत छात्रा संध्या शर्मा की सरस्वती वन्दना से हुआ।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश के लोक गीतों पर आधारित नृत्य का भी प्रसारण किया गया।

वेबिनार की थीम डाक्टर विनीता लाल ने प्रस्तुत की और बताया कि प्रधानमंत्री जी के स्वप्न को किस प्रकार से मूर्त रूप दिया जा रहा है।कार्यक्रम का सफल और प्रभावशाली संचालन डाक्टर पूनम वर्मा ने किया उन्होंने अतिथियों का परिचय भी कराया।डाक्टर भास्कर शर्मा ने सीतापुर और लखीमपुर की साहित्यिक विरासत को साझा किया।

धन्यवाद ज्ञापन डाक्टर अरविन्द ने किया।उन्होंने कार्यक्रम का सार संक्षेप भी अत्यन्त रोचक और प्रभावपूर्ण ढंग से किया

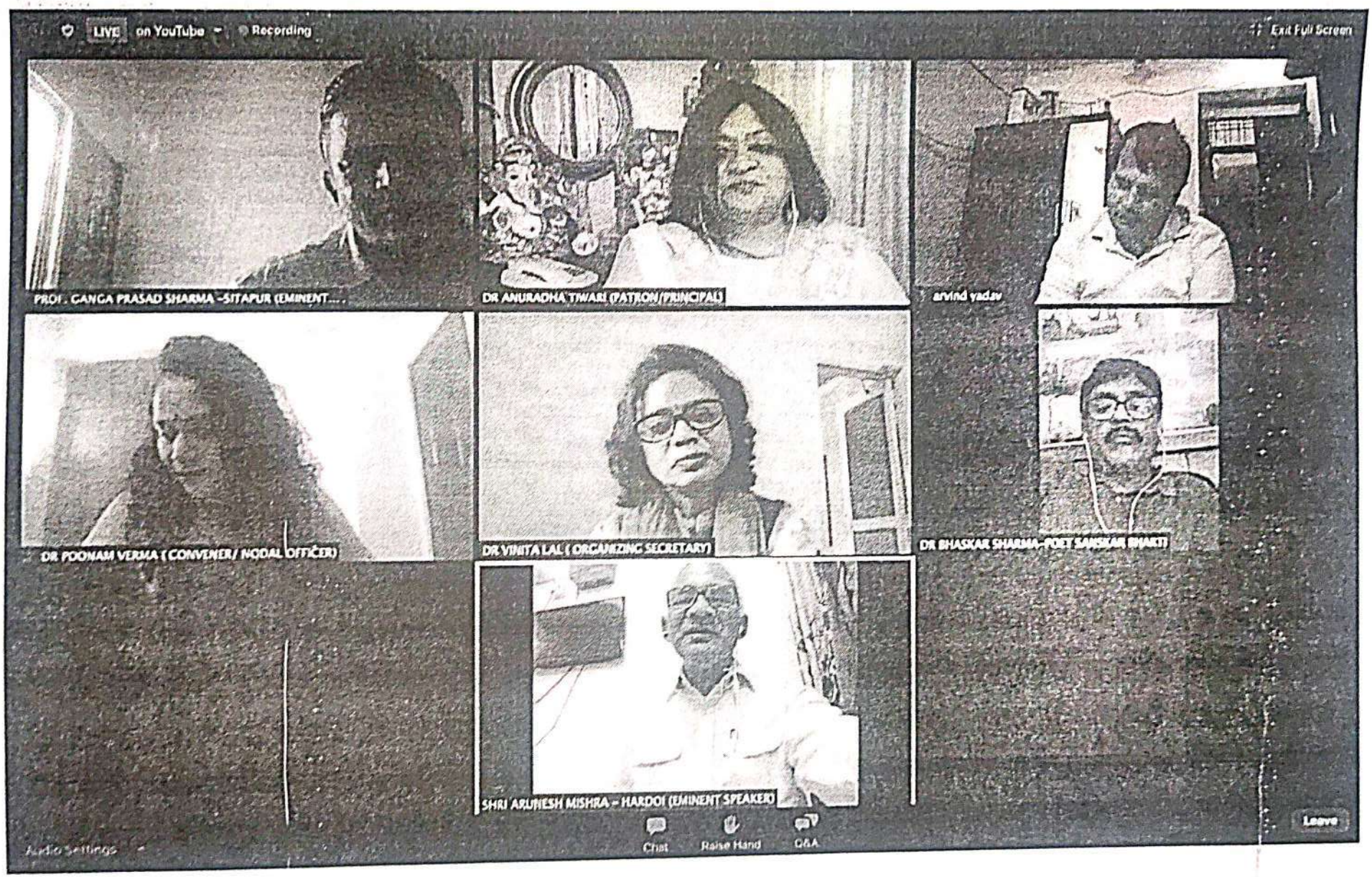
LIVE on YouTube
Recording
Exit Full Screen
PROF. GANGA PRASAD SHARMA -SITAPUR (EMINENT.....
DR ANURADHA TIWARI (PATRON/PRINCIPAL)
arvind yadav
DR POONAM VERMA (CONVENER/ NODAL OFFICER)
DR VINITA LAL (ORGANIZING SECRETARY)
DR BHASKAR SHARMA-POET SANSKAR BHARTI
SHRI ARUNESH MISHRA - HARDOI (EMINENT SPEAKER)
Audio Settings
Chat
Raise Hand
Q&A
Leave

58

देश में तीसरी बार राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो रही है।इसके पहले १९८६ में शिक्षा नीति लाई गई थी उसके बाद १९९१ में वैश्वीकरण का एक नया दौर शुरू हुआ।इसके पहले तक देश की जी डी पी में बड़ा हिस्सा कृषि क्षेत्र का था।देश बड़ी मात्रा में आयात करता था और शिक्षा के क्षेत्र में कौशल विकास की भूमिका नगण्य थी।अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० ऐसे समय आ रही है जब देश में शहरी करण का दौर है आने वाले समय में पचास प्रतिशत लोग शहरवासी हो जाएँगे।

उक्त विचार वरिष्ठ आइ ए एस अधिकारी तथा कौशल विकास विभाग के मिशन निदेशक कुणाल सिल्कु ने व्यक्त किये।वो आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज द्वारा नई शिक्षा नीति के भविष्य पर आयोजित एक वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे।नई शिक्षा नीति में कौशल विकास विषय पर अपने सारगर्भित उद्बोधन में श्री कुणाल ने कहा कि इसमें कौशल विकास बहुत प्रभावी भूमिका निभाने वाला है।अब वो समय गया जब कौशल विकास को एक अपेक्षाकृत कम शिक्षित या पढ़ाई छोड़ चुके लोगों के लिए रोज़गार का ज़रिया माना जाता था अब कौशल विकास का ग्लैमर विश्व स्तरीय होगा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में कौशल विकास को बुद्धिजीवियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ जोड़ा जा रहा है।कक्षा छः से बारह तक कम्प्यूटर कोडिंग सिखाई जायेगी।इसी के साथ अब व्यावसायिक शिक्षा को अकादमिक शिक्षा के साथ समन्वित किया जा रहा है।उन्होंने कहा केवल औपचारिक शिक्षा से काम नहीं चलने वाला।अब हमें रोज़गार तलाशने वाला नही बल्कि रोज़गार देने वाला बनना होगा।

इसके पूर्व वेबिनार का शुभारम्भ प्राचार्य तथा संरक्षक प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने किया।सूच्य है कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रोफेसर अनुराधा तिवारी को नई शिक्षा नीति लागू करने वाली सोलह सदस्यीय समिति का सदस्य बनाया गया है।सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुये उन्होंने कहा कि नई नीति में इस पर जोर दिया गया है कि शिक्षा के बाद क्या।हमें ये जानना होगा कि शिक्षा की सार्थकता क्या है।उन्होंने कहा कि विमर्श के बिन्दुओं को नई नीति में समाहित किया जा रहा है।

वेबिनार की थीम संयोजक डाक्टर श्वेता भारद्वाज ने प्रस्तुत करते हुये कहा चौंतिस सालों के बाद के कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में जो नीति बनाई गई है उस पर सम्यक् विमर्श के लिए इसका आयोजन किया गया है।उन्होंने थीम की व्याख्या करते हुये कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत रिसर्च की गुणवत्ता तथा कौशल विकास पर जोर दिया गया है।

डाक्टर राम मनोहर लोहिया अवध विवि के प्रति कुलपति प्रोफेसर एस एन शुक्ला ने मल्टी डिसप्लीनरी विषय पर अवधारणा को स्पष्ट किया।उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में हमारी गुरुकुल प्रणाली अपने आप में परिपूर्ण थी।इसी शिक्षा प्रणाली के चलते भगवान श्रीराम ने सीखा था कि बिना किसी तकनीक और सुविधा के जंगल में कैसे रहे ।उन्होंने कहा कि मैकले की बनाई शिक्षा प्रणाली ने हमारे मूल्यों को बहुत क्षति पहुँचाई।उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में नालेज और एजूकेशन में अंतर किया गया है।प्रोफेसर शुक्ला ने कहा कि नई शिक्षा नीति में प्राचीनता की सुगंध समाहित है।इसके अन्तर्गत अब विद्यार्थी कोई भी विषय पढ़ सकेगा।

दीन दयाल उपाध्याय विवि गोरखपुर के प्रोफेसर अजेय कुमार गुप्ता ने नई शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत शुरू हो रहे नये पाठ्यक्रमों की जानकारी पीपीटी के माध्यम से देते हुये कहा की अब विज्ञान वाणिज्य और कला की दीवारें रास्ता बना रही है ।अब परास्नातक के अलावा यू जी कक्षाओं में भी सी वी सी एस प्रणाली लागू होने का समय आ गया है।इसके अलावा सेल्फ़ स्टडी कोर्सेज़ को सॉफ़्ट स्किल कोर्सेज़ को विकसित किये जाने तथा इंटर्नशिप का भी समावेश किये जाने की ज़रूरत है।उन्होंने कहा कि वही कोर्स अच्छे है जो किसी देश की भविष्य की ज़रूरतों को पूरा करने की क्षमता रखते हों।उन्होंने कम्प्यूटरआधारित शिक्षा तथा आर्टिफ़िशल इंटेल्लजेसी का ज्ञान समाहित करने का आवाहन किया।

आयोजन सचिव डाक्टर जय प्रकाश वर्मा ने सभी अतिथियों का विस्तार से परिचय कराया तथा डाक्टर रश्मि अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सह संयोजक डाक्टर शालिनी श्रीवास्तव ने प्रभावपूर्ण संचालन करते हुये वेबिनार का सार प्रस्तुत किया तथा वक्ताओं और श्रोताओं के साथ सधा हुआ समन्वय स्थापित करते हुये उनके प्रश्नो को लिया तथा वक्ताओं से उत्तर प्राप्त किये। कार्यक्रम में प्रोफेसर पी सी जोशी डाक्टर रश्मि बिश्नोई डाक्टर भास्कर शर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षाविद शिक्षक शोधार्थी तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

URADHA TIWARI (PATRON)

नई शिक्षा नीति में प्रभावी भूमिका निभाएगा कौशल विकास - कुणाल सिल्कु

August 25, 2020 • वॉयस ऑफ कैपिटल डेस्क • शिक्षा

नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति के भविष्य पर आयोजित हुआ वेबिनार

लखनऊ। देश में तीसरी बार राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो रही है। इसके पहले 1986 में शिक्षा नीति लाई गई थी उसके बाद 1991 में वैश्वीकरण का एक नया दौर शुरू हुआ। इसके पहले तक देश की जीडीपी में बड़ा हिस्सा कृषि क्षेत्र का था। देश बड़ी मात्रा में आयात करता था और शिक्षा के क्षेत्र में कौशल विकास की भूमिका नगण्य थी। अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ऐसे समय आ रही है जब देश में शहरीकरण का दौर है और आने वाले समय में पचास प्रतिशत लोग शहरवासी हो जाएँगे। उक्त विचार वरिष्ठ आईएएस अधिकारी व कौशल विकास विभाग के मिशन निदेशक कुणाल सिल्कु ने व्यक्त किये।

ज्ञान को सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता : डॉ. बाजपेई

निज संवाददाता

लखनऊ। आशीर्वाद [illegible] सुभाष चंद्र बोस [illegible] महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार के मुख्य वक्ता, अर्थशास्त्री, पूर्व कुलपति एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर मध्य प्रदेश के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर आचार्य [illegible] दिवाकर नाथ वाजपेई ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत उच्च शिक्षा में व्यापक सुधारों एवं उपयोगिता पर चर्चा की। श्री वाजपेई ने स्पष्ट किया कि हमारी संस्कृति के अनुसार ज्ञान को सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का बहु विषयक उपागम इसी ओर इशारा करता है राष्ट्रीय शिक्षा नीति मनुष्य के समग्र विकास पर बल देती है और यह समग्र उपागम अपने आप में बोध, बहुविषयकता, [illegible] एकात्मता को समाहित करता है, जिसके लिए शिक्षा में शिक्षकों एवं छात्रों का समुचित [illegible] आवश्यक है इस सेमिनार के द्वितीय वक्ता एम.आर.डी.बी. [illegible] विश्वविद्यालय [illegible] के निदेशक प्रोफेसर [illegible] अध्यापक कौशल के पुनः [illegible] की संभावना पर चर्चा करते हुए कहा कि कौशल शिक्षा की आत्मा है, बिना [illegible] ज्ञान का कोई उपयोग नहीं है अतः अध्यापकीय कौशलों में समयानुसार पुनः [illegible] की अत्यंत आवश्यकता है। इस सेमिनार में [illegible] पूर्व प्राचार्य [illegible] सुभाष चंद्र बोस [illegible] महिला महाविद्यालय [illegible] लखनऊ।

श्री [illegible] कौशल विकास विभाग के [illegible] निदेशक [illegible] डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अवध विवि के कुलपति प्रोफेसर एस एन शुक्ला ने भी नई शिक्षा नीति पर अपने अपने विचार रखे। इस सेमिनार का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर अनुराधा तिवारी द्वारा किया गया जो कि शिक्षा नीति लागू करने वाली 16 सदस्य परिकल्पना समिति की सदस्य भी हैं सभी वक्ताओं का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका रखती है जिसके लिए हम सभी को अपनी [illegible] भूमिका का निर्वहन करना होगा इस सेमिनार में [illegible] श्रीवास्तव, डॉ. जय प्रकाश वर्मा, डॉ. [illegible] अग्रवाल के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों सहित देश के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में शिक्षाविद, शिक्षक, शोधार्थी उपस्थित रहे।

93

NSS Unit, Indira Gandhi National Open University (IGNOU)

ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY

Regional Centre, Lucknow

in Collaboration with

NSS Unit, Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Girls P.G. College, Aliganj, Lucknow

Cordially invites you to join National Workshop on

'Role of Yog and Music in Transforming Life'

Sunday June 21, 2020 at 12:30 PM on Google Meet App

Chief Patron
Prof. Vandana Sharma
Director
Dept. of Higher Education (U.P.)

Patron
Dr Manorama Singh
Regional Director,
IGNOU RC Lucknow

Chairperson
Prof. Anuradha Tiwari
Principal,
NSCB Govt. Girls PG College
Lucknow

Convener
Dr Kirti Vikram Singh
Assistant Regional Director
IGNOU RC Lucknow

Co- Convener
Dr. Vishakha Kamal
Assistant Professor and
Programme Officer
NSS, NSCB Govt. Girls
PG College, Lucknow

Organizing Secretary
Jai Prakash Verma
Assistant Professor and
Programme Officer
NSS,NSCB Govt.
Girls PG College Lucknow

Keynote Speaker
Prof. V. K. Pandey
(President of India Awardee)
Prof. and Head, Sanskrit
Vidya Dharm Sankaya, BHU Varanasi

Distinguished Speaker
Dr. Anshumali Sharma
OSD/SLO
National Service Scheme
Uttar Pradesh

Invited Speakers & Performers

Dr. H. C. Paliwal
Tabla Performance

Shri Alok Kumar
Vocal Performance

Shri Piyush Mishra
Violin

Smt. Kusum Verma
Awadhi Folk Singer

Rapporteur
Dr. Bhaskar Sharma
Poet-Sanskar Bharti

Register HERE

Meet

Click Here for Certificate Download

सार्थक और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीना एक कला है।मनुष्य का जीवन मिलना अत्यंत सौभाग्य की बात होती है।हमारे जीवन में सकारात्मकता तथा सात्विकता होनी चाहिये।हम सिर्फ़ अपने लिये ही नहीं बल्कि राष्ट्र और समाज के लिये जियें तभी हमारा जीवन सफल होगा। आज जीवन कौशल पर आधारित एक राष्ट्रीय वेबिनार का विषय प्रवर्तन करते हुये इग्नु क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के सहायक निदेशक तथा गोष्ठी के संयोजक डाक्टर कीर्ति विक्रम सिंह ने व्यक्त किये।गोष्ठी का आयोजन इग्नु क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में मौजूद लोक एवँ जनजातीय कला एवँ संस्कृति संस्थान उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष तथा पूर्व भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी श्री चंद्रराम ने कहा की भारतीय जीवन मूल्यों को आज विश्वव्यापी पहचान मिली है।उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन प्रकृति का अनुपम उपहार है।इसको सदुपयोग नहीं करना चाहिए।श्री चंद्रराम ने ऐसे अभिनव विषय पर गोष्ठी के आयोजन के लिये आयोजकों को बधाई दी।

मुख्य अतिथि तथा प्रमुख वक्ता के रूप में राजा राममोहन राय लाईब्रेरी फ़ाउंडेशन, पश्चिम बंगाल संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के महानिदेशक डा. अजय प्रताप सिंह ने आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि आज बहुत से लोग अवसाद तथा अन्य परेशानियों से जूझ रहे हैं ऐसे में जीवन कौशल के विषय में ज्ञान होना बहुत ही आवश्यक है उन्होंने यह भी कहा कि अच्छी पुस्तकें युवाओं की सच्ची मार्गदर्शक हैं।डा. सिंह ने कहा कि संस्कृति मंत्रालय भारतीय संस्कृति एवँ लोक कलाओं के संरक्षण एवं समवर्धन के लिए सतत प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में इग्नु द्वारा उठाये गये कदम सराहनीय हैं।

विशिष्ठ अतिथि रीड इंडिया की कंट्री हेड डा. गीता मल्होत्रा ने अपने फाउंडेशन द्वारा युवाओं के लिए किए जा रहे कार्यों के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हमें कभी नकारात्मक विचारों को अपने जीवन में स्थान नहीं देना चाहिये। वेबिनार में विशिष्ठ अतिथि यू पी कराटे के जनरल सेक्रेटरी श्री जसपाल सिंह ने व्यक्तित्व निर्माण में खेलों के महत्व को रेखांकित किया तथा ट्रांसफ़ारमेशनल कोच योगेश वर्मा ने जीवन कौशल की तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया और युवाओं को उन तकनीकों को अपने जीवन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की संरक्षक तथा प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि जीवन का कौशलपूर्ण होना ही जीवन की सफलता है।

इग्नु की क्षेत्रीय निदेशक तथा गोष्ठी की संरक्षक डाक्टर मनोरमा सिंह ने कहा कि भारतीय जीवन मूल्यों में आध्यतम का विशेष स्थान है।आध्यतम हमारे व्यक्तिव को गढ़ता है।हमें बुराइयों से बचाता है। उन्होंने सभी अतिथियों का परिचय देते हूये सबका स्वागत किया।

स्वामी सुखदेवनंद कालेज शाहजहाँपुर के इग्नु के समन्वयक डाक्टर प्रभात शुक्ला ने गोष्ठी की थीम प्रस्तुत करते हुये उसके औचित्य पर प्रकाश डाला। संस्कार भारती से जुड़े कवि तथा इग्नु के कौंसेलर डाक्टर भास्कर शर्मा ने सम सामयिक कविता का पाठ किया।

पचपेडवा बलरामपुर स्थित दीन दयाल शोध संस्थान के इग्नु समन्वयक श्री राम कृपाल शुक्ला ने गोष्ठी का सार संक्षेप प्रस्तुत किया। डॉ करुणेश तिवारी ने अपने उद्बोधन में कोविड-19 पांडेमिक के दौरान जीवन कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस कालेज अलीगंज इग्नु के समन्वयक डाक्टर जय प्रकाश वर्मा ने कहा कि आज की भागमभाग जिंदगी में इंसान के जीवन में कहीं न कहीं सूनापन है ऐसे आयोजनो से जीवन के प्रति प्रेम उत्पन्न होता है तथा राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारीयों का अहसास भी होता है।उन्होंने सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

(97)

NSS Unit, Indira Gandhi National Open University (IGNOU)

Regional Centre, Lucknow

in Collaboration with

NSS Unit, Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Girls P.G. College, Aliganj, Lucknow

Cordially invites you to join National Workshop on

'Role of Yog and Music in Transforming Life'

Sunday June 21, 2020 at 12:30 PM on Google Meet App

Chief Patron
Prof. Vandana Sharma
Director
Dept. of Higher Education (U.P.)

Patron
Dr Manorama Singh
Regional Director,
IGNOU RC Lucknow

Chairperson
Prof. Anuradha Tiwari
Principal,
NSCB Govt. Girls PG College
Lucknow

Convener
Dr Kirti Vikram Singh
Assistant Regional Director
IGNOU RC Lucknow

Co- Convener
Dr. Vishakha Kamal
Assistant Professor and
Programme Officer
NSS, NSCB Govt. Girls
PG College, Lucknow

Organizing Secretary
Jai Prakash Verma
Assistant Professor and
Programme Officer
NSS,NSCB Govt.
Girls PG College Lucknow

Keynote Speaker
Prof. V. K. Pandey
(President of India Awardee)
Prof. and Head, Sanskrit
Vidya Dharm Sankaya, BHU Varanasi

Distinguished Speaker
Dr. Anshumali Sharma
OSD/SLO
National Service Scheme
Uttar Pradesh

Invited Speakers & Performers

Dr. H. C. Paliwal
Tabla Performance

Shri Alok Kumar
Vocal Performance

Shri Piyush Mishra
Violin

Smt. Kusum Verma
Awadhi Folk Singer

Rapporteur
Dr. Bhaskar Sharma
Poet-Sanskar Bharti

Register HERE

Meet

Click Here for Certificate Download

Netaji Subhash Chandra Bose Government Girls P.G. College
Aliganj, Lucknow

Cordially invites you to join

Parent -Teacher Meet : 2019-20

Organized by

NSCB Parent-Teacher Association Committee

Sunday June 14, 2020 at 3:30 PM on

GOOGLE MEET

Jai Prakash Verma
Incharge, PTA

Prof. Anuradha Tiwari
Principal

Members of Parent-Teacher Association Committee

Dr. Sharad Ku. Vaish
Associate Professor
Dept. of Physics

Dr. Kranti Singh
Assistant Professor
Dept. of Commerce

Dr. Raghvendra Pratap
Assistant Professor
Dept. of Botany

Dr. Sapna Jaiswal
Assistant Professor
Dept. of AIH

Dr. Usha Mishra
Assistant Professor
Dept. of Sanskrit

Click here for Parent/Guardian Feedback Form

Click here to join on Google Meet

Click here for LIVE on YouTube

Netaji Subhash Chandra Bose Government Girls P.G. College
Aliganj, Lucknow

Cordially invites you to join workshop on

Skill Development and Employment Opportunities

Organized by

NSCB Placement Cell

Keynote Speaker

Shri Kunal Silku (IAS)

Mission Director, U.P. Skill Development Mission

Distinguished Speaker

Shri V.P. Srivastava

AGM (Retd.) State Bank of India

Patron

Prof. Anuradha Tiwari

Principal

Organizing Committee

Jai Prakash Verma (Incharge Placement Cell)

Dr. Vinita Lal

Dr. Kranti Singh

Dr. Bhaskar Sharma

Date & Time

Friday May 22, 2020 at 3:30 P.M. on ZOOM

Click here for Registration

Click here for YouTube link

Workshop will also be available on YouTube Channel

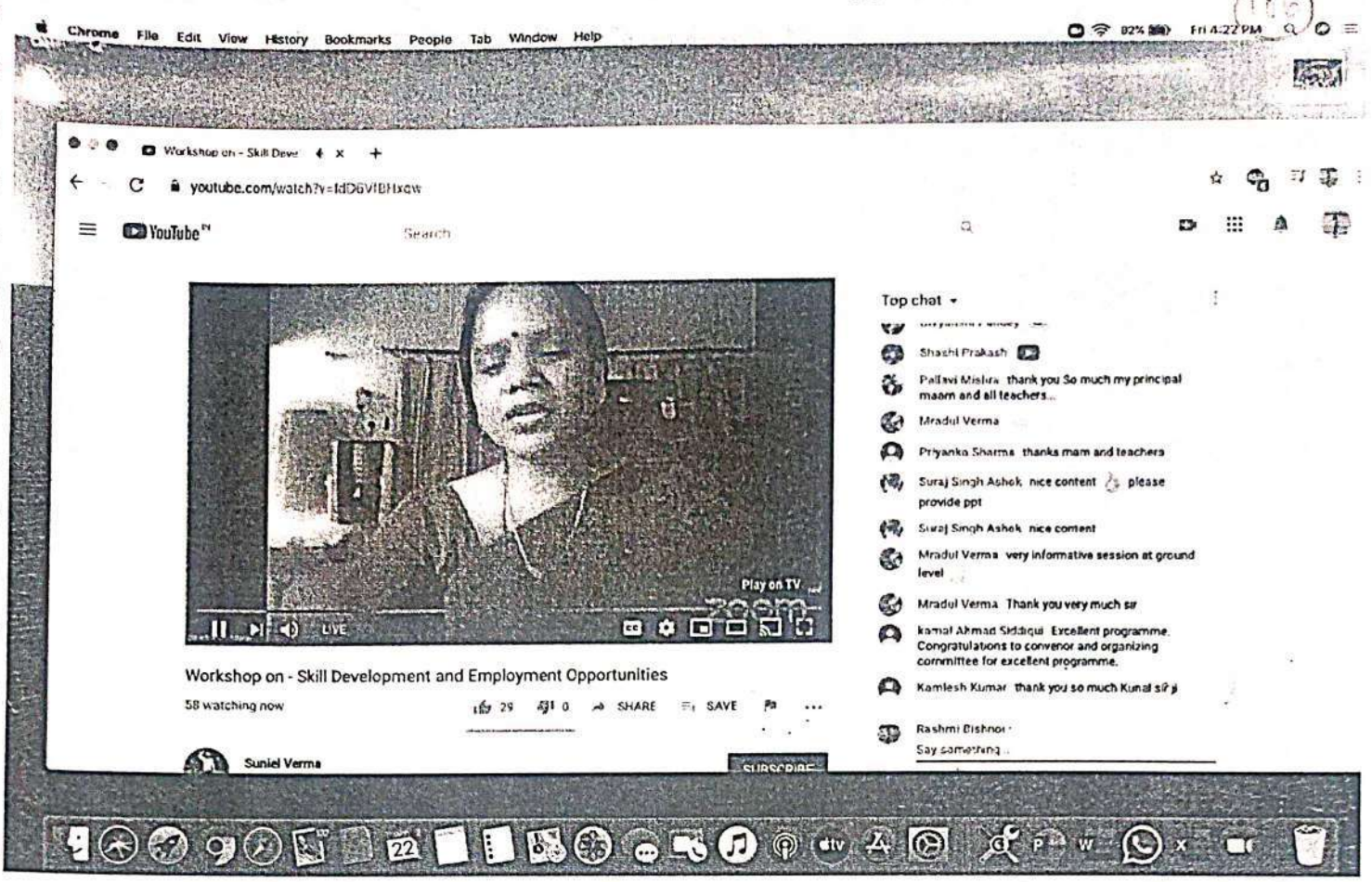

(106)

Chrome File Edit View History Bookmarks People Tab Window Help
Workshop on - Skill Deve
youtube.com/watch?v=IdD6VIBHxqw
YouTube
Search
Top chat
Shashi Prakash
Pallavi Mishra thank you So much my principal maam and all teachers...
Mradul Verma
Priyanka Sharma thanks mam and teachers
Suraj Singh Ashok nice content please provide ppt
Suraj Singh Ashok nice content
Mradul Verma very informative session at ground level
Mradul Verma Thank you very much sir
kamal Ahmad Siddiqui Excellent programme. Congratulations to convenor and organizing committee for excellent programme.
Kamlesh Kumar thank you so much Kunal sir
Rashmi Bishnoi
Say something...
Play on TV
LIVE
Workshop on - Skill Development and Employment Opportunities
58 watching now
29
0
SHARE
SAVE
Suniel Verma

Netaji Subhash Chandra Bose Government Girls P.G. College
Aliganj, Lucknow

(107)

Cordially invites you to-

Alumni Meet 2019-20

Organized by

NSCB Alumni Committee

on

Sunday May 24, 2020 at 12:00 Noon onwards

on ZOOM

Dr. Rashmi Bishnoi
Incharge Alumni Committee

Prof. Anuradha Tiwari
Principal/ Patron

Distinguished Guests

Prof. Susmita Chandra
Retd. Principal
Govt. Degree College, Mahona
Lucknow

Prof. Manju Dikshit
Principal
MBP Govt. P.G. College, Aashiyana
Lucknow

Prof. Bharti Singh
Principal
Govt. Degree College, Mahona
Lucknow

Dr. Seema Singh
Associate Professor, Sociology
Govt. P.G. College, Mahmoodabad
Sitapur

Alumni Committee

Dr. Shivani Srivastava
Dr. Pushpa Yadav
Dr. Vinita Lal
Dr. Kranti Singh
Dr. Raghvendra Pratap Narayan
Dr. Shweta Bhardwaj
Dr. Sapna Jaiswal

Click Here for Registration only Alumni Student

(110)

जूम ऐप के माध्यम से भूतपूर्व छात्राओं का सम्मेलन संपन्न

सीतापुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज में आज भूतपूर्व छात्राओं का सम्मेलन जूम ऐप के माध्यम से आयोजित किया गया इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी के अलावा महाराजा बिजली पासी राजकीय पी जी कालेज की प्राचार्य प्रोफेसर मंजु दीक्षित, महामाया राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर भारती सिंह राजकीय महाविद्यालय गुसाईं खेड़ा की प्राचार्य डॉक्टर दीप्ति खरे राजकीय महाविद्यालय महमूदाबाद की पूर्व प्राचार्य डॉक्टर सीमा सिंह सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रोफेसर सुस्मिता चन्द्रा विशेष तौर पर मौजूद रहीं। मुख्य है ये सभी इस महाविद्यालय में कभी न कभी अध्यापन कर चुकी हैं। पूर्व छात्रा परिषद की प्रभारी डॉक्टर रश्मि बिश्नोई के कुशल संचालन में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में अध्ययन रत रही बड़ी संख्या में छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का स्वरूप इतने व्यवस्थित ढंग से किया गया कि लगा ही नहीं कि कार्यक्रम ऑनलाइन हो रहा है। सरस्वती वंदना से शुरू हुए सम्मेलन में छात्राओं द्वारा कालेज का कुलगीत भी मनोहारी तरीके से प्रस्तुत किया गया। पुरातन छात्रा परिषद के सदस्यों डॉक्टर विनीता लाल डॉक्टर पुष्पा यादव डॉक्टर शिवानी श्रीवास्तव डॉक्टर राघवेन्द्र नारायण डॉक्टर प्रेमा भारद्वाज डॉक्टर क्रान्ति सिंह डाक्टर सरला आफताब ने एक एक कर सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यक्रमों का संचालन किया। डॉक्टर राघवेन्द्र ने पुरातन छात्राओं की मनोनीत समिति की घोषणा की तथा मनोनीत पदाधिकारियों का परिचय कराया। वर्तमान सत्र के लिए पूर्व छात्रा खुशबू मिश्रा को अध्यक्ष सोनम वर्मा को सचिव तथा नेहा सिंह को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया जबकि श्रुति मिश्रा अंजलि सिंह कनक मिश्रा वर्तिका एवं

निधि मिश्रा को सदस्य बनाया गया। इन पदाधिकारियों ने एक स्वर से कहा कि जो भी संभव होगा कालेज के लिए उसे अवश्य करेंगी। डाक्टर विनीता लाल की देखरेख में छात्राओं ने अनेक मनोहारी कविताओं तथा गीतों का वाचन किया जबकि डाक्टर पुष्पा यादव ने विभिन्न सेवाओं में कार्यरत डाक्टर प्रीति अग्रवाल प्रतीक्षा मिश्रा चविता शर्मा कविता भारती काजल तिवारी मालविका बाजपेई के बारे में बताया। इनमें से सभी ने कालेज के अपने अनुभवों को साझा किया। समिति की वरिष्ठ सदस्य डाक्टर शिवानी श्रीवास्तव ने आभार ज्ञापित करते हुये कहा की स्थितियाँ सामान्य होने पर इसका विस्तृत आयोजन किया जायेगा। डाक्टर मंजु दीक्षित भारती सिंह सीमा सिंह सुस्मिता चंद्रा ने कालेज के प्रति अपने अनुराग को बताते हुये माहौल को भावुक कर दिया। डाक्टर भास्कर शर्मा ने करोना पर लिखी अपनी चर्चित रचना का पाठ किया। पूर्व छात्रा नुसरत स्वाति सिंह राजश्री आदि ने भी अपनी भावनाएँ व्यक्त की। प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया तथा भव्य आयोजन के लिये समिति की पीठ थपथपाई।

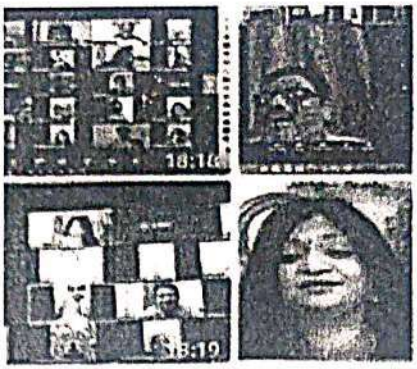

NETAJI SUBHASH CHANDRA BOSE GIRLS POST GRADUATE COLLEGE, ALIGANJ, LUCKNOW,

UTTAR PRADESH.

Accredited grade 'B' by NAAC

REPORT

LIVE COLLOQUIUM

ON

"VOCAL FOR LOCAL": ISSUES AND CHALLENGES

9 June 2020 at 10 a.m.

Introduction.

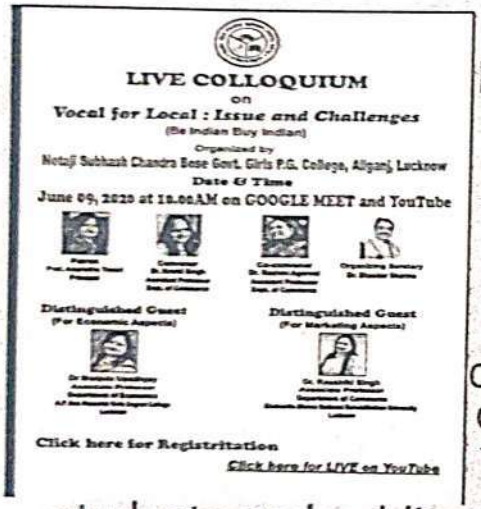

Honorable prime Minister Mr Narendra modi has asked the people of the country to concentrate more on using product that are made in India. But most of us do not do that people try to buy more foreign products and depend on brands for their status symbol. So, the commerce department organise this colloquium to focus on the methods to aware "Vocal for Local"aware the students and public about the various plans declared by the government to Indian goods"Local for Global" .

Programme Schedule
for
LIVE COLLOQUIUM for "Vocal for Local : Issues and Challenges"
Date and Time June 09,2020 at 10.00 AM

Time	Topic Name	Speaker Name
10.00 to 10.10 AM	Introduction to Colloquium	Dr. Kranti Singh- Convener
10.10 to 10.20 AM	Welcome Address	Dr. Bhaskar Sharma- Organizing Secretary
10.20 to 11.00AM	Economics Aspects of "Vocal for Local"	Dr. Manjula Upadhyay- Distingushed Speaker
11.00 to 11.40AM	Marketing Aspects of "Vocal for Local"	Dr. Kaushiki Singh-Eminent Speaker
11.40 to 12.00 AM	Question & Answer Session	Dr. Rashmi Agarwal- Co-convener
12.00 to 12.15 AM	Conclusion of Colloquium and Vote of Thanks	Prof. Anuradha Tiwari- Patron/Principal

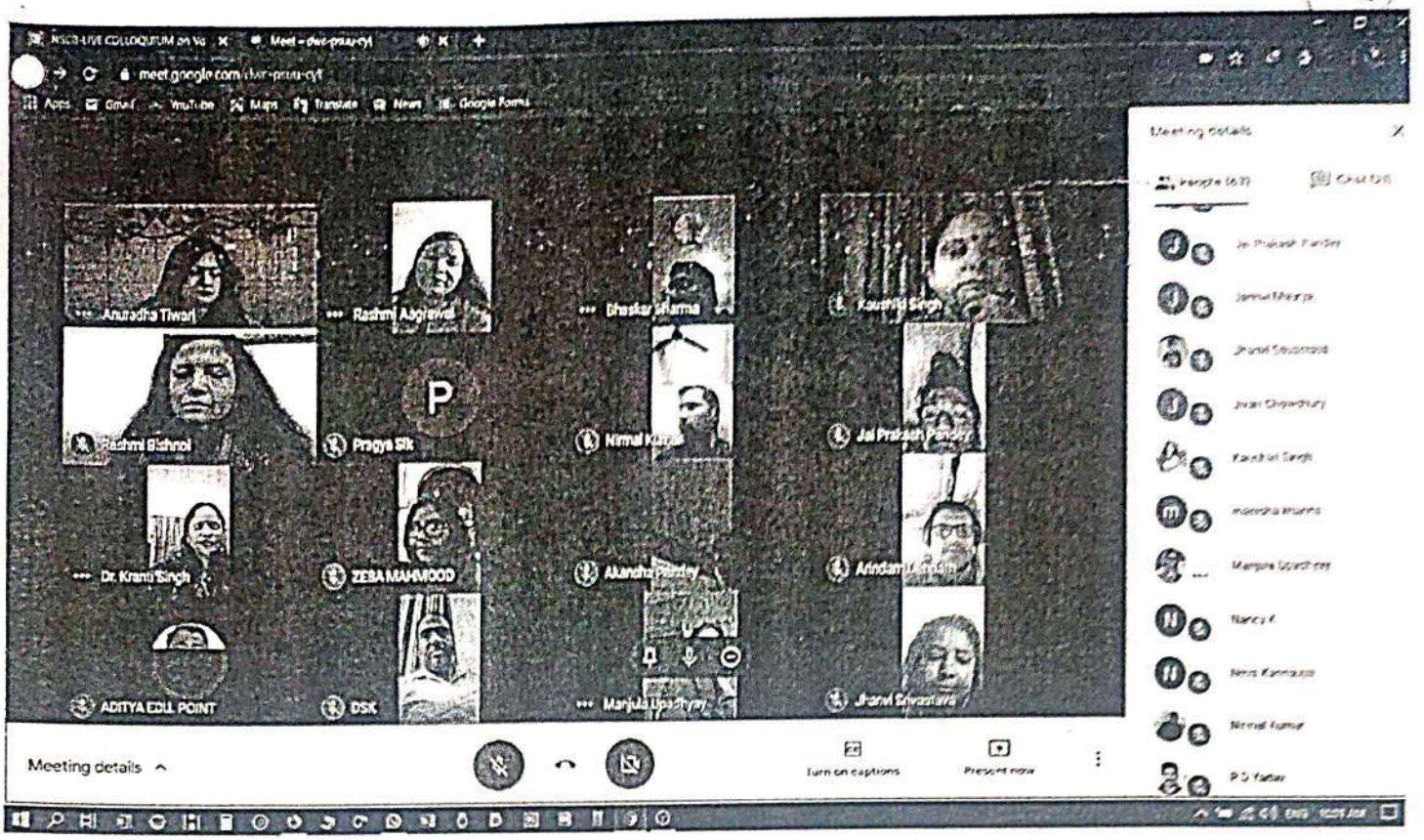

(116)

meet.google.com/dwc-psuu-cyt
Anuradha Tiwari
Rashmi Aagrawal
Bhaskar Sharma
Kaushiki Singh
Rashmi Bishnoi
Pragya Sik
Nirmal Kumar
Jai Prakash Pandey
Dr. Kranti Singh
ZEBA MAHMOOD
Akansha Pandey
Arindam
ADITYA EDU. POINT
DSK
Manjula Upadhyay
Jhanvi Srivastava
Meeting details
Turn on captions
Present now
P S Yadav

(117)

1:07 0.50 KB/s ... 72

Voice of capital

ALL देश/ विदेश कोरोना बुलेटिन राजनीति

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय में सात दिवसीय संकाय संवर्धन कार्यक्रम शुरू

June 23, 2020 • वॉयस ऑफ कैपिटल ब्यूरो • शिक्षा

लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ के तत्वावधान में सात दिवसीय संकाय संवर्धन कार्यक्रम (एफडीपी) का शुभारंभ मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि मौजूद अध्यक्ष प्रो. अनुराधा तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें विभिन्न राज्यों के फैकल्टी एवं शोध छात्र-छात्राओं के साथ-साथ विदेशों से भी प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

120

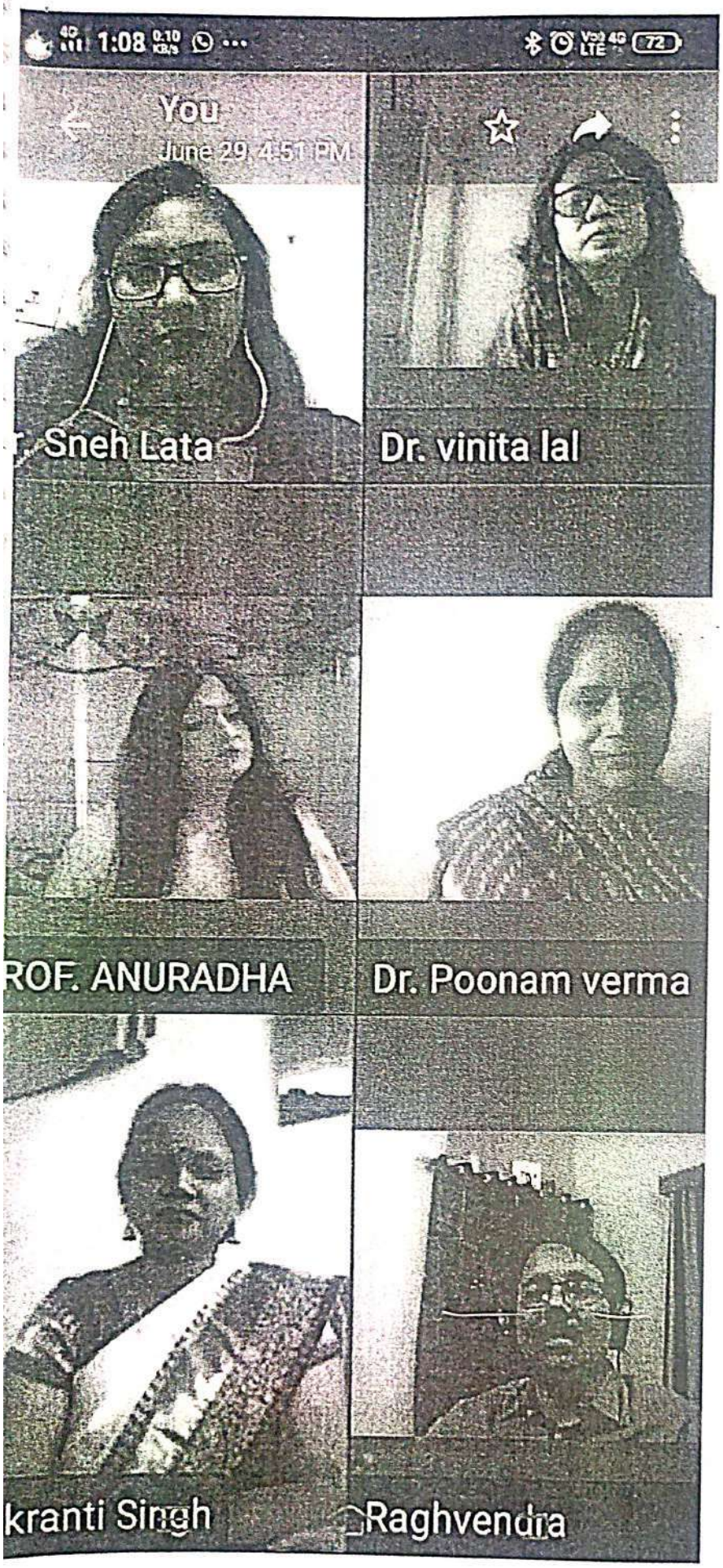
1:08
You
June 29, 4:51 PM
Sneh Lata
Dr. vinita lal
ROF. ANURADHA
Dr. Poonam verma
kranti Singh
Raghvendra

(121)

Three Day Online Workshop

Organized by

Department of Commerce

Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Girls P.G. College, Aliganj, Lucknow

on

Career options in Khadi & Village Industries Board

Patron
Dr. Vandana Sharma
Director
Dept. of Higher Education (U.P.)

Chief Guest
Valedictory Session
Prof. Mahrukh Mirza
Vice Chancellor
Khwaja Moinuddin Chishti Urdu,
Arabi-Farsi University, Lucknow

Principal
Dr. Anuradha Tiwari

Convenor
Dr. Kranti Singh
Assistant Professor
Dept. of Commerce

Co-convenor
Dr. Rashmi Agrawal
Assistant Professor
Dept. of Commerce

Organizing Secretary
Dr. Bhaskar Sharma

Distinguished Guest

Date & Time

11.7.2020
4.00 PM

Mrs. Tanuja
Principal
Regional Village Industries
Training Center, Lucknow
Topic : Training and Career
options in Khadi and Village Industry

12.7.2020
4.00 PM

Mrs. Anjali Singh
Women Entrepreneur
Topic : Development of
Entrepreneurship through
MSME

13.7.2020
11.00 AM

Mr. L.K. Nag
District Village Industry Officer
Topic : Financing for
Village Industry

CLICK HERE TO REGISTER

Click to Join on Google Meet-

122

12:43

Voice of capital

ALL देश/ विदेश कोरोना बुलेटिन राजनीति

वोकल फ़ार लोकल देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम - प्रो. माहरूख मिर्ज़ा

July 13, 2020 • वॉयस ऑफ कैपिटल ब्यूरो • शिक्षा

नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला सम्पन्न

लखनऊ। मानवता से बड़ा कोई मज़हब नही होता। हम कितना ही धन वैभव और सम्पन्नता कमा लें लेकिन हमारे सत्कर्म ही हमारे साथ जाते हैं। आज दुनिया में वर्चस्व की लड़ाई हो रही, सोने के ग्रह खोजे जा रहे हैं, चाँद पर क़ब्ज़ा क़रने की कोशिशें हो रही है। लेकिन कुदरत जब अपना रूप दिखाती है तो अदने सा कोरोना और टिड्डी हमको हमारी हैसियत बता देता है। भारत आध्यतम और पुण्य भूमि रही है। हमेशा दुनिया को शांति और सद्भाव का रास्ता दिखाया है, लिहाज़ा आज भी भारत की बड़ी ज़िम्मेदारी है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला के समापन अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता मोजूद ख़्वाजा मोईनद्दीन चिशती उर्दू अरबी फ़ारसी विवि के कुलपति प्रो. माहरूख मिर्ज़ा ने उक्त विचार व्यक्त किये।

Repeat action to force zoom webpage

125

12:43

Voice of capital

ALL देश/ विदेश कोरोना बुलेटिन राजनीति

"खादी एवँ ग्रामोद्योग में रोज़गार की सम्भावनाएँ" विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला में प्रो. मिर्ज़ा ने कहाकि सरकार की एक जनपद एक उत्पाद और वोकल फ़ार लोकल देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। हमें अपने उत्पादों को विश्व स्तरीय बनाना होगा। चीन की चर्चा करते हुये उन्होंने कहाकि चीन बड़ा चालाक देश है अपने उत्पाद हमारे यहाँ आसानी से बेच जाता है और हमारे उत्पादों के लिये कड़े क़ानून बनाते है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुये उन्होंने कहाकि पीएम के लद्दाख दौरे से चीन अपनी हैसियत में आ गया और पीछे हटने को मजबूर हुआ।

इसके पहले जिला ग्रामोद्योग अधिकारी लक्ष्मी कांत नाग ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुये प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन योजना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहाकि इसके अन्तर्गत आसानी से पच्चीस लाख का कर्ज लेकर स्वरोज़गार शुरू कर सकते है। इसके लिये सारी औपचारिकताओ को उन्होंने समझाया। उन्होंने कहाकि अठारह वर्ष का कोई भी स्त्री पुरुष शहर अथवा ग्रामीण क्षेत्र का इसका लाभ उठा सकता है। इसके अलावा मख्यमंत्री रोजगार योजना, माटी कला

(127)

Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Girls P.G. College, Aliganj, Lucknow

Online Extension Lecture
on
Financial Literacy

Organized by
Department of Commerce

Date: 31 August, 2020 at 12.00 PM

Organiser
Dr. Kranti Singh

Patron/Principal
Prof. (Dr.) Anuradha Tiwari

Speaker
Shri Ramjanam Vishwakarma
Financial Education Consultant
(FEC), ICICI
Foundation for Inclusive Grouth

Topic Cover-

1. Mobile Banking V/s Mobile Wallet.
2. NEFT V/s ETGS.
3. Rupay Cards V/s Master Card/VISA Card
4. Life and Wealth Insurance
5. Need for Banking
6. Social Security Schemes
7. Shares/Mutual Funds
8. CIBIL
9. Types of Bank Accounts
10. Awareness on Frauds
11. Mudra Yojna
12. Education Loan
13. NPA
14. MSME

Click to Join on Google Meet-

128

12:45

Janmat Times

शिक्षक अभिभावक मिलन का आन लाइन अनूठा और अभिनव प्रयोग हुआ संपन्न

July 29, 2020

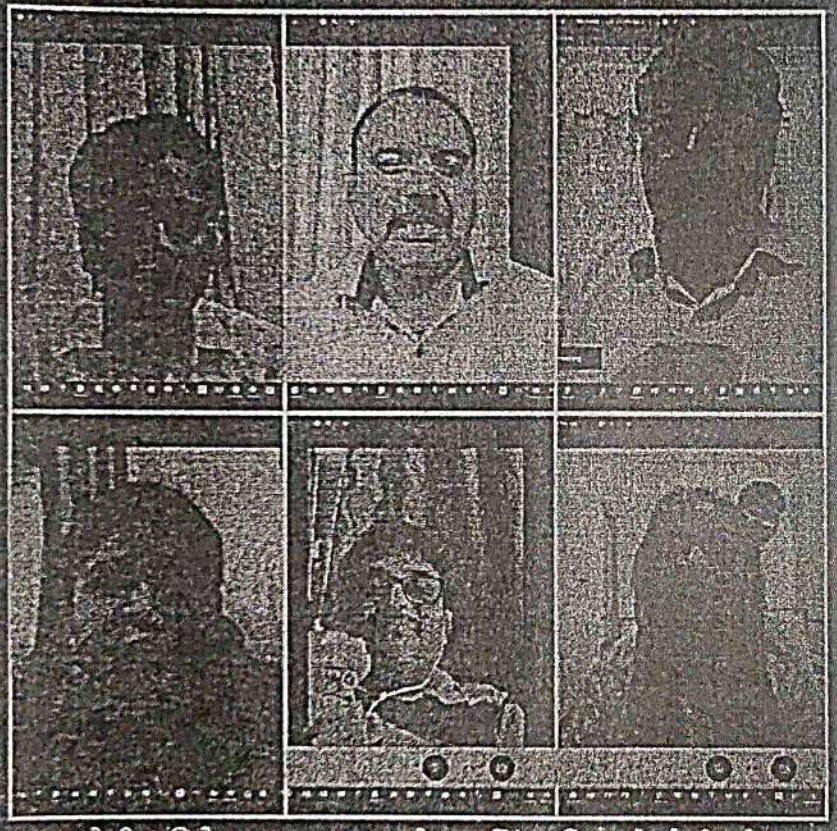

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विवि क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारा शिक्षक अभिभावक मिलन का आन लाइन अनूठा और अभिनव प्रयोग किया

गया।क्षेत्रीय निदेशक डाक्टर मनोरमा सिंह की नवोन्मेषी सोच तथा नई पहल करने में अग्रणी रहने वाले सहायक निदेशक डाक्टर कीर्ति विक्रम सिंह ने इस सोच को अमली जामा पहनाया।इस अवसर पर इग्नु के माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रमों शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों के अभिभावकों से शिक्षकों का

अधिकारी एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

की उपलब्धियों भी सोशल मीडिया पर ST में।

औजारों/उपकरणों को विशेष रूप से

पर्यावरण विकास एवं जीवन की गुणवत्ता विषयक राष्ट्रीय ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन

सीतापुर। पर्यावरण विकास एवं जीवन की गुणवत्ता विषयक एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन आज नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज तथा इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में गूगल मीट के माध्यम से सम्पन्न हुआ। इस सामयिक एवम् सारगर्भित इस ऑनलाइन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में धन्य नीव बोर्ड के सदस्य डाक्टर अनूप कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण कितना अहम विषय है ये बात अब लोगों को समझ में आ गई है। उन्होंने कहा कि केवल आर्थिक विकास को ही पूर्ण विकास माना जाना उचित नहीं है। श्री सिंह ने कहा कि आर्थिक विकास को ही विकास माना जाना आयातित विचारधारा है जिसमें जी एन पी या जी डी पी बढ़ना ही विकास मान लिया गया। प्रकृति को नियंत्रित करने की कोशिश की गई। उन्होंने चिपको आंदोलन का उदाहरण देते हुये कहा कि प्रकृति के साथ जुड़ना ही विकास है। अगर आर्थिक विकास हो और मानव जीवन की गुणवत्ता में विकास न हो तो ऐसा विकास बेमानी है। विकास का पश्चिमी मॉडल भारत में प्रयोग नहीं हो सकता इससे केवल विषमता बढ़ेगी, भारतीय संस्कृति देने की है लेने की नहीं यही हमारा मूल अंतर है पाश्चात्य के विकास से। कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ जानी मानी लोक गायिका कुसुम वर्मा के एक गीत के माध्यम से हुआ। उन्होंने झनाँदिया हमारे गाँव आना मर्यादा हमें दे जानक गीत सुनाकर मौजूद लोगों का मनोरंजन किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डाक्टर सुमित कुमार मिश्र ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षित होगा तभी मानवता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक औषधीय पौधे लगाये जाने की जरूरत है। डाक्टर मिश्र ने कहा कि विज्ञान का मूलभूत उद्देश्य इंसानियत की सेवा करना है उसे दुष्कर बनाना नहीं। उन्होंने पर्यावरण के वैज्ञानिक पक्ष पर अपना उद्बोधन केंद्रित रखा। उन्होंने कहा वर्षाजलधर्त्री पर्यावरण के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रदूषण दूर करने की जरूरत पर बल दिया। वेबिनार के संरक्षक के रूप में मौजूद इग्नू के लखनऊ केंद्र की निदेशक डाक्टर मनोरमा सिंह ने सभी अतिथियों का परिचय प्रतिभागियों से कराया तथा सबका स्वागत किया। उन्होंने सहभागिता के लिये नेताजी सुभाष डिग्री कालेज का आभार व्यक्त किया। वेबिनार की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ये गोष्ठी अत्यंत उपयोगी हो गई है। संस्कार भारती के डाक्टर भास्कर शर्मा ने पर्यावरण से सम्बंधित सुन्दर गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन संयुक्त रूप से वेबिनार के समन्वयक तथा इग्नू के सहायक निदेशक डाक्टर कीर्ति विक्रम सिंह तथा सहायक प्रोफेसर डाक्टर जय प्रकाश वर्मा ने किया। वेबिनार में देश के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में शिक्षकों शोधार्थियों एवं अन्य लोगों ने प्रतिभाग किया।

प्रकृति का अनुपम उपहार है मानव जीवन : चंद्रराम

शाहजहांपुर। मानव जीवन प्रकृति का अनुपम उपहार है इसका सदुपयोग करना हमारे देश की परम्परा रही है। यही कारण है कि आज भारतीय जीवन मूल्यों को विश्वव्यापी पहचान मिली है। यह विचार लोक एवँ जनजातीय कला एवँ संस्कृति संस्थान उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष तथा पूर्व भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी चंद्रराम ने इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज द्वारा युवाओं हेतु जीवन कौशलों की उपयोगिता विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सार्थक और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीना एक कला है। मुख्य अतिथि राजा राममोहन राय लाईब्रेरी फाउंडेशन, पश्चिम बंगाल संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के महानिदेशक डा. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि आज बहुत से लोग अवसाद तथा अन्य परेशानियों से जूझ रहे हैं ऐसे में जीवन कौशल के विषय में ज्ञान होना बहुत ही आवश्यक है ।उन्होंने कहा कि इस दिशा में इग्नू द्वारा उठाये गये कदम सराहनीय हैं।

विशिष्ठ अतिथि रीड इंडिया की कंट्री हेड डा. गीता मल्होत्रा ने अपने फाउंडेशन द्वारा युवाओं के लिए किए जा रहे कार्यों के विषय में विस्तार से बताया। विशिष्ट अतिथि यू पी कराटे के जनरल सेक्रेटरी जसपाल सिंह ने व्यक्तित्व निर्माण में खेलों के महत्व को रेखांकित।

कार्यक्रम की संरक्षक तथा प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि मानव जीवन का कौशलपूर्ण होना ही जीवन की सफलता है। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ मनोरमा सिंह ने कहा कि भारतीय जीवन मूल्यों में आध्यात्म का विशेष स्थान है। आध्यात्म हमारे व्यक्तिव को गढ़ता है, हमें बुराइयों से बचाता है। स्वामी शुकदेवानन्द कालेज शाहजहाँपुर के इग्नू अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ प्रभात शुक्ला ने गोष्ठी की थीम प्रस्तुत करते हुये उसके औचित्य पर प्रकाश डाला। पचपेडवा बलरामपुर स्थित दीन दयाल शोध संस्थान के इग्नू समन्वयक श्री राम कृपाल शुक्ला ने गोष्ठी का सार संक्षेप प्रस्तुत किया। डॉ करुणेश तिवारी ने अपने उद्बोधन में कोविड-19 पांडेमिक के दौरान जीवन कौशल के महत्व पर प्रकाश डाला इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के सहायक निदेशक तथा गोष्ठी के संयोजक डॉ कीर्ति विक्रम सिंह ने वेबिनार का विषय प्रवर्तन करते हए व्यक्त किये।

"आधी आबादी पर कोरोना युग का प्रभाव" विषय पर वेबिनार में हुई चर्चा

June 20, 2020 • वॉयस ऑफ कैपिटल ब्यूरो • उत्तर प्रदेश/स्थानीय

नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा आयोजित किया गया एक दिवसीय अन्तर राष्ट्रीय वेबिनार

लख़नऊ। कोविड-19 से उत्पन्न परिस्थितियों का दुनिया भर विशेषकर भारत की महिलाओं और लड़कियों पर व्यापक असर पड़ेगा। महिलाओं की आर्थिक, मानसिक, शारीरिक, सामाजिक स्थितियों में बदलाव से इनकार नहीं किया जा सकता। इस वैश्विक महामारी ने सभी वर्ग की महिलाओं को प्रभावित किया है चाहें वो कार्यशील हो, घरेलू शिक्षित हों, अशिक्षित, कम आयु वर्ग की हो, अथवा बुज़ुर्ग या प्रोढ़। यद्यपि भारत की सनातन और वैदिक परम्परा में यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता की अवधारणा है लेकिन देखना होगा की मात्र ये एक आदर्श वाक्य बनकर ही न रह जाये। आज भी महिला लैंगिक भेदभाव का शिकार बनती है घरेलू हिंसा घर अथवा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की घटनायें अभी आम हैं। महामारी के बाद बड़ी संख्या में महिलायें बेरोज़गार हो गई हैं, प्रवासी महिलाओं का संकट तो और भी भयावह और व्यापक है। हमें इसका उपाय सोचना ही होगा क्योंकि अगर आधी आबादी उपेक्षित रहा गई तो आने वाली पीढ़ी भी संस्कार रहित होगी। नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय अलीगंज द्वारा आयोजित एक दिवसीय अन्तर राष्ट्रीय वेबिनार में विभिन्न विद्वानों ने उक्त विचार व्यक्त किये। वेबिनार का उद्घाटन शिक्षा निदेशक उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश डा. वन्दना शर्मा ने किया। उन्होंने इतने ज्वलन्त विषय पर वेबिनार क़रने के लिये महाविद्यालय की हौसलाअफजाई करते हुये कहाक़ि ये हर्ष के साथ गर्व का भी विषय है कि महिलाओं की दशा के बारे में विचार क़रने के लिये देश विदेश के विद्वान एक मंच पर एकत्र हुये हैं।

लखनऊ: कोरोना वायरस महामारी ने सभी वर्ग की महिलाओं को प्रभावित किया...

मुख्य वक्ता के रूप में अमेरिका की जानी मानी विद्वान मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी करने वाली विश्व की पहली महिला तथा इंटरनेशनल पीस संस्थान कि संस्थापक प्रोफ़ेसर कैरोलिन हाइसिन ने कहा 'अमेरिका में करोना वायरस की वैक्सीन बनने का काम प्रगति पर है।

शुक्रवार को यूपी की राजधानी लखनऊ में नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय महिला पीजी कालेज अलीगंज द्वारा आयोजित एक दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार में विभिन्न विद्वानों द्वारा व्यक्त किये गये। यह वेबिनार ज़ूम एवं फेसबुक लाइव का माध्यम से किया गया। जिसमें महिलाओं से जुड़े कई तरह के विचार साझा किये गए।

वेबिनार का उद्घाटन शिक्षा निदेशक उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश डॉ. वन्दना शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने इतने ज्वलन्त विषय पर वेबिनार करने के लिये महाविद्यालय की हौसलाफजाई करते हुये कहा कि ये हर्ष के साथ गर्व का भी विषय है कि महिलाओं की दशा के बारे में विचार करने के लिये देश-विदेश के विद्वान एक मंच पर इकट्ठा हुए हैं।

वेबिनार में बताया गया कि कोविड-19 से उत्पन्न परिस्थितियों का दुनियाभर की विशेषकर भारत की महिलाओं और लड़कियों पर व्यापक असर पड़ेगा। महिलाओं की आर्थिक, मानसिक व शारीरिक सामाजिक स्थितियों में बदलाव से इनकार नहीं किया जा सकता। इस वैश्विक महामारी ने सभी वर्ग की महिलाओं को प्रभावित किया है, चाहें वो कार्यशील हो, घरेलू शिक्षित हों, अशिक्षित कम आयु वर्ग की हो अथवा बुज़ुर्ग या प्रोढ़ हों। यद्यपि भारत की सनातन और वैदिक परम्परा में यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता की अवधारणा है, लेकिन देखना होगा की मात्र ये एक आदर्श वाक्य बनकर ही न रह जाये।

आज भी महिला लैंगिक भेदभाव का शिकार बनती है, घरेलू हिंसा घर अथवा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की घटनायें अभी आम हैं। महामारी के बाद बड़ी संख्या में महिलायें बेरोजगार हो गई हैं। प्रवासी महिलाओं का संकट तो और भी भयावह और व्यापक है। हमें इसका उपाय सोचना ही होगा। क्योंकि अगर आधी आबादी उपेक्षित रहा गई तो आने वाली पीढ़ी भी संस्कार रहित होगी।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ

द्वारा आयोजित

काव्य सन्ध्या

दिनांक : 04 अगस्त, 2020, समय : सायं 5.00 बजे

मुख्य अतिथि
प्रोफेसर वन्दना शर्मा
शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा, उ.प्र.,
प्रयागराज।

संरक्षक
प्रोफेसर अनुराधा तिवारी
प्राचार्य,
ने. सु. च. बोस राजकीय महिला
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ।

कार्यक्रम अध्यक्ष एवं संचालन
श्री कमलेश मौर्य 'मृदु'
सदस्य, संगीत नाटक अकादमी
उत्तर प्रदेश।

विशिष्ट उपस्थिति

प्रोफेसर सस्मिता चन्द्रा
पूर्व प्राचार्य
महामाया राजकीय महाविद्यालय,
महोना, लखनऊ।

प्रोफेसर मंजु दीक्षित
प्राचार्य
म.वि.पा. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
आशियाना, लखनऊ

प्रोफेसर भारती सिंह
प्राचार्य
महामाया राजकीय महाविद्यालय
महोना, लखनऊ।

डॉ. मनोरमा सिंह
क्षेत्रीय निदेशक
IGNOU क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ

संयोजक
डॉ. रश्मि बिश्नोई
एसोसिएट प्रोफेसर, गृह विज्ञान
ने.सु.च.बोस राजकीय महिला स्ना.
महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ

समन्वयक
श्री जय प्रकाश वर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र
ने.सु.च.बोस राजकीय महिला स्ना.
महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ

आयोजन सचिव
डॉ. भास्कर शर्मा
ने.सु.च.बोस राजकीय महिला स्ना.
महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ

तकनीकी सदस्य → श्री अमित राजशील
श्री राज वर्मा
श्री सुनील वर्मा

आमंत्रित कविगण

डॉ. कमलेश द्विवेदी
हास्य कवि
कानपुर (उ0प्र0)

डॉ. राघवेन्द्र मिश्र 'प्रणय'
गीतकार
लखनऊ (उ0प्र0)

डॉ. अशोक अग्निपथी
ओज कवि
लखनऊ (उ0प्र0)

श्री सन्दीप अनुरागी
हास्य कवि
बाराबंकी (उ0प्र0)

सुश्री सोनी मिश्रा
श्रृंगार कवि
हरदोई (उ0प्र0)

सुश्री खुशबू मिश्रा
कवियत्री एवं पूर्व छात्रा
ने.सु.च.बोस राजकीय महिला स्ना.
महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ

काव्य संध्या से जुड़ने के लिए इस बटन पे क्लिक करें

Click Here to Register

यू-ट्यूब पर लाइव देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

click here to watch now!

दिनांक : 04 अगस्त, 2020
समय : सायं 5.00 बजे

अनावश्यक घर से बाहर न निकलें : डॉ धीमान

लखनऊ। अभी तक कोरोना की दवा या वैक्सीन नहीं बनी है लिहाजा हमारी सावधानी हमको इस महामारी से किसी हद तक बचा सकती है।नियमित शारीरिक श्रम तथा घरेलु काढ़े का निरन्तर उपयोग अत्यन्त लाभ दायक पाया गया है।अनावश्यक घर के बाहर बिल्कुल न निकले तथा मास्क को अपने जीवन का अंग बना लें। ये विचार आज संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ के निदेशक प्रोफेसर(डा) धीमान ने व्यक्त किये।वो आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज के गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक वेबिनार को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।वेबिनार का विषय था कोविद19 के दौरान स्वास्थ्य और पोषण।निदेशक ने कहा की हमें अपनी जीवन शैली में बदलाव लाना होगा तथा बीमारी के प्रति सचेत रहना ही होगा ।उन्होंने कहा कि बीमारी से डरना नहीं है बल्कि

बचना है।उन्होंने कहा कि इस दौरान सन्तुलित खाना की जरुरत है न तो अधिक खाकर मोटापा बढ़ाना है और न कम खाकर इम्यूनिटी कम करने की आवश्यकता है।डाक्टर धीमान ने कहा की ऐसे समय में हाईड्रेट रहने की नितान्त जरुरत है।शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिये।उन्होंने कहा कि कोविड की तीन स्टेज होती है सबसे पहले गला संक्रमित होता है फिर फेफड़े और उसके बाद मल्टी ऑरगन। इसलिये गरम पानी और काढ़े के प्रयोग से इसको गले में ही सफल किया जा सकता है। वेबिनार की मुख्य वक्ता के रूप में भीमराव अम्बेडकर विवि की प्रोफेसर सुनीता मिश्रा ने कोविड के दौरान खाने और न खाने योग्य पदार्थों के बारे में विस्तार से बताया।उन्होंने कहा बीमारी जाने में अभी समय लगेगा हमें अपनी फूड हैबिट में बदलाव लाना होगा।उन्होंने कहा कि हमें मुनक्का ग्लोसीन ड्रिंक तथा अल्कलाइन फूड अपने रोजमर्रा के खाने में शामिल करना होगा।प्रोफेसर मिश्रा ने कहा नारियल पानी,नींबू बेल तरबूज खरबूजा लौकी आदि का सेवन अत्यन्त उपयोगी होगा।इसके अलावा हमको तनाव मुक्त रहना चाहिये। संजय गांधी पी जी आइ की वरिष्ठ चिकित्सक नेफ्रोलोजि विभाग की प्रोफेसर अनीता सक्सेना ने विशेष रूप से किडनी रोगियों को क्या सावधानी बरतनी चाहिये इसकी चर्चा करते हुये कहा कि शरीर में मिनरल्स की कमी नहीं होनी चाहिये।यदि ऐसे रोगियों को कोविड हो जाता है तो भी अपनी दवाएं खाते रहना चाहिये।उन्होंने कहा कि अगर आपातकाल में डायलिसिस न हो सके तो प्रोटीन युक्त खाना लेना चाहिये। इस अवसर पर कोरोना बीमारी को मात दे चुके एक महीने तक पी जी आइ में भर्ती रहे लखनऊ विवि के जन्तु विज्ञान विभाग के प्रोफेसर सुधीर स्वरूप ने अपने अनुभवों को साझा किया।सूच्य है कि डाक्टर स्वरूप पी जी आइ से ही वेंटिलेटर पर डायग्नोस्ट कर चुके हैं।उन्होंने विस्तार से बताया कि इस दौरान क्या खायें और कैसे रहें।गरम पानी को उन्होंने सर्वोत्तम औषधि बताया।उन्होंने अनेक प्रतिभागियों के सवालों का जवाब देकर भ्रम दूर किया। इस मौके पर संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा प्रोफेसर राजीव पाँडे ने भी अपने विचार व्यक्त किये तथा आयोजकों को बधाई दी। इसके पहले वेबिनार की समन्वयक डाक्टर रश्मि बिश्नोई ने विषय प्रवर्तन करते हुये कहा कि आज की वेबिनार में लगभग 2100 लोग प्रतिभाग कर रहे हैं।उन्होंने अतिथियों का परिचय कराया तथा गोष्ठी का प्रभावशाली सफल संचालन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि ऐसे वरिष्ठ चिकित्सकों के विचारों को सुनकर कोविड के सम्बन्ध में अनेक भ्रान्तियों का निवारण हुआ है तथा उससे लड़ने की ताकत मिली है।उन्होंने अतिथियों का स्वागत किया। आयोजक सचिव डाक्टर शिवानी श्रीवास्तव ने गोष्ठी में सेतु का कार्य करते हुये कहा कि आज की गोष्ठी सम सामयिक और उपयोगी है।उन्होंने प्रश्न मंच का सफलता से संचालन किया।धन्यवाद ज्ञापन डाक्टर भास्कर शर्मा ने किया तथा कहा कि आज हम लोगों के मन से भय कम हुआ है।उन्होंने अपने गीत देखना फिर चलेगी दुनिया का पाठ किया।गोष्ठी में देश के विभिन्न हिस्सों से शोधार्थियों विद्यार्थियों शिक्षकों आदि ने भाग लिया।

जूम ऐप के माध्यम से भूतपूर्व छात्राओं का सम्मेलन संपन्न

सीतापुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला पी जी कालेज अलीगंज में आज भूतपूर्व छात्राओं का सम्मेलन जूम ऐप के माध्यम से आयोजित किया गया।इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी के अलावा महाराजा बिजली पासी राजकीय पी जी कालेज की प्राचार्य प्रोफेसर मंजु दीक्षित , महामाया राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर भारती सिंह राजकीय महाविद्यालय गुसाईं खेड़ा की प्राचार्य डॉक्टर दीप्ति खरे राजकीय महाविद्यालय महमूदाबाद की पूर्व प्राचार्य डॉक्टर सीमा सिंह सेवानिवृत प्राचार्य प्रोफेसर सुस्मिता चन्द्रा विशेष तौर पर मौजूद रहीं। मुख्य है ये सभी इस महाविद्यालय में कभी न कभी अध्यापन कर चुकी हैं। पूर्व छात्रा परिषद की प्रभारी डॉक्टर रश्मि बिश्नोई के कुशल संचालन में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में अध्ययन रत रहीं बड़ी संख्या में छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का स्वरूप इतने व्यवस्थित ढंग से किया गया कि लगा ही नहीं कि कार्यक्रम ऑनलाइन हो रहा है। सरस्वती वंदना से शुरू हुए सम्मेलन में छात्राओं द्वारा कालेज का कुलगीत भी मनोहारी तरीके से प्रस्तुत किया गया। पुरातन छात्रा परिषद के सदस्यों डॉक्टर विनीता लाल डॉक्टर पुष्पा यादव डॉक्टर शिवानी श्रीवास्तव डॉक्टर राघवेन्द्र नारायण डॉक्टर श्वेता भारद्वाज डॉक्टर क्रान्ति सिंह डाक्टर सपना जायसवाल ने एक एक कर सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यक्रमों का संचालन किया। डॉक्टर राघवेन्द्र ने पुरातन छात्राओं की मनोनीत समिति की घोषणा की तथा मनोनीत पदाधिकारियों का परिचय कराया।वर्तमान सत्र के लिए पूर्व छात्रा खुशबू मिश्रा को अध्यक्ष सोनम वर्मा को सचिव तथा नेहा सिंह को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया जबकि शुद्धा मिश्रा अंजलि सिंह कनक मिश्रा वर्तिका एवं निधि मिश्रा को सदस्य बनाया गया। इन पदाधिकारियों ने एक स्वर से कहा कि जो भी संभव होगा कालेज के लिए उसे अवश्य करेंगी।डाक्टर विनीता लाल की देखरेख में छात्राओं ने अनेक मनोहारी कविताओं तथा गीतों का वाचन किया।जबकि डाक्टर पुष्पा यादव ने विभिन्न सेवाओं में कार्यरत डाक्टर प्रीति अग्रवाल प्रतीक्षा मिश्रा बबिता शर्मा कविता भारती काजल तिवारी मालविका बाजपाई के बारे में बताया इनमे से सभी ने कालेज के अपने अनुभवों को साझा किया।समिति की वरिष्ठ सदस्य डाक्टर शिवानी श्रीवास्तव ने आभार ज्ञापित करते हुये कहा की स्थितियाँ सामान्य होने पर इसका विस्तृत आयोजन किया जायेगा।डाक्टर मंजु दीक्षित भारती सिंह सीमा सिंह सुस्मिता चंद्रा ने कालेज के प्रति अपने अनुराग को बताते हुये माहौल को भावुक कर दिया। डाक्टर भास्कर शर्मा ने करोना पर लिखी अपनी चर्चित रचना का पाठ किया।पूर्व छात्रा नुसरत स्वाति सिंह राजश्री आदि ने भी अपनी भावनाएँ व्यक्त की।प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया तथा भव्य आयोजन के लिये समिति की पीठ थपथपाई।

खुशबू अध्यक्ष तो नेहा बनीं कोषाध्यक्ष

लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज में रविवार को पहले पुरातन छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुरातन छात्राओं के पदाधिकारियों का चुनाव भी किया गया। इसमें खुशबू मिश्रा को अध्यक्ष, सोनम वर्मा को सचिव तथा नेहा सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। साथ ही श्रद्धा मिश्रा, अंजलि सिंह, कनक मिश्रा, वर्तिका गुप्ता तथा निधि मिश्रा को सदस्य चुना गया। जूम एप के माध्यम से हुए इस प्रथम पुरातन छात्रा सम्मेलन का आयोजन प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी के नेतृत्व में हुआ।

142

Netaji Subhash Chandra Bose Government Girls P.G. College
Aliganj, Lucknow

NSCB Webinar Series on COVID-19

We cordially invite you to join National Webinar on

Covid 19: Impact on Society and Strategies to Cope with It

Keynote Speaker

Dr. K V Cybil
Associate Professor
Department of Humanistic Studies
IIT- BHU, Varanasi

Patron

Prof. Anuradha Tiwari
Principal

Distinguished Speaker

Dr. Ram Sharma
Associate Professor & Head
Department of English
J.V.College, Baghpat

Convener

Dr. Shalini Srivastava
Assistant Professor & Head
Department of English

E-Mail : shaliniatulsrivastva@gmail.com
Mobile : +919335340205

Invited Speaker

Dr. Neha Anand
Psychotherapist
Executive Director Bodhitree India
Chief Consultant Psychologist
Health Centre Ambedkar University
Lucknow

Date & Time

Wednesday, May 27, 2020 at 3:30 P.M. on ZOOM

Click here for Registration ***Click here for YouTube link***

Webinar will be live on YouTube

* E-certificate will be issued to all registered participants

Click here to download certificate (After 2-3 days of Webinar)

Dr. Pratima Chaitanya
DR. SHWETA BHARDWAJ (CO-CONVENOR)
SUNEEL VERMA- TECH SUPPORT
(DISTINGUISHED SPEAKER)
110
Participants
Q&A
Chat
Share Screen
Record

Online Yoga Practice Session
On the Occasion of Sports Day

Organized by
Department of Physical Education

Netaji Subhash Chandra Bose
Govt. Girls PG College, Lucknow

let's be together, let's do together
a Practical Experience with Activities
by Practicing it

Time
August 29
at
Morning 7.00 AM

Click here for Registration

click here to watch now!

Dr. Savita Singh
Assistant Professor
Department of Physical Education

Prof. Anuradha Tiwari
Principal

Programm Description

Prayer
Deep Breaths
Sukshm Vyayam
Engine Daud
Surya Namashkar
Standing Asanas
Sitting Asanas
Asanas in Lying Down with Back
Asanas in Lying Down on Stomach
Shavasana
Kapalbhati
Pranayam
Om Chanting

FIT INDIA